R.N.I. No.ÙPHIN/2010/39063

वर्ष : 11
अंक : 247
पृष्ठ : 8
मूल्य - 2 रुपये

हिन्दी दैनिक

सिन्धु टाइम्स

सिन्ध सदियों से हमारे देश की पहचान है, यह नदी गुज़रे जहां से समझो हिन्दुस्तान है।

3 मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखना बंद करें: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, रविवार , 20 जून 2021

जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दलों के साथ बैठक की तैयारियां 8

संक्षिप्त- समाचार

रूस में विमान दुर्घटना में सात मरे, 13 घायल

मॉस्को वार्ता। रूस के केमेरोवो क्षेत्र में एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से सात लोगों की मौत हो गयी, जबकि 13 अन्य घायल हो गये। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

रूसी समाचार एजेंसी स्पूतनिक ने आपातकालीन सेवा के एक प्रवक्ता के हवाले से बताया कि दुर्घटना के समय विमान में 20 यात्री सवार थे जिनमें से सात यात्रियों की मौत हो गयी है और 13 अन्य घायल हुए हैं। केमेरोवो क्षेत्र के गवर्नर सर्गेई त्सिविलोव ने बताया कि घायलों में से चार की हालत गंभीर बनी हुई है और 11 को मामूली चोटें आयी हैं।

स्वास्थ्यकर्मियों पर हमला करने वालों से सख्ती से निपटें राज्य: गृह मंत्रालय

नयी दिल्ली वार्ता। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने देश के विभिन्न हिस्सों में डाक्टरों तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के साथ मारपीट के मामलों को गंभीरता से लेते हुए राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से इस तरह की घटनाओं से सख्ती से निपटने के लिए कहा है ।केन्द्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने शनिवार को राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर कहा कि गृह मंत्रालय की ओर से गत 27 अप्रैल और 9 जून को भी इस बारे में परामर्श जारी किया गया था लेकिन डाक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के साथ मार पीट और दुर्व्यवहार की घटनाओं की पुनरावृति रूक नहीं रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं से डाक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के मनोबल को ठेस पहुंचती है और जिसका प्रभाव पूरे स्वास्थ्यतंत्र पर पड़ता है। गृह सचिव ने कहा कि पहले के परामर्शों में इन घटनाओं की पुनरावृति रोकने के लिए अनेक उपाय सुझाये गये थे।

कर्नाटक की पहली किसान रेल दिल्ली के लिए रवाना

बेंगलुरू वार्ता। कर्नाटक की पहली किसान रेल कोलार क्षेत्र से 250 टन आम उत्पाद लेकर शनिवार को दिल्ली के लिए रवाना हुई।

कोलार से सांसद मुनिस्वामी ने एक सादे कार्यक्रम में कोलार जिले के डोडानट्टा हॉल्ट स्टेशन (चिंतामणि) से नयी दिल्ली के आदर्श नगर स्टेशन के लिए इस ट्रेन को हरी झंडी दिखायी ।भारतीय रेलवे ने देश के विभिन्न हिस्सों में उत्पादन केंद्रों को बाजारों/उपभोग केंद्रों से जोड़कर कृषि क्षेत्र में आय बढ़ाने के उद्देश्य से किसान रेल सेवाएं शुरू की है।

तेलंगाना सरकार ने राज्य में पूरी तरह से लॉकडाउन हटाया

हैदराबाद,वार्ता। तेलंगाना सरकार ने राज्य में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के मामलों में गिरावट को देखते हुए रविवार से पूरी तरह से लॉकडाउन हटाने का फैसला किया है।

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों और पॉजिटिव दर में आई गिरावट तथा राज्य में कोविड-19 की स्थिति नियंत्रण लेकर प्रस्तुत रिपोर्ट जांच की गई ।मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि इसके बाद मंत्रिमंडल ने राज्य से लॉकडाउन हटाने का फैसला लिया।

अनलॉक के दौरान खतरनाक साबित हो सकती है लापरवाही और ढिलायी : गृह मंत्रालय

नयी दिल्ली वार्ता। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को आगाह किया है कि देश भर में कोरोना संक्रमण के मामलों में कमी के मद्देनजर किये जा रहे अनलॉक के दौरान किसी भी तरह की लापरवाही या ढिलायी खतरनाक साबित हो सकती है इसलिए उचित कोविड व्यवहार के साथ साथ टेस्ट, ट्रेक, उपचार और टीकाकरण की पांच सूत्री रणनीति पूरी तरह अपनाये जाने की सख्त जरूरत है।

गृह सचिव अजय भल्ला ने राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को शनिवार को लिखे पत्र में कहा है कि कोरोना संक्रमण के मामलों में कमी के मद्देनजर विभिन्न क्षेत्रों को खोला जाना जितना जरूरी है उतना ही जरूरी यह भी है कि इस दौरान पूरी तरह से सावधानी और सतर्कता बरती जाये तथा जमीनी स्थिति के आकलन के आधार पर ही निर्णय लिये जायें। उन्होंने जोर देकर कहा कि अनलॉक के दौरान पांच सूत्री रणनीति को सख्ती से अपनाये जाने की जरूरत है। इसमें उचित कोविड व्यवहार के साथ साथ कोरोना जांच, संक्रमित व्यक्ति के संपर्कों का पता लगाना , संक्रमितों का उपचार और टीकाकरण जरूरी है ।कोविड व्यवहार के पालन की नियमित रूप से निगरानी करने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि लोग मास्क का इस्तेमाल करें, हाथों को साफ करें, सामाजिक दूरी बनाये रखें और बंद स्थानों में रोशनदान के जरिये हवा के आवागमन की व्यवस्था हो ।गृह सचिव ने कहा कि सभी जिला और संबंधित अधिकारियों को ये निर्देश जारी किये जाने चाहिए कि अनलॉक के दौरान किसी तरह की ढिलायी नहीं बरती जायेगी। उन्होंने कहा कि संक्रमण पर ठोस तरीके से रोक लगाने के लिए जांच, संपर्क का पता लगाने और उपचार की रणनीति को बदस्तूर जारी रखे जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जांच दर में कमी नहीं आनी चाहिए और साथ ही सक्रिय मामलों में तेजी आने या पोजिटीविटी दर के बढने पर कड़ी नजर रखी जानी चाहिए। माइक्रो स्तर पर इस तरह की व्यवस्था होनी चाहिए कि छोटी जगहों पर मामलों में बढोतरी को केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशा निर्देशों के अनुसार स्थानीय नियंत्रण उपायों से ही रोक दिया जाये ।मौजूदा परिस्थिति में टीकाकरण को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि टीकाकरण की गति को बढाये जाने की जरूरत है । उन्होंने कहा कि संक्रमण की श्रंखला को तोड़ने के लिए टीकाकरण बहुत जरूरी है इसलिए राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को टीकाकरण की गति बढाकर अधिक से अधिक लोगों को इस कवच की सुरक्षा तेजी से प्रदान करनी चाहिए।

कोरोना वायरस कमजोर हुआ है समाप्त नहीं: योगी

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को चेतावनी भरे लहजे में कहा कि लोग इस बात का ध्यान रखें कि कोरोना वायरस प्रदेश में कमजोर हुआ है मगर समाप्त नहीं हुआ है। इसलिये विशेष सतर्कता की जरूरत है।

श्री योगी ने अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जिलों में चल रही योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होने कहा कि कि मौसम के विपरीत परिस्थितियों में जागरूक रहने की आवश्यकता है। जिस प्रकार प्रदेश में कोरोना महामारी को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कार्य किया गया, उसीप्रकारजेई,एईएस,मलेरिया,डायरिया, चिकनगुनिया व डेंगू जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है ।उन्होंने कहा कि कोरोना के तीसरी लहर के लिए अभी से तैयार रहने के साथ स्वच्छता, सैनिटाइजेशन, फॉगिंग, शुद्ध पेयजल के प्रति आम जनमानस को जागरूक करने की आवश्यकता है और टीकाकरण की गति को बढ़ाकर कोरोना महामारी पर विजय प्राप्त करना हैं ।मुख्यमंत्री ने कहा कि 21 जून को विश्व योग दिवस के अवसर से कोरोना कर्फ़्यू में छूट दी जाएगी मगर प्रत्येक जिला ध्यान रखें कि कोरोना समाप्त नही हुआ है।

यूपी इलेक्शन 2022: इटावा में दहाड़े अखिलेश

भाजपा चाहे जिस चेहरे पर चुनाव लड़े सत्ता से बेदखल करेगी जनता

इटावा सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा को सत्ता से बाहर करने जा रही है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह किसके चेहरे पर चुनाव लड़ रही है। पूरे कार्यकाल में सीएम योगी चुनाव से पूर्व किए गए किसी वायदे को पूरा नहीं कर पाए। जनता भाजपा से यह जानना चाहती है कि पिछले संकल्प पत्र में उन्होंने जो वायदे किए थे उनको पूरा क्यों नहीं किया। वह शनिवार को सैफई में मीडिया कर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा को यह बताना होगा कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए क्या किया। किसानों, बेरोजगारों, शिक्षित युवाओं, नौकरी पेशा लोगों के लिए क्या किया। पूरे पांच साल समाज का हर वर्ग प्रताड़ित रहा। पेट्रोल डीजल महंगा हुआ है। भाजपा को बढ़ती हुई महंगाई पर जवाब देना चाहिए।

जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव के बारे में कहा कि जिला पंचायत सदस्यों के चुनाव में जनता ने भाजपा को नकार दिया है। इनके सदस्य नहीं जीते जिसके परिणाम सभी के सामने हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव के लिए भाजपा चुनाव नहीं लड़ रही है। जिलों के कप्तान और जिलाधिकारी चुनाव लड़ रहे हैं।

बता दें कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव अपने भाई की पौत्री दीपाली की शादी समारोह में शामिल होने के लिए शनिवार को अपने बेटे अखिलेश यादव के साथ सैफई पहुंचे। रविवार को होने वाले विवाह समारोह में जहां सपा का पूरा कुनबा आ गया है वहीं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के भी परिवार के साथ पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। सैफई महोत्सव के संस्थापक स्वर्गीय रणवीर सिंह यादव की बेटी और पूर्व सांसद तेज प्रताप सिंह यादव की बहन दीपाली का रविवार को विवाह है। इसमें शामिल होने के लिए शनिवार दोपहर बाद हवाई जहाज से पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव सैफई हवाई पट्टी पहुंचे। प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव भी पहुंच गए।

पूर्व सांसद डिंपल यादव बच्चों के साथ एक दिन पहले ही आ गई थीं। परिवार के लोगों से मिलने के बाद मुलायम सिंह इटावा शहर स्थिति आवास पर पहुंच गए थे। शनिवार को क्षेत्र के लोगों के लिए भोज का आयोजन किया गया। भोज में आए लोगों की शिवपाल सिंह यादव ने अगवानी की। रविवार को सुबह 11 बजे से शादी की रस्में शुरू हो जाएंगी।

कोविड प्रोटोकाल के चलते सीमित संख्या में लोगों को आमंत्रित किया गया है। शादी में तेज प्रताप के ससुर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, सास राबड़ी देवी, साले तेजस्वी यादव और तेज प्रताप के भी शामिल होने की भी उम्मीद जताई जा रही है।

भाजपा ने किसानों की दुर्गति कर दी

अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि किसानों की जैसी दुर्गति भाजपा सरकार के साढ़े चार सालों में हुई है वैसी पिछले पचास सालों में भी नहीं हुई थी।

गेहूं खरीद की तारीख बढ़ाकर किसानों को धोखा देने का स्वांग रचा गया है। किसान को न फसल का दाम मिला है और नहीं मुआवजा मिला है, ऊपर से मंहगाई की मार ने उसकी कमर तोड़ दी है। सरकार श्वेत पत्र जारी करे ताकि किसानों से गेहूं खरीद की सच्चाई सामने आ सके।

कागजों में गेहू खरीद की तारीख बढ़ाने की घोषणा तो हुई है जबकि हकीकत में खरीद बंद है। सरकारी खरीद पोर्टल काम नहीं कर रहा है। किसान का खलिहान में रखा गेहूं भीगने से खराब हो रहा है तो कुछ क्रय केन्द्रों में खुले में पड़ा गेहूं सड़ रहा है। वैसे बरसात के दिनों में तमाम क्रयकेन्द्रों पर सन्नाटा पसरा हुआ है।

पंचतत्व में विलीन हुए उड़न सिख

पत्नी की तस्वीर सीने से लगा दुनिया को कहा अलविदा

चंडीगढ़ वार्ता। पाकिस्तान के गोविंदपुरा में जन्मे उड़न सिख मिल्खा सिंह शनिवार को अपनी अनंत यात्रा पर रवाना हो गए। जीवन में हर कठिनाई को पार कर मिल्खा सिंह ने वो पहचान बनाई कि दुनिया उनकी मुरीद बन गई। कोरोना जैसी नामुराद बीमारी ने उनका जीवन बेशक छीन लिया लेकिन वे दिलों में हमेशा जिंदा रहेंगे। चंडीगढ़ में शनिवार शाम जब उनकी अंतिम यात्रा शुरू हुई तो पूरा चंडीगढ़ अपने हीरो को सलामी देने उमड़ पड़ा।

शाम लगभग साढ़े पांच बजे पत्नी निर्मल मिल्खा सिंह की फोटो को सीने से लगाकर मिल्खा सिंह पंचतत्व में विलीन हो गए। इससे पहले केंद्रीय खेल मंत्री किरण रिजिजू और पंजाब के राज्यपाल व चंडीगढ़ के प्रशासक वीके सिंह बदनौर सेक्टर 25 के श्मशान घाट पहुंचे और परिवार को सांत्वना दी।

मिल्खा सिंह के अंतिम दर्शन करने पहुंचे पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह सेक्टर-8 स्थित मिल्खा सिंह के आवास पर करीब 5 मिनट बैठे। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत की। इसके बाद उन्होंने एक दिन के राजकीय शोक और स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी पटियाला में मिल्खा सिंह के नाम पर एक चेयर स्थापित करने का एलान किया। हरियाणा विधानसभा के स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता महान धावक मिल्खा सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके निवास स्थल पर पहुंचे थे।

शाम चार बजे मिल्खा सिंह के पार्थिव शरीर को फूलों से सजी गाड़ी में रखा गया था। इससे पहले पंजाब के वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल अपने परिवार के साथ मिल्खा सिंह के घर पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह पूरे पंजाब और देश के लिए दुख की घड़ी है। बादल ने कहा कि वह यही कामना करते हैं कि देश की हर मां मिल्खा सिंह जैसे पुत्र को जन्म दे।

आखिरी इंटरव्यू में कहा था, मैं वापस आऊंगा

बीमारी के दौरान ही दिए गए अपने आखिरी इंटरव्यू में उन्होंने वादा किया था वह तीन-चार दिन में ठीक होकर वापस आ जाएंगे। कोरोना संक्रमण का पता चलने के बाद समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत में महान फर्राटा धावक मिल्खा सिंह ने कहा था कि वह जल्दी ठीक हो जाएंगे और उन्हें यकीन था कि अपनी स्वस्थ जीवन शैली और नियमित व्यायाम के दम पर वह वायरस को हरा देंगे।

श्री पारस अस्पताल प्रकरण: जांच रिपोर्ट पर प्रियंका गांधी का ट्वीट

सरकार ने न्याय की उम्मीद को तोड़ दिया

आगरा ब्यूरो। श्री पारस अस्पताल में 26 व 27 अप्रैल को मरने वाले 16 मरीजों की डेथ ऑडिट रिपोर्ट में 14 ऐसे मिले हैं, जिन्हें पुरानी बीमारियां थीं। सिर्फ 2 मृतक ऐसे हैं जिन्हें कोई बीमारी नहीं थी। प्रशासनिक जांच में 16 मरीजों की मौतों का कारण ऑक्सीजन की कमी नहीं बल्कि मरीजों में संक्रमण की गंभीर स्थिति और अन्य बीमारियां को माना गया है।

आगरा के श्री पारस अस्पताल की दमघोंटू मॉकड्रिल मामले में जिला प्रशासन की जांच रिपोर्ट पर सवाल उठ रहे हैं। इस मामले पर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक बार फिर यूपी सरकार को घेरा है। शनिवार को उन्होंने ट्वीट किया कि मरीजों के परिजनों की गुहार को अनसुना कर सरकार ने न्याय की उम्मीद को तोड़ दिया।

श्री पारस अस्पताल के संचालक डॉ. अरिंजय जैन के वीडियो वायरल होने के बाद अस्पताल प्रबंधन पर दमघोंटू मॉकड्रिल से 22 मरीजों की मौत के आरोप लगे थे। इस मामले मं जिला प्रशासन की जांच पूरी हो गई। शुक्रवार रात जिलाधिकारी प्रभु एन सिंह ने प्रेसनोट जारी किया। इसमें जांच के सभी मुख्य बिन्दुओं को शामिल किया गया है। प्रेसनोट के अनुसार 26 व 27 अप्रैल को 48 घंटे के डेथ ऑडिट में 16 मृतक मिले हैं। वीडियो वायरल होने पर डीएम ने सात मौतों का दावा किया था। प्रशासनिक जांच में 16 मरीजों की मौतों का कारण ऑक्सीजन की कमी नहीं बल्कि मरीजों में संक्रमण की गंभीर स्थिति और अन्य बीमारियां को माना गया है। इस जांच रिपोर्ट पर सवाल उठ रहे हैं।

सरकार और अस्पताल- दोनों का रास्ता साफ

प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट कर इसे विडंबना बताते हुए सरकार को घेरा है। उन्होंने लिखा है, विडंबना देखिए..। खबरों के अनुसार आगरा में अस्पताल ने मरीजों की ऑक्सीजन बंद करके मॉकड्रिल की और भाजपा सरकार ने क्लीन चिट देकर इंक्वायरी की मॉकड्रिल कर दी। सरकार और अस्पताल- दोनों का रास्ता साफ।

पूर्व नौकरशाह ए के शर्मा बने भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष

डिप्टी सीएम बनने की अटकलों पर लगा विराम

लखनऊ ब्यूरो। पूर्व नौकरशाह अरविंद कुमार शर्मा को भाजपा ने प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं, पार्टी ने संगठन विस्तार करते हुए महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पद की प्रमुख दावेदार अर्चना मिश्रा को पार्टी की प्रदेश मंत्री नियुक्त किया है। वहीं, अमित वाल्मीकि को भी प्रदेश मंत्री नियुक्त किया गया इसके अलावा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आज पार्टी के विभिन्न मोर्चों के प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा की है। प्रांशुदत्त द्विवेदी (फर्रूखाबाद) को युवा मोर्चा, गीता शाक्य राज्यसभा सांसद (औरैया) को महिला मोर्चा, कामेश्वर सिंह (गोरखपुर) को किसान मोर्चा, नरेन्द्र कश्यप पूर्व सांसद (गाजियाबाद) को पिछड़ा वर्ग मोर्चा, कौशल किशोर सांसद को अनुसूचित जाति मोर्चा, संजय गोण्ड (गोरखपुर) को अनुसूचित जनजाति मोर्चा व कुंवर बासित अली (मेरठ) को अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया है ।बता दें कि ए के शर्मा के एमएलसी बनने के बाद से ही उन्हें यूपी सरकार में डिप्टी सीएम व कैबिनेट में मंत्री बनने को लेकर कयास लगाए जा रहे थे। उपाध्यक्ष बनाए जाने के बाद इन अटकलों को विराम लग गया है। बता दें कि शुक्रवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह व संगठन महामंत्री सुनील बंसल ने यूपी चुनाव को लेकर चर्चा की थी जिसके बाद संगठन विस्तार किया गया।

कोरोना रिटर्न: एम्स निदेशक की चेतावनी

6 से 8 सप्ताह में आ सकती है तीसरी लहर

नयी दिल्ली वार्ता। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक रणदीप गुलेरिया ने शनिवार को चेतावनी दी कि यदि कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन नहीं किया गया और भीड़-भाड़ नहीं रोकी गई तो अगले छह से आठ सप्ताह में वायरल संक्रमण की अगली लहर देश में दस्तक दे सकती है।

गुलेरिया ने कहा कि जब तक बड़ी संख्या में आबादी का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक कोविड-उपयुक्त व्यवहार का आक्रामक तरीके से पालन करने की आवश्यकता है। उन्होंने संक्रमण के मामलों में बड़ी वृद्धि होने पर कड़ी निगरानी और क्षेत्र-विशेष में लॉकडाउन की आवश्यकता पर जोर दिया।

गुलेरिया ने दोहराया कि अब तक इस बात का कोई सबूत नहीं है कि संक्रमण की अगली लहर में बच्चे अधिक प्रभावित होंगे। इससे पहले, भारत के महामारी विज्ञानियों ने संकेत दिया था कि कोविड-19 की तीसरी लहर अपरिहार्य है और इसके सितंबर-अक्टूबर से शुरू होने की आशंका है ।भारत अप्रैल और मई में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से बुरी तरह प्रभावित हुआ था, जिसमें प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों की जानें गई थीं और विभिन्न अस्पतालों में ऑक्सीजन की आपूर्ति में कमी के कारण संकट बढ़ गया था। हालांकि, अब संक्रमण के मामलों की संख्या में गिरावट देखी गई है और संक्रमण दर भी पिछले कई दिनों से घट रही है। कोविड-19 के प्रतिदिन सामने आने वाले मामले जो करीब चार लाख हो गए थे अब ये कम होकर 60,000 के आसपास हो गए हैं ।गुलेरिया ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, ''यदि कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन नहीं किया जाता है, तो तीसरी लहर छह से आठ सप्ताह में आ सकती है। हमें टीकाकरण होने तक एक और बड़ी लहर को रोकने के लिए आक्रामक तरीके से काम करने की जरूरत है।''उन्होंने कहा कि कोविड हॉटस्पॉट में आक्रामक निगरानी और संक्रमण के मामलों में अधिक वृद्धि होने पर लॉकडाउन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जब भी किसी क्षेत्र विशेष में मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि होती है और संक्रमण दर 5 प्रतिशत से अधिक होती है, क्षेत्र विशेष लॉकडाउन और रोकथाम उपायों को लागू किया जाना चाहिए।

भारतीय कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद

राहुल गांधी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई

उरूषा राना

महिला कांग्रेस

मध्य जोन

(उपाध्यक्ष)

तीन महीने बाद यूपी में कोरोना के 5000 से कम एक्टिव केस

लखनऊ संवादाता। उत्तर प्रदेश में लगभग तीन महीने बाद कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या पांच हजार से कम हुयी है। प्रदेश में औसत पाजीटिविटी दर शून्य दशमलव तीन फीसदी है।

पिछले 24 घंटे में राज्य में दो लाख 73 हजार 426 सैम्पल टेस्ट हुए, जबकि 294 नए पॉजिटिव केस आये और 592 लोग स्वस्थ होकर डिस्चार्ज भी हुए। इस दौरान पॉजिटिविटी दर 0.1 फीसदी रही, जबकि रिकवरी दर 98.4 प्रतिशत हो चुकी है। वर्तमान में प्रदेश में कुल 4,957 एक्टिव केस हैं। इससे पहले, 5,000 से कम एक्टिव केस 24 मार्च को थे। महाराष्ट्र और केरल में दैनिक केस, उत्तर प्रदेश में कुल जितने एक्टिव केस हैं, उसके दो से तीन गुने अधिक केस महाराष्ट्र और केरल में हर दिन आ रहे हैं। जून में उत्तर प्रदेश में औसत पॉजिटिविटी दर 0.3 प्रतिशत रही है। प्रदेश में अब तक 5.50 करोड़ से अधिक कोविड सैंपल की जांच हो चुकी है, जबकि ढाई करोड़ से अधिक वैक्सीन डोज लगाए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना प्रबंधन के लिये गठित टीम-09 की बैठक में कहा कि इस समय वायरस कमजोर है। संक्रमण दर न्यूनतम रह गई है। वैक्सीनेशन के अभियान को तेज करने के लिए यह अनुकूल समय है। 18 वर्ष की आयु से अधिक के सभी नागरिकों के लिए 21 जून से राज्य सरकारों को नि:शुल्क टीका उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस निर्णय से टीकाकरण अभियान को और गति मिलेगी। हमें इस सुअवसर का लाभ लेते हुए पूरी क्षमता के साथ टीकाकरण अभियान संचालित करना होगा। इसके लिये रणनीति बना कर प्रभावी ढंग से लागू की जाए। हर दिन 06 लाख लोगों को टीका-कवर देने के लक्ष्य के साथ तैयारी की जाए जबकि 01 जुलाई से प्रतिदिन 10 से 12 लाख लोगों को वैक्सीनेट किया जाए। वैक्सीनेशन सेंटर और वैक्सीनेटर की संख्या बढ़ाएं।

उन्होने कहा कि विकास खंडों के अंतर्गत राजस्व गांवों का क्लस्टर बनाकर टीकाकरण अभियान चलाया जाए। एक क्लस्टर को एक सप्ताह के भीतर वैक्सीनेट करने का लक्ष्य हो। ग्राम पंचायतों को केंद्र बनाएं। ग्रामीणों को टीका लगने की तारीख पहले से ही बताई हो। वैक्सीनेशन की तिथि के तीन दिन पूर्व ग्राम प्रधान, शिक्षक, आशा बहनों सहित क्षेत्रीय प्रबुद्ध जनों के सहयोग से लोगों को जागरूक किया जाए। टीकाकरण के बाद किसी प्रकार की चिकित्सकीय सहायता के लिए एम्बुलेंस के साथ क्विक रिस्पॉन्स टीम भी सक्रिय रहे। ग्राम पंचायतों की तरह, शहरों में वार्डों को केंद्र बनाकर टीकाकरण कराया जाए।

प्रदेश में कोविड वैक्सीनेशन ढाई करोड़ के पार हो गया है। विगत 24 घंटों में 04 लाख 60 हजार 358 लोगों को टीका-कवर मिला, इसमें, 02 लाख 46 हजार 898 लोग 18 से 44 आयु वर्ग के हैं। अब तक 02 करोड़ 51 लाख 54 हजार से अधिक वैक्सीन डोज एडमिनिस्टर किए जा चुके हैं। टीकाकरण की पहली डोज प्राप्त कर चुके लोगों की संख्या 02 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जबकि 39 लाख 87 हजार से अधिक लोगों को दोनों डोज मिल चुकी है।

उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश सभी तरह की परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार है। प्रदेश ऑक्सीजन जेनेरेशन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो रहा है। पीएम केयर्स के तहत प्रदेश के लिए नए प्लांट की स्वीकृति दी गई है। पीएम केयर्स के सहयोग से प्रस्तावित 129 ऑक्सीजन प्लांट्स सहित अब प्रदेश में कुल स्वीकृत ऑक्सीजन प्लांट की संख्या 533 हो गई है। इसमें 101 प्लांट क्रियाशील भी हो चुके हैं। प्लांट स्थापना से जुड़े कार्यों की सतत समीक्षा की जाए। इस संबंध में भारत सरकार से समन्वय बनाए रखा जाए।श्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कल कोविड-19 फ्रंटलाइन वर्कर्स के लिए %कस्टमाइज्ड क्रैश कोर्स प्रोग्राम% का शुभारंभ किया है। पहले चरण में लगभग 10 हजार फ्रंटलाइन वर्कर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इनका प्रशिक्षण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगा।कोविड संक्रमण के दृष्टिगत बेहतर होती स्थिति के बीच 21 जून से सोमवार से शुक्रवार सुबह सात बजे से रात्रि 09 बजे तक कोरोना कर्फ्यू में छूट दी जाएगी। इस अवधि में कोविड प्रोटोकॉल के साथ बाजार, मॉल, रेस्टोरेंट पार्क, आदि खुल सकेंगे। धर्मस्थलों पर एक समय मे अधिकतम पांच लोगों की उपस्थिति हो सकती है, शादी समारोहों में अधिकतम 50 लोगों की सहभागिता की अनुमति दी जाए। सब्जी मंडिया खुले स्थानों पर संचालित की जाएं। स्टेडियम, जिम, क्लब, शिक्षण कार्य अभी बंद रखे जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों में संक्रमण की दैनिक स्थिति पर सतत नजर रखी जाए। यदि किसी जिले में एक्टिव कोरोना मरीजों की संख्या 500 से अधिक होती है तो कोरोना कर्फ्यू में दी जा रही छूट तत्काल समाप्त कर दी जाए।रात्रिकालीन कर्फ्यू रात्रि 09 बजे से अगले दिन प्रात: 07 बजे तक प्रभावी रखा जाए। शुक्रवार रात्रि से सोमवार प्रात: तक साप्ताहिक कोरोना कर्फ्यू भी लागू रखा जाए।

उन्होने बताया कि बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से घर-घर मेडिकल किट वितरण का विशेष अभियान शुरू हो गया है। 26 जून से दवाएं घर-घर वितरित की जाएंगी। जिलों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से निगरानी समितियों को दवाइयों का पैकेट दिलाया जाए। लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। अभियान के सुचारू क्रियान्वयन के लिए सतत मॉनीटरिंग की जाए।

कोरोना की तीसरी लहर से बचाव के प्रयास तेज

औरैया,संवादाता। उत्तर प्रदेश में कोरोना महामारी की संभावित तीसरी लहर की रोकथाम और उससे निपटने के लिये औरैया जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

जिलाधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने शनिवार को सौ शैय्या युक्त जिला अस्पताल में कोविड एल-टू फैसिलिटी का निरीक्षण कर बच्चों को कोरोना वायरस से बचाने के लिये अब तक किए गए इंतजामों को परखा।

मिल्खा सिंह के निधन से उत्तर प्रदेश में शोक की लहर

शुक्रवार को चंडीगढ के एक अस्पताल में निधन हो गया था, वह करीब 91 वर्ष के थे

लखनऊ संवादाता।दुनिया भर में अपने प्रदर्शन के जरिये देश को कई बार गौरवान्वित करने वाले मशहूर एथलीट मिल्खा सिंह के निधन से उत्तर प्रदेश में शोक की लहर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई राजनीतिक हस्तियों ने फ्लाइंग सिख के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

कोरोना संक्रमित मिल्खा सिंह का शुक्रवार को चंडीगढ के एक अस्पताल में निधन हो गया था। वह करीब 91 वर्ष के थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट किया फ्लाइंग सिख के नाम से लोकप्रिय श्री मिल्खा सिंह की उपलब्धियां देशवासियों को हमेशा गौरवांवित करती रहेंगी। उनके निधन से खेल जगत को हुई क्षति की भरपाई होना कठिन है। उन्होने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा भारत के जाने-माने एथलीट एवं फ्लाइंग सिख के नाम से मशहूर मिल्खा सिंह जी के कोरोना से निधन का दु:खद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति व शोकाकुल परिजनों को यह दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करें।कांग्रेस महासचिव और उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा देश में जब भी उड़ान की कहानियां कही जाएंगी, तब एक ऐसी शख्सियत का नाम जरूर आएगा जिसने रेस के मैदान में देश और करोड़ों भारतीय युवाओं के सपनों को एक नई ऊंचाई दी। मिल्खा सिंह जी, विनम्र श्रद्धांजलि।

दो कारों की भिड़ंत में एक मरा,चार घायल

औरैया, संवादाता। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के दिबियापुर क्षेत्र में दो कारों की हुई आमने-सामने भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई जबकि प्रधानाचार्य समेत चार लोग घायल हो गए।आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि दिबियापुर कस्बा के ककराही निवासी इंदिरा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य अनूप मिश्रा अपनी पत्नी किरन, बेटे सत्यम व बेटी शैलजा के साथ औरैया से वापस आ रहे थे जबकि औरैया क्षेत्र के भरसेन गांव निवासी श्याम जी (26) अल्टो कार से औरैया की ओर जा रहा था। दोनों कारें पीवीआरपी विद्यालय के सामने भिड़ गयी।इस हादसे में दूसरी कार में सवार प्रधानाचार्य के परिवार के सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायल श्याम जी को कानपुर जबकि अन्य घायलों को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। कानपुर ले जाते समय रास्ते में सिकन्दरा के पास श्याम जी मौत हो गयी है।

जेल में बंदी ने लगाई फांसी

बरेली संवादाता। उततर प्रदेश के बरेली जिला जेल में एक बंदी ने देर रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

जेल के वरिष्ठ अधिकारियों और स्थानीय पुलिस के सामने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बंदी मादक पदार्थ की तस्करी करता था।जिला जेल अधीक्षक विजय विक्रम सिंह ने आज कहा कि बंदी बरेली जिले के सरोली थाना क्षेत्र के गांव जगन्नाथपुर का रहने था । पुलिस ने एन डीपीएस में गैर जमानती वारंट पर 4 फरवरी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। शुक्रवार देर रात एक अन्य बंदी शौचालय में गया तो उसने देखा कि बंदी भूरा ने शौचालय के दरवाजे में फंदे में लटक कर आत्महत्या कर ली है ।

बरेली में मूसलाधार बारिश में दीवार गिरी एक की मौत,तीन घायल

बरेली संवादाता। उत्तर प्रदेश के बरेली में दो दिन से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते ग्रामीण क्षेत्र में एक मकान की दीवार गिरने से लोग दब गये गए। एक की मौत हो गई ,जबकि दो लोग घायल हो गए ,एक युवक की हालत नाजुक बताई गयी है।

एसपी ग्रामीण राज कुमार अग्रवाल ने आज बताया कि थाना बिथरी चैनपुर के गांव मानपुर के रहने वाले हरि शंकर की बेटी की आज शनिवार को बरात आनी है। बरात-घरात का खाना बनाने के लिए शाहजहांपुर के तिलहर के मोहल्ला खेर चौक के रहने वाला संजीव पुत्र रामचरण, प्रदीप और अतुल आए हुए थे। शनिवार सुबह तीनों ही कारीगर खाना बना रहे थे, इसी बीच दीवार तीनों कारीगरों के ऊपर गिर गई।हादसे में संजीव 34 की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो कारीगर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने घायलों को मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया है ,एक युवक की हालत नाजुक है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कासगंज में कल से लापता 12 साल के बालक का मिला शव

कासगंज संवादाता। उत्तर प्रदेश में कासगंज के सहावर इलाके के मेन बाजार में आल कल से लापता 12 साल के बालक का शव मिला ।पुलिस ने यहां कहा क बालक का शव घर से करीब 100 मीटर की दूरी पर ही खाली पड़ी दुकान में मिला ।

पुलिस ने मृतक बालक का शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है ।पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सोनकर ने बताया कि बच्चा मिसिंग था । रात में पुलिस ने उसके परिजनों के साथ मिलकर ढूंढने का प्रयास किया,आज इसकी बॉडी मिली है।

गीता शाक्य बनी भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष

औरैया, संवादाता। राज्यसभा सांसद गीता शाक्य को उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा का अध्यक्ष बनाये जाने पर उनके गृह जिले औरैया में हर्ष का माहौल है।

वर्ष 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव में दोबार फतह हासिल करने की तैयारियों में जुटी भाजपा ने शाक्य बेल्ट व पिछड़े वर्ग में अपने जनाधार को और अधिक मजबूत करने के लिए सात माह पूर्व श्रीमती शाक्य को राज्यसभा सदस्य बनाया था। अब भाजपा महिला मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष बनाकर उन्हें इस क्षेत्र में एक मजबूत स्तम्भ के रूप में खड़ा किया गया है।भाजपा नेत्री गीता शाक्य का औरैया जिले में बिधूना क्षेत्र के गांव हमीरपुर में मायका है जबकि उनकी ससुराल इटावा में भरथना क्षेत्र के गांव रम्पुरा सिंहुआं में है पर उनकी राजनीतिक कर्म भूमि बिधूना क्षेत्र ही है।

कोविड वैक्सीन ने किया दस साल पुराने दर्द को पूरी तरह गायब

इटावा संवादाता। दुनिया भर मे फैली कोरोना महामारी रोकने के लिए लगाई जा रही वैक्सीन को लेकर लोग तरह तरह के सवाल उठा रहे है लेकिन उत्तर प्रदेश के इटावा के एक किसान का दावा है कि कोविड वैक्सीन लगवाने के बाद उसकी कमर मे हो रहा करीब दस साल पुराना दर्द पूरी तरह से गायब हो गया है ।

कोविड वैक्सीन का डोज लेने के बाद दर्द से मुक्ति पा चुका यह किसान इटावा के ताखा तहसील के ढांडेहार गांव का रहने वाला है ।

55 साल के गोरेलाल शाक्य ने 15 अप्रैल को कोडिव की पहली डोज ली थी। उसके बाद से ही करीब दस साल से हो रहा कमर का दर्द पूरी तरह से दूर हो गया है ।

इटावा जिला के ताखा तहसील के ग्राम टांडेहार के रहने वाले है गोरेलाल शाक्य की शरीर में दर्द हो रहा था ।जिसका उन्होंने इटावा लेकर पास-पड़ोस के जनपदों में इलाज कराया था। लेकिन दर्द से उन्हें कोई राहत नहीं मिली ।एक तरफ कोरोना जैसी महामारी से पूरा देश भयभीत था, तो दूसरी तरफ गोरेलाल शाक्य अपने शरीर के दर्द से परेशान थे। गोरेलाल शाक्य यह डर भी सता रहा था कि कही कोरोना जैसी की चपेट में वो भी न आए जाए ।

कोरोना से बचने के लिए डोज मिलना शुरू हो गया,तो ताखा क्षेत्र में कोरोना वेक्सीन का डोज लेने के लिए मुहीम चलाई गई ।जब वैक्सीन गोरेलाल के गांव टाडेहार में लगना शुरू हुई। वैक्सीन लगने से गोरेलाल के शरीर में हो रहे सालों का दर्द ऐसे गायब हो गया, जैसे किसी ने जादू कर दिया हो।

गोरेलाल शाक्य ने कहा कि कई सालों से हमारे शरीर में दर्द हो रहा था। जिसका इलाज उसने इलाकाई डाक्टरों से भी कराया, लेकिन कोई फायदा नहीं मिला । तो उसने इटावा जाकर इलाज कराया, लेकिन दर्द से राहत नहीं मिली। जब हमारे गाव में वेक्सीन लगने केलिए टीम आई तो उसने वैक्सीन लगाई। वेक्सीन लगने से हमारे शरीर से दर्द ऐसे गायब हो गया है, जौसे किसी ने जादू कर दिया हो।

योग की आदत करेगी कोरोना को बेअसर

सहारनपुर संवादाता। स्वस्थ्य जीवनशैली, खानपान और नियमित रूप से योग और व्यायाम की आदत कोरोना जैसी महामारी से निपटने में कारगर साबित हो सकती है।

कोरोना की दूसरी लहर जानलेवा साबित हुयी है हालांकि पूर्वोत्तर राज्यों को छोड़कर अब देश में संक्रमण के नये मामलों में कमी आयी है। वैश्विक महामारी से निपटने के लिये चिकित्सकों ने इम्यूनिटी को बढाने पर जोर दिया है जिसमें मल्टी बिटामिन दवाओं के अलावा पौष्टिक खानपान और योग को तरजीह दी गयी है। पोस्ट कोविड मामलों में भी योग ने अपनी महती भूमिका को सिद्ध किया है और आज पूरी दुनिया भारत के ऋषि मुनियो की इस देन को अपना रही है।

इस साल अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम है योग के साथ रहे , घर पर रहे। यह विषय मौजूदा दौर में प्रासंगिक भी है। समुची दुनिया में कोविड की उथल पुथल से जुझ रही है। इस महामारी ने मनुष्य को न केवल शारीरिक रूप से प्रभावित किया है बल्कि मानसिक रूप से भी सभी को प्रभावित किया है।

आरोग्य योग एवं मैडीटेशन सैन्टर के निदेशक योगी गुलशन कुमार ने शनिवार को बताया कोरोना की इस लडाई में सबसे मजबूत शक्ति हमारी स्वयं की इम्यूनिटी है। इस कोरोना काल की अगली लहर से लडने के लिए योग के साथ हमेशा रहना हैं । इम्यूनिटी बनाने का कार्य थाइमस ग्रथि , लिम्फ नोड, स्पलीन , बोन मैरो, टासिल्स आदि ग्रंथियों के द्वारा हमारे शरीर में होता है । यदि योग की क्रियाओं , आसन , प्राणायाम से अपने लिम्फेटिक सिस्टम को सक्रिय रखा जाए तो वह कोविड से बचाव किया जा सकता है।

उन्होंने कहा ज्यादातर वे लोग जो बुजुर्ग है या श्वास रोगी है, डायबिटिक है, ह्रदय अथवा हाई बल्ड प्रैशर के रोगी है जिनकी इम्यूनिटी कमजोर है वे लोग ही ज्यादातर कोरोना संक्रमित हुए है तथा वे लोग जो शारीरिक व्यायाम नही करते तथा अधिक सुविधा जनक जीवनयापन करते रहे है उनकी भी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर रही है वह अधिकांश लोग कोविड के शिकार हुए है। ऐसे लोग भी जो ज्यादातर नकारात्मक विचारों के कारण तनाव व डिप्रेशन , एन्गजाईटी , घबराहट , कोरोना के डर और भय मे रहे उन्हे भी सांस लेने व छोडने मे कठिनाइयाँ आयी जिससे उनकी इम्यूनिटी डाउन हो गयी व लोग अधिकांश कोरोना के शिकार हुए । जो लोग योग से व्यायाम से जुडे रहे उन्हे कोरोना के माइल्ड लक्षण ही आये है।

योग गुरू ने कहा कि फिलहाल कोरोना के नये मामलो में गिरावट आयी है लेकिन भविष्य में तीसरी लहर की आंशका बनी हुई है जिसको देखते हुये लोगो अपने बचाव के लिए कुछ योग क्रियाओं व आसनो को आरम्भ कर देना चाहिए। ग्रीवा शक्ति विकासक योग क्रिया को करने के लिये गर्दन सम्बन्धी क्रियाओं में गर्दन को आगे पीछे स्ट्रेचिंग दे , फिर दायीं व बायीं और गर्दन को तानना है ।

पुलिस वाहन की टक्कर से तीन मरे,तीन पुलिसकर्मी घायल

एटा संवादाता। उत्तर प्रदेश में एटा जिले के रिजोर क्षेत्र में तेज रफ्तार पुलिस वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार दंपत्ति समेत तीन की मौत हो गयी जबकि जीप पलटने से तीन पुलिसकर्मी घायल हो गये।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह ने शनिवार को बताया कि बीती देर रात पुलिस जीप में सवार होकर दो आरक्षी और एक ड्राइवर हेड कांस्टेबल रात्रि गश्त को निकले थे कि एटा शिकोहाबाद रोड पर फफोतु के निकट इसन नदी के पास विपरीत दिशा से आ रहे एक बाइक सवार वाहन के सामने आ गया। टक्कर के बाद पुलिस जीप भी संतुलन खोती हुई खाई में जाकर पलट गई जिससे तीन पुलिस कर्मी घायल हुए है जिनमे दो गंभीर हैं। तीनो घायल पुलिस कर्मियों को हायर सेंटर रेफर किया गया है।

उन्होने बताया कि बाइक में सवार अमित, पत्नी मनीषा और पुत्र दिव्यांश की अस्पताल ले जाते समय ही मौत हो गयी। एसएसपी ने तीनो सिपाहियों की हालत गंभीर देख तत्काल आगरा मेडिकल कॉलेज को रेफर कराया। उन्होने बताया कि बाइक को बचाने के चक्कर मे टक्कर खाते हुए पुलिस की जीप खाई में पलट गई जिसमें एक चालक हेड कांस्टेबल, दो आरक्षी घायल हो गए जिनमे दो की हालत गंभीर है,एक आरक्षी साधारण घायल है।

घर पर योग और घर-घर योग' होगी थीम

औरैया, संवादाता। सातवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस इस बार भी कोरोना की वजह से डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म पर मनाया जाएगा। इस साल इस दिवस की थीम 'घर पर योग और घर-घर योग' रखी गई है।इस दौरान उत्तर प्रदेश के औरैया में विभिन्न प्रतियोगिताएं भी संपन्न कराई जाएंगी। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कारों से नवाजा जाएगा।जिले के क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ कप्तान सिंह ने बताया कि 21 जून को सातवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। कोरोना की वजह से इस साल भी सभी गतिविधियां डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म पर होंगी। उन्होंने बताया कि आयुष मंत्रालय भारत सरकार ने सोशल और डिजिटल मीडिया जैस यू-ट्यूब, फेसबुक, ट्यूटर, इंस्टाग्राम आदि के माध्यम से योगाभ्यास को बढ़ावा देने की योजना बनाई है। जिससे लोग प्रतियोगिता में ऑनलाइन प्रतिभाग कर सकें।उन्होंने बताया कि इस साल कॉमन योगा प्रोटोकाल के आधार पर 21 जून को सुबह 7 बजे से 45 मिनट तक योगाभ्यास मनाया जाएगा। योग दिवस घर पर ही मनाए जाने पर बल दिया गया है। इस वर्ष योग दिवस पर आयुष विभाग द्वारा योग दिवस चैलेंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

वाराणसी रिंग रोड फेज-2 कार्य युद्धस्तर पर करें: योगी

वाराणसी, संवादाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार यहां विकास विभिन्न कार्यों एवं स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को रिंग रोड फेज-2 का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर करने तथा उसे तय समय पर पूरा करने का निर्देश दिया।

उन्होंने अपने एक दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान सेवापुरी विकासखंड के हाथी बाजार स्थित अपने गोद लिए 'जयकरण शर्मा राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र' स्थलीय निरीक्षण किया। लगभग सात एकड़ क्षेत्रफल के इस स्वास्थ्य केंद्र बनाने का उद्देश्य आसपास क्षेत्र के लगभग तीन लाख की आबादी को चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाना है।

श्री योगी स्वास्थ्य केंद्र निरीक्षण करने के बाद हरहुआ के पास 1354.67 करोड़ रुपए लागत से 44.25 किमीटर लंबी निर्माणाधीन रिंग रोड फेज-2 का स्थलीय निरीक्षण किया, जिसका 46.05 फीसदी कार्य पूरा होने का दावा किया जा रहा है। अगले साल फरवरी तक इसका कार्य पूरा होने की उम्मीद है। परियोजना की संपूर्ण धनराशि शासन द्वारा कार्यदायी संस्था को अवमुक्त किया जा चुका है, जिसमें से संस्था द्वारा 474.66 करोड़ की धनराशि व्यय की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने तय समय सीमा में इस महत्वाकांक्षी परियोजना को पूर्ण कराए जाने का दिया अधिकारियों को निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने चौबीसों घंटे 30 बिस्तर के साथ संचालित इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में खाली जमीन पर लगभग 53.46 लाख की लागत से भूतल सहित दो मंजिला बिस्तरों के भवन निर्माण कार्य ले-आउट का अवलोक एवं निर्माण स्थल पर जाकर देखा। इसमें कोरोना की संभावित तीसरी लहर के दृष्टिगत बच्चों के लिए लगभग 15 बिस्तर एवं तीन आईसीयू वार्ड बनाया जा रहा है।उन्होंने निरीक्षण के दौरान अस्पताल में निर्मित ऑक्सीजन प्लांट प्लेटफार्म को देखा और शीघ्र ऑक्सीजन प्लांट लगाए जाने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के लोगों को इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से बेहतर एवं नि:शुल्क चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराए जाने पर जोर देते हुए निर्देशित किया कि 24 घंटे डॉक्टर एवं पैरामेडिकल कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित हो। समुचित व्यवस्था होने के बाद जन सामान्य को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं होगी। इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को 10 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर भी उपलब्ध कराएं।

स्थानीय निवासी रामचंद्र शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा हाथी बाजार स्थित इस जयकरण शर्मा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को गोद लिए जाने से इसके चिकित्सा सुविधा में गुणात्मक सुधार होगा, जिसका लाभ इस क्षेत्र के लाखों लोगों को मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के भूखंड दान करने वाले स्व0 जयकरण शर्मा के परिजनों- प्रशांत शर्मा, अमित शर्मा, डॉ राजेश शर्मा, सुरेश सिंह एवं शशांक शेखर को संबोधित करते हुए कहा कि उनके परिवारजनों ने लोक सेवा का एक उत्तम उदाहरण किया है।

श्री योगी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान वैक्सीनेशन कक्ष में वैक्सीन लगवा रहे अभिषेक गुप्ता, विजय गुप्ता, राजकुमार, ममता गुप्ता एवं सुशीला गुप्ता से उनका कुशलक्षेम पूछा। ममता गुप्ता ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्हें वैक्सीन लगवाने में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हुई और उन लोगों ने अपना स्लॉट कल गुरुवार को बुक कराकर आज शुक्रवार को वैक्सीन लगवाने के लिए केंद्र पर पहुंची और उन्हें वैक्सीन लगा दी गई है।गौरतलब है कि स्थानीय हाथी बरनी निवासी एवं वर्तमान में मुंबई में व्यवसायरत स्व0 जयकरण शर्मा के परिवार द्वारा स्थापित श्री राम करण शर्मा धर्मादान्यास के द्वारा क्षेत्र में जन समुदाय को नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से 1975 में इस अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू किया गया था।निरीक्षण के दौरान उत्तर प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति, धर्मार्थ कार्य एवं प्रोटोकॉल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ0 नीलकंठ तिवारी, आईजी एस के भगत, मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल, जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं कई जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखना बंद करें: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के झांसी में 935 करोड की विभिन्न योजनाओं के लोकार्पण और शिलांयास के लिए शनिवार को वीरांगना नगरी आये उप मुख्यमंत्री केंशव प्रसाद मौर्य ने मंच से विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग सरकार के खिलाफ अर्नगल प्रचार कर आगामी चुनाव में जो जीत के सपने बुन रहे हैं वह ऐसे मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखना बंद करें।

पीताम्बरा माता और रामराजा सरकार के जयघोष के साथ यहां मुक्ताकाशी मंच पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों में से किसी का भी नाम लिये बिना तंज सकते हुए कहा कि कुछ लोग मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखने में लगे हैं लेकिन मैं संपूर्ण प्रदेश के भ्रमण कर रहा हूं । हमने केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को मिलाकर हर गरीब,किसान ,नौजवान के लिए काम किया इसलिए पूरे विश्वास के साथ यहां से दावा करता हूं कि 2022 में हम 2017 दोहरायेंगे और 300 से अधिक सीटें जीतकर सरकार बनायेंगे।

अनेक प्रकार के दुष्प्रचार का काम किया जा रहा है कहा जा रहा है कि 2021 के पंचायत चुनाव में भाजपा पिछड़ गयी है,लेकिन जो भाजपा के बारे में जानतें होंगे उन्हें पता है कि उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव में भाजपा के खाते में सबसे बड़ी सफलता इस चुनाव में गयी। अभी जिला पंचायत और क्षेत्र पंचायत के अध्यक्ष का चुनाव होगा और मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि जिला और क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष का चुनाव इसका आधार होता है। जब उसकी गिनती पूरी हो जायेगी तो अखिलेश यादव को पता चल जायेगा कि वह कितने पानी में हैं।

निर्धारित प्रोटोकॉल से करीब पौने दो घंटे की देरी से मुक्ताकाशी मंच पर पहुंचे उप मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी 2017 की तर्ज पर एक बार फिर प्रदेश में 325 से अधिक सीटों के साथ जीत हासिल करेगी। उन्होंने उपस्थित मण्डल के जनप्रतिनिधियों व जनता को 933 करोड़ की परियोजनाओं के लिए शुभकामनाएं व बधाई देते हुए कहा कि आज हम करीब 200 परियोजनाओं को आपको सोपेंगे। आज जो आप प्रदेश में चहुं ओर विकास की धारा देख रहे हैं ये 2014 से लेकर 21 तक केंद्र की परियोजनाओं को साथ में लेकर हुए विकास की गाथा है। 60 साल में जितना कार्य नहीं हुआ उतना कार्य हुआ।

अमेरिका की एजेंसी ने सर्वे में पाया कि दुनिया के सबसे ताकतवर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी हैं। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारें कागजों पर काम दिखा देती थी,जमीन पर कुछ नहीं होता था। जब से बीजेपी की सरकार आई कागजों पर कार्य होता है क्या। हमें जनता का समर्थन मिला और अब बुंदेलखंड का विकास हमारी प्राथमिकता पर है। गुणवत्ता व समयबद्धता हमारी प्राथमिकता है। आप सब एकजुट होकर प्रदेश का विकास करें। खजाना खुला है 2022 का चुनाव 2024 की नींव। इस दौरान उन्होंने मण्डल के तीनों जनपदों के लिए 933 करोड़ रुपए की 200 परियोजनाओं का बटन दबाकर लोकार्पण व शिलान्यास भी किया।

मुक्ताकाशी मंच को मुक्तांगन बताते हुए उन्होंने इस स्थल को भाजपा के लिए शुभ बताते हुए कहा कि कभी भाजपा की कार्यकारिणी के लिए जैसा झांसी को सजाया था,वैसा ही पूरा प्रदेश चमका दिया। 2019 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी को हराने की बात हो रही थी हरा पाए क्या।

उन्होंने कहा कि बुन्देलखण्ड में हमने सिचाई से लेकर पेयजल संकट को दूर करने का काम किया है। हर गांव तक सड़क पहुंचाने का कार्य हम कर रहे हैं। प्रदेश में होने वाली गुंडई को दूर करने का काम किसने किया। हम भ्रष्टाचार मुक्त, गुणवत्ता युक्त विकास देने का कार्य करेंगे। त्रासदी का सामना सबने किया, गरीब भी खुश है,कोरोना में जनता के सहयोग से नियंत्रण में सफलता मिली। हमारी अपनी लापरवाही के कारण कोरोना वापस आया लेकिन इस भीषण दौर में भी हमने जीवन व जीविका को बचाने का कार्य किया है। आज गरीब के घर मे जितने अन्न की जररूत है,उससे अधिक मिल रहा है। कोई और सरकार होती तो बंदरबांट होता। कांग्रेस ,सपा व बसपा के लोग भ्रष्टाचार करते थे , अब कुछ कर नहीं पा रहे तो आरोप ही लगा रहे हैं।

आरोपों के बावजूद जब कहीं कुछ नहीं मिला तो तो अयोध्या पहुंच गए। जिन्होंने प्रभु श्रीराम के भक्तों पर गोलियां चलाने का कार्य किया वे रामद्रोही आरोप लगाते हैं कि जमीन घोटाला हुआ। कहते हैं कांग्रेस सत्ता में आएगी तो धारा 370 हटा देंगे। पर अब वे दोबारा आएंगे क्या। इससे पहले इन भ्रष्टचारियों की सरकारों को गरीब के लिए भेजा जाने वाला 100 में से 85 पैसा चाहिए लेकिन ऐसे लोग अब भ्रम में न रहें।

उन्होंने प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में उच्चस्थ स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों तथा सैनिकों, पुलिसकर्मियों और खिलाडियों का सम्मान लोकनिर्माण विभाग के द्वारा किये जाने की घोषणा की । श्री मौर्य ने कहा कि प्रतिभाशाली बच्चों के घर तक का 5 मीटर चौड़ा मार्ग छात्र गौरव के नाम से स्थापित करेंगे, यदि यूपी का कोई भी खिलाड़ी पदक जीतकर लाएगा तो दुनिया को हॉकी में अपना जादू दिखाने वाले मेजर ध्यानचंद के नाम से उसके घर तक मार्ग बनाएंगे, सेना या पुलिस में कोई भी शहीद यूपी में होता है तो शहीदों के घर तक जयहिंद मार्ग के नाम से मार्ग का निर्माण कराया जाएगा। पर्यावरण के नाम पर लोकनिर्माण विभाग की सड़क किनारे हर्बल मार्ग बनाए जाएंगे।

शिवसेना ने मनाया अपना 55 वां स्थापना दिवस

सीतापुर ब्यूरो। 19 जून शिवसेना जिला कार्यालय पर जिला प्रमुख गोविंद सहाय गुप्ता के संरक्षण और उनके पिता श्याम प्रकाश गुप्ता की गरिमामई उपस्थिति में युवा सेना प्रमुख शिवांक अवस्थी के नेतृत्व में शिवसेना का 55 वां स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया इस अवसर पर सर्वप्रथम केक काटकर समस्त शिव सैनिकों ने पदाधिकारियों के साथ मिलकर एक दूसरे को केक खिलाकर बधाइयां दी द्ध बधाइयों का सिलसिला खत्म होने के बाद शिवसेना प्रमुख गोविंद सहाय गुप्ता और शिवसेना जिला प्रवक्ता प्रभाकर सिंह चौहान ने मीडिया के द्वारा लोगों को अपने अपने विचारों से अवगत कराया अंत में एक बैठक करके आगामी योजना तय करने के लिए प्रत्येक माह में अंतिम रविवार को बैठक का आवाहन किया जो सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया द्ध

इस अवसर पर जिला प्रमुख गोविंद सहाय गुप्ता, जिला प्रवक्ता प्रभाकर सिंह चौहान, नगर अध्यक्ष सत्येंद्र सोनू, नगर उपाध्यक्ष रजनीश कुमार,नगर अध्यक्ष युवा सेना शिवांक अवस्थी,जिला संगठन सचिव संदीप अवस्थी, जिला प्रमुख कामगार शिव कुमार, जिला सचिव मोहम्मद माहिर रिज़्वी, सदस्य पवन शुक्ला, रजनीश कुमार, नितिन कुमार ,कृष्ण कुमार और मीडिया के लोग उपस्थित रहे

69000 सहायक अध्यापक भर्ती प्रक्रिया 30 जून तक होगी पूरी

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 69000 सहायक अध्यापक भर्ती प्रक्रिया के रिक्त पदों एवं अनुसूचित जाति वर्ग के पूर्व के रिक्त पदों पर भर्ती की कार्यवाही को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि इस संबंध में शासनादेश जारी करते हुए सम्पूर्ण प्रक्रिया की समय सारिणी निर्धारित कर दी गई है। करीब 6000 सहायक अध्यापकों की परिषदीय विद्यालयों में नियुक्ति की जाएगी जबकि 17 मई को जारी शासनादेश के तहत, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर के जरिये तैयार चयन एवं जिला आवंटन सूची पर कार्यवाही निर्धारित समय सारिणी के अनुसार की जाएगी ।उन्होने कहा कि एनआईसी द्वारा प्राप्त चयन एवं जिला आवंटन सूची का प्रकाशन 26 जून को किया जाएगा। चयन सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों के अभिलेखों का जिला स्तर पर परीक्षण 28 और 29 जून जबकि 30 जून को पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी किये जायेंगे ।प्रवक्ता ने कहा कि प्रदेश में मिशन रोजगार के तहत बड़े पैमाने पर निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से विगत 04 वर्षों में लगभग 04 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां उपलब्ध करायी गई हैं। सभी चयन परीक्षाओं में नियमों का पूर्ण पालन करते हुए समयबद्ध ढंग से योग्य अभ्यर्थियों की भर्ती की गई। भर्ती प्रक्रिया को पूरी तेजी से आगे बढ़ाते हुए आगामी समय में भी पारदर्शितापूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संचालित रखा जाएगा।

एक अस्ताल में महिला ने दिया चार बच्चों को जन्म

बाराबंकी ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में बाराबंकी के एक निजी हॉस्पिटल में महिला ने 4 बच्चों को जन्म दिया। जन्म के 1 घंटे बाद एक नवजात की मौत हो गई।

अस्पताल के चिकित्सकों ने बताया की समय से पहले ही प्रसव हो गया। जिससे बच्चे काफी कमजोर है। 3 बच्चों की हालत अभी भी गंभीर है ।शहर के शुक्लाई गांव निवासी मोहम्मद आलम ने बताया कि उनकी पत्नी नूर फातिमा को अचानक प्रसव पीड़ा होने पर शहर के एक निजी अस्पताल मैं भर्ती कराया गया। यहां पर चिकित्सकों ने समय से पूर्व डिलीवरी की बात कही महिला का इलाज चल ही रहा था कि प्रसव शुरू हो गया ।हालत गंभीर होता देख आनन फानन ऑपरेशन कर बच्चों को जन्म दिया गया। शुक्रवार की शाम 7ः00 बजे 4 बच्चों को जन्म देने के बाद महिला की हालत बिगड़ने लगी। वही करीब 1 घंटे बाद एक बच्चे की मौत हो गई। बाकी तीन को वेंटिलेटर पर रखा गया है। जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है ।नूर फातिमा 4 माह से गर्भवती थी तो अल्ट्रासाउंड जांच कराई गई थी। जिसमें गर्भ में 3 बच्चों की पुष्टि हुई थी। पांचवे माह पर दोबारा अल्ट्रासाउंड कराया गया तो उसमें भी तीन बच्चे होने की बात कही गई। शुक्रवार को जब ऑपरेशन हुआ तो 4 बच्चों ने जन्म लिया। इससे सभी हैरान हो गए।

पीट पीट कर युवक की हत्या, दो घायल

जौनपुर, ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के मुंगरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र में शनिवार देर शाम जमीन विवाद को लेकर लाठी-डंडे से पीटकर एक युवक की हत्या कर दी गयी जबकि एक बालिका समेत दो लोग घायल हो गए ।पुलिस के अनुसार लतहरिया वार्ड में दो पक्षों के जमीन विवाद चल रहा था। इस बीच एक पक्ष का रामाश्रय पटेल (40) अपने कच्चे मकान पर बरसात का पानी रोकने के लिए प्लास्टिक डालने के लिए पड़ोसी राजेश प्रजापति के टीन सेड पर चढ़ गया जिससे नाराज होकर राजेश प्रजापति व उसके साथियों ने लाठी डंडे से रामाश्रय की पिटाई कर दी जिससे उसकी मौत हो गयी ।शोर सुनकर रामाश्रय का भाई रामअचल आया तो हमलावरों ने उसे भी मार कर घायल कर दिया। पड़ोस की लड़की रंजना (9) आई तो उसे भी लाठी डंडे से मार कर घायल कर दिया। घटना के बाद आक्रोशित भीड़ ने आरोपितों के एक बाइक को आग लगा दी है ।परिजन शव पुलिस को लेने नहीं दे रहे हैं ।

दो कारों की भिड़ंत में एक मरा,चार घायल

औरैया, ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के दिबियापुर क्षेत्र में दो कारों की हुई आमने-सामने भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई जबकि प्रधानाचार्य समेत चार लोग घायल हो गए ।आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि दिबियापुर कस्बा के ककराही निवासी इंदिरा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य अनूप मिश्रा अपनी पत्नी किरन, बेटे सत्यम व बेटी शैलजा के साथ औरैया से वापस आ रहे थे।

योगी सरकार की ओर से 20 जून से बांटा जाएगा फ्री राशन

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश सरकार 20 जून से 14.79 करोड़ लाभार्थियों को तीन महीने तक निऱ्शुल?क राशन देगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राशन वितरण को लेकर अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं वहीं, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना तहत जो लाभार्थियों को राशन वितरण किया जा रहा है, वह भी जारी रहेगा। ऐसे में इतने विशाल स्तर पर निशुल्क राशन वितरण का यह अपनी तरह का सबसे बड़ा अभियान होगा। मुख्यमंत्री ने कोविड प्रोटोकाल के तहत सरकारी राशन की दुकानों से टोकन सिस्टम के तहत राशन वितरित किए जाने के निर्देश दिए

हैं ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य सरकार की ओर से गरीब व बेसहारा लोगों को दिए जाने वाले निऱ्शुल्क खाद्यान्न वितरण को लेकर अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। सरकार की ओर से दिए जाने वाले निऱ्शुल्क राशन वितरण में कोई भी पात्र लाभार्थी न छूटें। प्रदेश में 14.71 करोड़ यूनिटों पर पांच किलो प्रति यूनिट (तीन किलो गेहूं व दो किलो चावल) खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण किया जायेगा।

आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि रविवार से 80 हजार कोटेदारों के माध्यम से 14.71 करोड़ लाभार्थियों को राशन वितरण किया जाएगा। इसमें अन्त्योदय राशन कार्डधारक 1,30,07,969 तथा पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारक 13,41,77,983

कुल 14,71.85,952 (लगभग 14.71 करोड़ यूनिटो/लाभार्थियों) को राशन वितरण किया जाना है। इसके अलावा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत प्रदेश में जो राशन वितरण किया जा रहा है। वह पहले की तरह जारी रहेगा।

उन्होने कहा कि कोविड प्रोटोकाल के तहत उचित दर की दुकानों पर राशन वितरण के दौरान टोकन सिस्टम लागू किया जाएगा। इसमें दुकान पर एक समय में 5 उपभोक्ता ही मौजूद रहेंगे। सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के लिए दो उपभोक्ताओं के बीच दो गज की दूरी बनाए रखी जाएगी। वहीं, ई पॉस से वितरण के दौरान दुकानों पर सेनीटाइजर, साबुन व पानी अनिवार्य रूप से रखना होगा।

योगी ने दी भाजपा के पदाधिकारियों को शुभकामनाये

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनायें देते हुये कहा है कि उनके प्रयासों से अंत्योदय का संकल्प पूर्ण प्राप्ति की ओर अग्रसर होगा।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कियामुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के आज नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों के उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए कहा है कि समस्त नवनियुक्त सदस्यों के प्रयासों से 'अंत्योदय' का संकल्प पूर्णता प्राप्ति की ओर अग्रसर होगा

गौरतलब है कि विधान परिषद सदस्य अरविंद शर्मा को आज भाजपा ने पार्टी उपाध्यक्ष नियुक्त किया है जबकि लखनऊ की अर्चना मिश्रा और बुलंदशहर के अमित बाल्मीकि को प्रदेश मंत्री नियुक्त किया गया है।

पुलिस ने जमनियां किए पांच इनामी गिरफ्तार

गाजीपुर,ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में गाजीपुर जिले के जमानियां इलाके से फरार चल रहे 15-15 हजार रूपये के पांच इनामी वांछित बदमाशों को आज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया ।पुलिस प्रवक्ता ने यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जमानियां पुलिस ने सूचना के आधार पर जमानिया रेलवे स्टेशन के पास से चार इनामी वांछितों भन्टू उर्फ धर्मेन्द्र ,सदानन्द ,शिव और विकास को गिरफ्तार किया । गिरफ्तार बदमाशों के कब्जे से एक पिस्टल, कारतूस बरामद किए।

कोरोना संबंधित जनहित याचिका पहले की याचिका में जोडी जायेगी

लखनऊ ब्यूरो। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खण्डपीठ ने कोरोना की डेथ आडिट पालिसी को संशोधित करने की मांग वाली एक जनहित याचिका को इलाहाबाद हाईकोर्ट में पहले से सुनी जा रही जनहित याचिका के साथ जोड़े जाने का आदेश दिया है।

इस मामले में अब दोनों याचिकाओं पर साथ सुनवाई होगी ।अदालत ने फिलहाल अभी याची को इस याचिका पर कोई आदेश नही जारी किया ।

यह आदेश न्यायमूर्ति ऋतुराज अवस्थी और न्यायामूर्ति दिनेश कुमार सिंह की खंडपीठ ने शुक्रवार को याची अशमा इज्जत की जनहित याचिका पर दिया है ।इसमें याची ने कोरोना से मौतों सम्बंधी 21अप्रैल 2020 व 9 जुलाई 2020 की डेथ आडिट की नीति को संशोधित करने की गुजारिश करते हुए कहा कि इसमें एकान्तवास गृहों समेत ट्रांज़िट गृहों में हुई मौतों को भी शामिल किया जाय। साथ ही अप्रैल 2020 से अब तक की आडिट

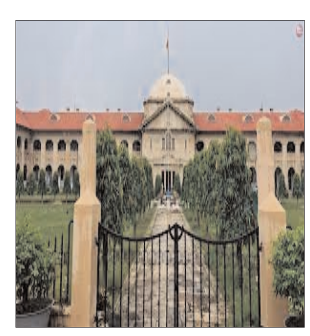

रिपोर्ट कोर्ट में पेश किए जाने की भी गुजारिश की है। याची ने कोरोना से जुड़ी बीमारियों जैसे ब्लैक फन्गस व येलो फन्गस आदि से हुई मौतों को कोरोना सम्बंधी मृत्यु में गिना जाएगा या नहीं, इसकी जानकारी भी अदालत को देने का आग्रह किया है।

कोर्ट ने हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायामूर्ति के आदेश का हवाला देकर इस जनहित याचिका को इलाहाबाद हाईकोर्ट में कोरोना मामले में पिछले साल से विचाराधीन पीआईएल के साथ सम्बद्द करने का आदेश दिया है, जिसके साथ इस याचिका पर सुनवाई होगी।

दफन शवों के निपटान संबंधी जनहित याचिका खारिज

लखनऊ ब्यूरो। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को प्रयागराज में गंगा नदी के विभिन्न घाटों के पास दफन शवों के निपटान की जनहित याचिका को खारिज कर दिया है ।कोर्ट ने सख्त टिप्पणी देते हुए कहा है कि गंगा नदी के विभिन्न घाटों के पास दफन शवों के निपटान के लिये दायर की गई याचिका की प्रकृति केवल प्रचार पाने की लगती है। इससे अधिक उसका कोई मतलब नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि इस तरह की जनहित याचिकाओं पर वो विचार नहीं करेगा ।मुख्य न्यायाधीश संजय यादव और न्यायमूर्ति प्रकाश पाड़िया की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता के इस तर्क को भी खारिज कर दिया है कि धार्मिक संस्कारों के अनुसार दाह संस्कार करना और शवों का सम्मानजनक तरीके से निपटान करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा है कि उनका व्यक्तिगत योगदान क्या रहा है और क्या उन्होंने खुद खोदकर शवों का अंतिम संस्कार किया है ।इलाहाबाद कोर्ट ने इस बात पर भी नाराजगी जताई है कि याचिककर्ता ने बिना उचित जानकारी लिये जनहित याचिका कोर्ट में दायर करने का प्रयास किया है।

कार्यकर्ताओं को मौका देने वाली भाजपा देश की एकमात्र पार्टी : जितिन

लखनऊ ब्यूरो।कांग्रेस छोड़ कर हाल ही में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुये पूर्व केन्द्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि भाजपा देश की इकलौती पार्टी है जहां कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके आवास पर मुलाकात करने के बाद श्री प्रसाद ने शनिवार को कहा कि भाजपा में सशक्त संगठन, कुशल नेतृत्व और स्पष्ट दिशा है। भाजपा नीति, नीतियों पर निर्णय और उनका क्रियान्वयन संगठन और कार्यकर्ताओं की भावनाओं को लेकर करती है। भाजपा देश की एकमात्र पार्टी है जो यह करती है।

उन्होने कहा कि भाजपा में कार्यकर्ताओं को आगे बढने का अवसर मिलता है और कार्यकर्ताओं को उनके काम के आधार पर पुरस्कृत भी किया जाता है। उनका सौभाग्य है कि वह इस पार्टी में है।

श्री प्रसाद ने कहा कि पिछले दिनो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी,भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा परिवार में शामिल होने का अवसर मिला और आज वह पहली बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने आये और उनका आर्शीवाद लिया।

उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री से जन कल्याण योजनायें को लेकर चर्चा हुयी कि उन योजनाओं को जन जन तक कैसे पहुंचे। श्री योगी से पार्टी संगठन की मजबूती को लेकर भी बात हुयी ताकि देश और प्रदेश का विकास और मजबूती से किया जा सके।

श्री प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल होने से उनके समर्थकों में उत्साह है और वह भाजपा की मजबूती के लिये काम करने को आतुर है।

पारस हॉस्पिटल को क्लीन चिट किसके इशारे पर, सरकार बताये: लल्लू

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने शनिवार को कहा कि योगी सरकार को बताना चाहिये कि आक्सीजन की कमी की वजह से 22 मरीजों की मौत के जिम्मेदार आगरा के पारस हॉस्पिटल को क्लीन चिट देने का आधार क्या था।

श्री लल्लू ने कहा कि कोरोना संक्रमितों की ऑक्सीजन की कमी के बाद की गयी मॉकड्रिल से हुई मौतों पर डेथ आडिट कमेटी की रिपोर्ट सरकार की विफलताओं पर पर्दा डालने वाली है। सरकार बताये कि यदि आक्सीजन उपलब्ध थी तो हॉस्पिटल में मॉकड्रिल का औचित्य क्या था। जब रिपोर्ट में यह कहा जा रहा है कि 5 मिनट के लिये मॉकड्रिल की गयी जिससे 22 लोगो की मौत होना हॉस्पिटल संचालक द्वारा स्वीकार किया गया है फिर भी मानव वध के दोषी हॉस्पिटल को क्लीन चिट क्यों और किसकी छवि बचाने के लिये दी गयी।

उन्होने कहा कि प्रदेश की जनता मौतों का जवाब चाहती और मांगती है। उन्होंने कहा कि पारस हॉस्पिटल में 22 कोरोना संक्रमितों को लगी ऑक्सीजन किस उद्देश्य से हटाई गई और जांच रिपोर्ट में 22 की जगह 16 मौतों को स्वीकार किया गया फिर भी हॉस्पिटल में मॉकड्रिल के लिये जिम्मेदार हॉस्पिटल संचालक पर कार्यवाही करने के बजाय उसे क्लीन चिट किसके इशारे पर दी गयी। यह बताने के साथ ही साथ यह भी राज्य सरकार को बताना होगा कि हॉस्पिटल संचालक का भाजपा से क्या रिश्ता है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि चार सदस्यीय डेथ ऑडिट कमेटी व दो सदस्यीय जांच दल की रिपोर्ट भाजपा सरकार की कलंकित छवि पर लीपापोती करने का षड्यंत्र है। राज्य सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने का लगातार जघन्य पाप करती चली आ रही है, कोरोना के भीषण संकट के समय ऑक्सीजन राज्य सरकार मरीजों को ऑक्सीजन उपलब्ध कराने में पूरी तरह असफल हुई जिसके चलते मरीजों के जीवन से खिलवाड़ इस स्तर तक किया गया कि उनकी मौतें हुई इसके लिये राज्य सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है और ऑक्सीजन हटाने वाला हॉस्पिटल भी।

कानपुर में सोमवार को मनाया जाएगा खुशहाल परिवार दिवस

कानपुर ब्यूरो। समुदाय में परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता तथा स्वीकार्यता बढ़ाने के उददेश्य से स्वास्थ्य विभाग की ओर से कानपुर के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर सोमवार (21 जून) को खुशहाल परिवार दिवस का आयोजन किया जाएगा ।मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ने इसकी कार्य योजना बनाकर प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों (एमओआईसी) को निर्देश जारी कर दिए हैं ।कानपुर मंडल अपर निदेशक स्वास्थ्य डॉ जी.के मिश्रा ने बताया कि हर माह की 21 तारीख को सभी सीएचसी और पीएचसी पर खुशहाल परिवार दिवस का आयोजन किया जाता है ।लेकिन कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन के चलते इसको स्थगित कर दिया गया था ।ओपीडी शुरू होने के बाद अब इसके आयोजन की अनुमति दे दी गई है ।शासन की ओर से गर्भवती के अलावा उच्च जोखिम गर्भावस्था वाली महिलाओं तथा तीन से अधिक बच्चों वाली महिलाओं की जांच के लिए खुशहाल परिवार दिवस का आयोजन शुरू किया था।

अंबिका चौधरी ने किया बसपा से किनारा, सपा में हो सकते हैं शामिल

लखनऊ ब्यूरो। पूर्वांचल के कद्दावर नेताओं की फेहरिस्त में शुमार बहुजन समाज पार्टी (बसपा) नेता एवं पूर्व मंत्री अंबिका चौधरी ने शनिवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया जिसके बाद उनके समाजवादी पार्टी (सपा) में शामिल होने की अटकलें तेज हो गयी है।

दरअसल, श्री चौधरी के पुत्र आनंद चौधरी ने सपा की सदस्यता ग्रहण की है। सपा ने उन्हे जिला पंचायत अध्यक्ष का प्रत्याशी बनाया है जिसके बाद अंबिका चौधरी ने भी बसपा से इस्तीफा दे दिया। हालांकि उन्होने साफ किया मेरे बेटे ने सपा ज्वाइन की है। मैंने सपा ज्वाइन नहीं की। मैंने बसपा से त्यागपत्र दिया है और अभी कहीं जाने का कोई निर्णय नहीं लिया है।

बसपा सुप्रीमो मायावती को प्रेषित इस्तीफे में श्री चौधरी ने पार्टी में उपेक्षा का आरोप लगाते हुये लिखा कि उन्हे वर्ष 2019 मे हुये लोकसभा चुनाव के बाद से कोई दायित्व नहीं दिया जा रहा है। ऐसा लग रहा है कि वह पार्टी

के लिये अब गैर जरूरी हो गये हैं।

उधर, सपा के सूत्रों ने बताया कि श्री आनंद चौधरी को पार्टी ने जिला पंचायत अध्यक्ष का उम्मीदवार बनाया है और जल्द ही श्री अंबिका चौधरी भी पार्टी में शामिल किये जायेंगे ।गौरतलब है कि बसपा के नौ बागी विधायकों ने हाल ही में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की थी जिसके बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने सपा नेतृत्व को चेतावनी दी थी कि वह अपनी हरकतों से बाज आये वरना उसे इसका खामियाजा उठाना पड़ेगा। इससे पहले बसपा अध्यक्ष ने पार्टी विधानमंडल दल के नेता लालजी वर्मा और रामअचल राजभर को पार्टी से निष्कासित कर दिया था।

संपादकीय

कोरोना काल में मीडिया ने बड़े धैर्य के साथ किया है कई चुनौतियों का सामना

कोरोना ने हमारी जीवन शैली पर निश्चित ही प्रभाव डाला है। कई मामलों में रिश्ते भी दांव पर लगते दिखे। रक्त संबंधियों ने भी संकट के समय मुंह मोड़ लिया, ऐसी खबरें भी मिलीं। सही मायने में यह पूरा समय अनपेक्षित परिवर्तनों का समय है।

कोविड-19 के दौर में हम तमाम प्रश्नों से घिरे हैं। अंग्रेजी पत्रकारिता ने अपने सीमित और विशेष पाठक वर्ग के कारण अपने संकटों से कुछ निजात पाई है। किंतु भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता के भी संकट जस के तस खड़े हैं। कोरोना संकट ने प्रिंट मीडिया को जिन गहरे संकटों में डाला है और उसके सामने जो प्रश्न उपस्थित किए हैं, उस पर संवाद जरूरी है। 30 मई, 1826 को जब पं. युगुल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से हिंदी के पहले पत्र का प्रकाशन प्रारंभ किया तब से लेकर प्रिंट मीडिया ने अनेक दौर देखे हैं। वे दौर तात्कालिक संकटों के थे और टल गए। अंग्रेजों के दौर से लेकर आजाद भारत में आपातकाल के दिनों से भी उसने जूझकर मुक्ति पाई। किंतु नए कोरोना संकट ने अभूतपूर्व दृश्य देखे हैं। आगे क्या होगा इसकी इबारत अभी लिखी जानी है।

कोरोना ने हमारी जीवन शैली पर निश्चित ही प्रभाव डाला है। कई मामलों में रिश्ते भी दांव पर लगते दिखे। रक्त संबंधियों ने भी संकट के समय मुंह मोड़ लिया, ऐसी खबरें भी मिलीं। सही मायने में यह पूरा समय अनपेक्षित परिवर्तनों का समय है। प्रिंट मीडिया भी इससे गहरे प्रभावित हुआ। तरह-तरह की अफवाहों ने अखबारों के प्रसार पर असर डाला। लोगों ने अखबार मंगाना बंद किया, कई स्थानों पर कालोनियों में प्रतिबंध लगे, कई स्थानों वितरण व्यवस्था भी सामान्य न हो सकी। बाजार की बंदी ने प्रसार संख्या को प्रभावित किया तो वहीं अखबारों का विज्ञापन व्यवसाय भी प्रभावित हुआ। इससे अखबारों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई। इसका परिणाम अखबारों के पेज कम हुए, स्टाफ की छंटनी और वेतन कम करने का दौर प्रारंभ हुआ। आज भी तमाम पाठकों को वापस अखबारों की ओर लाने के जतन हो रहे हैं। किंतु इस दौर में आनलाईन माध्यमों का अभ्यस्त हुआ समाज वापस लौटेगा यह कहा नहीं जा सकता।

सवा साल के इस गहरे संकट की व्याख्या करने पर पता चलता है कि प्रिंट मीडिया के लिए आगे की राहें आसान नहीं है। विज्ञापन राजस्व तेजी से टीवी और डिजीटल माध्यमों पर जा रहा है, क्योंकि लॉकडाउन के दिनों में यही प्रमुख मीडिया बन गए हैं। तकनीक में भी परिवर्तन आया है। जिसके लिए शायद अभी हमारे प्रिंट माध्यम उस तरह से तैयार नहीं थे। इस एक सवा साल की कहानियां गजब हैं। मौत से जूझकर भी खबरें लाने वाला मैदानी पत्रकार है, तो घर से ही अखबार चला रहा डेस्क और संपादकों का समूह भी है। किसे भरोसा था कि समूचा न्यूज रूम आपकी मौजूदगी के बिना, घरों से चल सकता है। नामवर एंकर घरों पर बैठे हुए एंकरिंग कर पाएंगे। सारे न्यूज रूम अचानक डिजिटल हो गए। साक्षात्कार ई-माध्यमों पर होने लगे। इसने भाषाई पत्रकारिता के पूरे परिदृश्य को प्रभावित किया है। जो परिवर्तन वर्षों में चार-पांच सालों में घटित होने थे, वे पलों में घटित होते दिखे। तमाम संस्थाएं इसके लिए तैयार नहीं थीं। कुछ का मानस नहीं था। कुछ सिर्फ ईपेपर और ई-मैगजीन निकाल रहे हैं। बावजूद इसके भरोसा टूटा नहीं है। हमारे सामाजिक ढांचे में अखबारों की खास जगह है और छपे हुए शब्दों पर भरोसा भी कायम है। इसके साथ ही अखबार को पढ़ने में होनी वाली सहूलियत और उसकी अभ्यस्त एक पीढ़ी अभी भी मौजूद है। कई बड़े अखबार मानते हैं कि इस दौर में उनके अस्सी प्रतिशत पाठकों की वापसी हो गयी है, तो ग्रामीण अंचलों और जिलों में प्रसारित होने वाले मझोले अखबार अभी भी अपने पाठकों की वापसी का इंतजार कर रहे हैं। वे मानते हैं कि उनके भी 40 प्रतिशत पाठक तो लौट आए हैं, बाकी का इंतजार है। नई पीढ़ी का ई-माध्यमों पर चले जाना चिंता का बड़ा कारण है। वैसे भी डिजिटल ट्रांसफार्मेशन की जो गति है, वह चकित करने वाली है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि डिजिटल का सूरज कभी नहीं डूबता और वह 24ङ्ग7 है।

ऐसे कठिन समय में भी बहुलांश में पत्रकारिता ने अपने धर्म का निर्वाह बखूबी किया है। स्वास्थ्य, सरोकार और प्रेरित करने वाली कहानियों के माध्यम से पत्रकारिता ने पाठकों को संबल दिया है। निराशा और अवसाद से घिरे समाज को अहसास कराया कि कभी भी सब कुछ खत्म नहीं होता। संवेदना जगाने वाली खबरों और सरोकारों से जुड़े मुद्दों को अहमियत देते हुए आज भी पत्रकारिता अपना धर्म निभा रही है। संकट में समाज का संबल बनकर मीडिया नजर आया। कई बार उसकी भाषा तीखी थी, तेवर कड़े थे, किंतु इसे युगधर्म कहना ठीक होगा। अपने सामाजिक दायित्वबोध की जो भूमिका मीडिया ने इस संकट में निभाई, उसकी बानगी अन्यत्र दुर्लभ है। जागरूकता पैदा करने के साथ, विशेषज्ञों से संवाद करवाते हुए घर में भयभीत बैठे समाज को संबल दिया है। लोगों के लिए ऑक्सीजन, अस्पताल, व्यवस्थाओं के बारे में जागरूक किया है। हम जानते हैं मनुष्य की मूल वृत्ति आनंद और सामाजिक ताना-बाना है। कोविड काल ने इसी पर हमला किया। लोगों का मिलना-जुलना, खाना-पीना, पार्टियां, होटल, धार्मिक स्थल, पर्व-त्यौहार, माल-सिनेमाहाल सब सूने हो गए। ऐसे दृश्यों का समाज अभ्यस्त कहां है? ऐसे में मीडिया माध्यमों ने उन्हें तरह-तरह से प्रेरित भी किया और मुस्कुराने के अवसर भी उपलब्ध कराए। इस दौर में मेडिकल सेवाओं, सुरक्षा सेवाओं, सफाई-स्वच्छता के अमले के अलावा बड़ी संख्या में अपना दायित्व निभाते हुए अनेक पत्रकार भी शहीद हुए हैं। अनेक राज्य सरकारों ने उन्हें फ्रंटलाइन वर्कर मानते हुए आर्थिक मदद का ऐलान किया है। केंद्र सरकार ने भी शहीद पत्रकारों के परिजनों को 5 लाख रूपए प्रदान करने की घोषणा की है। ऐसे तमाम उपायों के बाद भी पत्रकारों को अनेक मानसिक संकटों, वेतन कटौती और नौकरी जाने जैसे संकटों से भी गुजरना पड़ा है। बावजूद इसके अपने दायित्वबोध के लिए सजग पत्रकारों के उदाहरण बिखरे पड़े हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि यह संकट टलेगा और जिंदगी फिर से मुस्कुराएगी।

– प्रो. संजय द्विवेदी

अयोध्या में जमीन खरीद में घोटाला दिखाने के लिए जनता को कागजों में उलझाने की कोशिश

कोई भी समझ सकता है कि ट्रस्ट द्वारा राम मंदिर निर्माण के लिए अयोध्या में 12080 वर्गमीटर (1.20 हेक्टेयर) जमीन की खरीद मात्र 18.5 करोड़ रुपए में कर लेना फायदे का ही सौदा कहा जाएगा, जबकि इस जमीन का सर्किल रेट ही 24 करोड़ रुपए है।

अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बने यह इच्छा हर राम भक्त की है। पांच सौ वर्षों के इंतजार के बाद वह शुभ घड़ी आई है जब रामभक्तों की मुराद पूरी होने जा रही है। प्रभु श्रीराम का मंदिर 'हवा' में नहीं जमीन पर ही बनेगा, इसलिए जमीन की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सौंपी गई है। मंदिर निर्माण के लिए पर्याप्त जमीन की व्यवस्था करने के लिए ट्रस्ट को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। जमीन जुटाते समय उसे चिंता इस बात की भी कि उसके किसी व्यवहार से मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की छवि प्रभावित नहीं हो। इसलिए ट्रस्ट फूंक-फूंक कर कदम रख रही थी। उसे पता था कि भगवान श्रीराम का मंदिर बनना कुछ 'असुरी' शक्तियों को रास नहीं आ रहा है। इसीलिए तो मंदिर निर्माण पर न्याय मिलने में पांच सौ वर्ष का समय लग गया था। कांग्रेस के कई दिग्गज नेता हों या फिर वामपंथी, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल के नेता और कथित बुद्धिजीवी सब के सब मंदिर निर्माण में रोड़े अटकाने का काम कर रहे थे तो श्रीराम जन्मभूमि स्थल को कथित बाबरी मस्जिद बताने वालीं शक्तियां एड़ी-चोटी का जोर लगाए हुए थीं कि अयोध्या विवाद सुलझ नहीं पाए। कौन भूल सकता है कि कांग्रेस की मनमोहन सरकार ने तो प्रभु श्रीराम और राम सेतु के

अस्तित्व को ही नकार दिया था।

हिन्दू और हिन्दुत्व विरोधी उक्त दलों ने अब श्रीराम मंदिर निर्माण के काम में बाधा डालने के लिए प्रभु श्रीराम के मंदिर निर्माण के लिए खरीदी गई जमीन में धांधली का आरोप लगाना शुरू कर दिया है। वर्ना कोई भी समझ सकता है कि ट्रस्ट द्वारा मंदिर निर्माण के लिए अयोध्या में 12080 वर्गमीटर (1.20 हेक्टेयर) जमीन की खरीद मात्र 18.5 करोड़ रुपए में कर लेना फायदे का ही सौदा कहा जाएगा, जबकि इस जमीन का सर्किल रेट ही 24 करोड़ रुपए है। ट्रस्ट ने जमीन के लिए जो कीमत चुकाई है वह बाजार रेट से भी काफी कम है, लेकिन यह बात बीजेपी और प्रभु श्रीराम विरोधी दल और नेता कैसे मान सकते हैं। इसीलिए जमीन खरीद को घोटाला दिखाने के लिए जनता को कागजों में उलझाने की कोशिश हो रही है।बहरहाल, यह कहना गलत नहीं होगा कि विपक्षी दलों और कांग्रेस के टूलकिट गैंग ने हिन्दुत्व को बदनाम करने के लिए चलाए गये एक नये एजेंडे के तहत ट्रस्ट पर जनता का पैसा लूटने का और हिंदुओं की भावनाओं से विश्वासघात करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका वाड्रा जिनके पति रॉबर्ट वाड्रा पर जमीन घोटाले का मुकदमा चल रहा है, उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के दान का दुरुपयोग पाप है और उनकी आस्था का अपमान है। उन्होंने ट्वीट किया कि करोड़ों लोगों ने आस्था और भक्ति के चलते भगवान के चरणों में चढ़ावा चढ़ाया। उस चंदे का दुरुपयोग अधर्म है, पाप है, उनकी आस्था का अपमान है। सपा के पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडेय और उसके पश्चात आम आदमी पार्टी के सांसद और यूपी प्रभारी संजय सिंह के बाद दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने तो दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस तक कर डाली और कहा कि ट्रस्ट द्वारा राम मंदिर के लिए खरीदी गई 12080 वर्ग मीटर जमीन में भाजपा नेताओं ने करोड़ों का घोटाला किया है। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला जो विधायक तक का चुनाव नहीं जीत पाते हैं वह सीधे प्रधानमंत्री से इस मामले में जवाब मांग रहे हैं। वहीं, ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि आरोप लगाने वाले सियासी लोग हैं। सियासत से प्रेरित होकर आरोप लगा रहे हैं। यह जमीन बाजार दर से कम कीमत में खरीदी गई है। चंपत राय ने प्रेस नोट जारी कर कहा कि 1.20 हेक्टेयर की इस भूमि को खरीदने में पूरी पारदर्शिता रखी गई।

खैर, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर पहली बार जमीन खरीदने को आरोप लगे जरूर हैं लेकिन आरोप लगाने वालों ने आरोप लगाते समय एक बड़ी सच्चाई जान बूझकर छिपा ली। ऑनलाइन रजिस्ट्री दस्तावेज अपलोड किए जाने वाले 18 मार्च 2021 के एक ही पेज पर तीन एंट्री दर्ज हैं। सबसे पहले कुसुम पाठक व हरीश कुमार पाठक आदि के विक्रय विलेख अनुबंध के निरस्तीकरण की जानकारी व दस्तावेज अपलोड हैं। वर्ष 2017 में इसी जमीन का अनुबंध बसपा नेता जितेंद्र कुमार सिंह बबलू और उनके पिता इच्छाराम के पक्ष में 2.16 करोड़ रुपये में किया गया था। लेकिन ये तय वक्त में जमीन नहीं ले पाए तो पैसा वापस कर दिया गया। इसी जमीन का एग्रीमेंट वर्ष 2019 में सुल्तान अंसारी और रविमोहन तिवारी ने अपने पक्ष में कराया। बाद में इन्हीं लोगों ने ट्रस्ट को जमीन देने के लिए एग्रीमेंट किया। जमीन की कीमत का 17 करोड़ रुपये इनके खाते में ट्रांसफर किया गया है। शेष डेढ़ करोड़ रुपये दिया जाना अभी बाकी है।

एक तरफ जमीन खरीद में घोटाले का आरोप लगाने वाले खड़े हैं तो दूसरी ओर मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास, श्रीराम जन्मभूमि ने उक्त विवाद को शर्मनाक बताते हुए कांग्रेस, आम आदमी पार्टी व सपा नेताओं के आरोप को सियासी लाभ लेने वाला बताया है। उन्होंने कहा है कि इसका सच्चाई से दूर-दूर तक कोई रिश्ता नहीं है। ट्रस्ट ने जो जमीन ली है, विरोधी उसका बाजार मूल्य दिखवा सकते हैं, इसके बाद उनके मुंह पर खुद ताला लग जाएगा। ट्रस्ट ईमानदारी से अयोध्या के सांस्कृतिक विकास में लगा है। इसी तरह से अयोध्या के जिलाधिकारी अनुज कुमार झा का भी कहना है कि ट्रस्ट के प्लान का स्वागत होना चाहिए। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बाग बिजैसी मोहल्ले में जो जमीन खरीदी है, वह काफी महत्वपूर्ण स्थान पर है। ठीक इसी के सामने अयोध्या रेलवे स्टेशन का मुख्य द्वार बनना है। नए प्लान में यह इलाका सबसे बड़ा व्यावसायिक हब बनेगा। भक्तों की सुविधाओं के लिए ट्रस्ट के प्लान का स्वागत होना चाहिए।श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा खरीदी गई जमीन में घोटाले के आरोप पर महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने भी सफाई दी है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि राममंदिर ट्रस्ट ने बयान जारी कर साफ कर दिया है कि वह भूमि वर्षों से अनुबंध पर थी, उसी के अनुसार उसे खरीदा गया है। मैं महापौर के नाते सभी विषयों में गवाह हूं, जो पैसा ट्रांसफर हुआ है उसका गवाह रहा हूं। उन्होंने कहा कि जो लोग मुद्दा उठा रहे हैं, वे राजनीति से जुड़े हैं। जिन्हें भगवान राम से दिक्कत है, वही लोग ये मुद्दा उठा रहे हैं। अयोध्या में जमीन का मार्केट रेट क्या है, आसानी से पता किया जा सकता है।इस मामले में श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को जमीन का एग्रीमेंट करने वाले सुल्तान अंसारी का पक्ष जानना काफी जरूरी है। अंसारी साफ कह रहे हैं कि सपा के पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडेय व आप नेता संजय सिंह का आरोप सरासर गलत है। उन्होंने कहा कि जिस जमीन को लेकर सवाल उठाया गया है, उसका वर्ष 2011 से एग्रीमेंट चलता आ रहा है। तब से अब तक चार बार एग्रीमेंट का नवीनीकरण हुआ है। उनका कहना है कि श्री रामजन्मभूमि में हमारी आस्था है, राम के काम के लिए जमीन दी है। जमीन का सर्किल रेट देखें तो यह जमीन वर्तमान में 24 करोड़ रुपये की है। सारे आरोप गलत हैं, मेरे पास साक्ष्य हैं। अब देखना होगा कि इस मामले पर शुरू हुई राजनीतिक कहाँ जाकर थमती है।

– संजय सक्सेना

क्या है 5जी तकनीक ? क्या इस पर प्रतिबंध की मांग उचित है ?

जूही चावला की याचिका में कहा गया था कि यदि टेलीकम्युनिकेशंस इंडस्ट्री की 5जी योजना सफल हो गई तो कोई भी व्यक्ति, जानवर, चिड़िया और यहां तक कि कोई पत्ता तक हर पल रेडियो फ्रीक्वेंसी रेडिएशन से बच नहीं सकेगा।

4 जून को दिल्ली हाईकोर्ट ने बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री जूही चावला की भारत में 5जी नेटवर्क लगाने के खिलाफ दायर की गई जनहित याचिका को खारिज करते हुए उन पर यह कहते हुए 20 लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया कि याचिकाकर्ताओं ने कानूनी प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल किया है। उल्लेखनीय है कि जूही चावला सहित दो अन्य याचिकाकर्ताओं वीरेश मलिक और टीना वाच्छानी ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर 5जी तकनीक की टेस्टिंग को लेकर सवाल खड़े किए थे। याचिका में 5जी से संभावित खतरों का जिक्र करते हुए 2019 में बेल्जियम की पर्यावरण मंत्री सेलीन फ्रेमां के उस बयान का उल्लेख किया गया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि ब्रसेल्स के लोग 'गिनी पिग' नहीं हैं, जिनके स्वास्थ्य को हम मुनाफे के लिए बेच दें और वह ऐसी तकनीक का स्वागत नहीं कर सकती, जिससे नागरिकों की सुरक्षा करने वाले रेडिएशन स्टैंडर्ड्स की इज्जत नहीं हो सकती, फिर चाहे वह 5जी ही हो।

याचिका में कहा गया कि इस मामले पर अध्ययन किया जाना चाहिए कि कहीं इस तकनीक के चलते इंसानों, जानवरों और प्रकृति को नुकसान तो नहीं हो रहा। याचिकाकर्ताओं ने करीब पांच हजार पन्नों वाली अपनी याचिका डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिकेशंस, साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड, आईसीएमआर, सीपीसीबी जैसी कुछ कई प्रमुख सरकारी एजेंसियों कुछ यूनिवर्सिटी तथा डब्ल्यूएचओ को पार्टी बनाते हुए अदालत से मांग की थी कि वह इन एजेंसियों को आदेश दे कि वे निष्पक्ष जांच करके पता लगाएं कि 5जी स्वास्थ्य के लिए कितना सुरक्षित है। याचिकाकर्ताओं के वकील दीपक खोसला ने अदालत से अनुरोध किया था कि 5जी

तकनीक से गंभीर खतरे हैं, इसलिए इसे तब तक रोक दिया जाए, जब तक कि सरकार स्वयं पुष्टि न करे कि इससे कोई खतरा नहीं है।

बहरहाल, अदालत द्वारा याचिका को दोषपूर्ण, अदालत का समय बर्बाद करने वाली और प्रचार पाने के लिए दायर की गई याचिका बताते हुए न केवल इसे खारिज कर दिया गया बल्कि याचिकाकर्ताओं पर 20 लाख रुपये का जुर्माना भी ठोंक दिया। अदालत की नाराजगी की वजह यह भी थी कि जूही चावला ने सुनवाई का लिंक सोशल मीडिया पर शेयर किया था और कुछ अज्ञात लोगों ने उसी लिंक के जरिये तीन बार अदालती कार्यवाही के दौरान जूही चावला के गाने गाकर सुनवाई में व्यवधान उत्पन्न किया। इसलिए भी अदालत द्वारा सख्त शब्दों में कहा गया कि ऐसा लगता है कि यह याचिका पब्लिसिटी के लिए दायर की गई थी।

याचिका पर फैसला देते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि याचिका में कुछ ही ऐसी जानकारी हैं, जो सही हैं बाकी सिर्फ कयास ही लगाए गए हैं और संशय जाहिर किया गया है। दरअसल जब अदालत ने सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के वकील से पूछा कि उन्होंने किस आधार पर यह संशय जाहिर किया और क्या इसे लेकर कोई जानकारी, स्टडी या रिपोर्ट है तो 'नहीं' में जवाब देते हुए दलील दी गई कि यही जानकारियां हासिल करने के लिए उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया है। उसी के बाद अदालत ने यह टिप्पणी करते हुए याचिका को खारिज कर दिया कि अदालत उम्मीद करती है कि यदि अदालत में कोई याचिका दायर की जा रही है तो वह पूरे तथ्यों और जानकारी के साथ ही दायर हो, अदालत का समय बर्बाद करने के लिए नहीं।जूही चावला की याचिका में कहा गया था कि यदि टेलीकम्युनिकेशंस इंडस्ट्री की 5जी योजना सफल हो गई तो कोई भी व्यक्ति, जानवर, चिड़िया और यहां तक कि कोई पत्ता तक हर पल रेडियो फ्रीक्वेंसी रेडिएशन से बच नहीं सकेगा और इस रेडिएशन का स्तर आज के स्तर से 10 से 100 गुना ज्यादा होगा। हालांकि विश्व के कई अन्य देशों में भी लोग ऐसी चिंताएं जताते रहे हैं कि 5जी रेडिएशन का एक्सपोजर बढ़ने से कैंसर जैसी प्राणघातक बीमारियां तेजी से बढ़ सकती हैं लेकिन अभी तक के अधिकांश अध्ययनों में यही कहा गया है कि 5जी एंटीना से निकलने वाले रेडिएशन का स्तर कम होता है। दरअसल मोबाइल सिग्नल भेजने या रिसीव करने के लिए 5जी तकनीक को कई नए बेस स्टेशनों की जरूरत पड़ती है। इस तकनीक को पुरानी तकनीक के मुकाबले जमीन के नजदीक ज्यादा ट्रांसमीटर की जरूरत होती है और ज्यादा ट्रांसमीटरों का अर्थ है कि वे 4-जी तकनीक के मुकाबले कम बिजली पर चल सकते हैं अर्थात् एंटीना से निकलने वाले रेडिएशन का स्तर कम होता है।

हालांकि इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च द्वारा मोबाइल फोन से पैदा होने वाले इलैक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड को इंसानों के लिए संभावित कैंसर पैदा करने वाला माना गया है लेकिन डब्ल्यूएचओ की एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि अब तक इस संबंध में ऐसे कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिले हैं, जिनसे साबित होता हो कि मोबाइल फोन से पैदा होने वाले इलैक्ट्रोमैग्नेटिग फील्ड से इंसानों में पक्के तौर पर कैंसर होता है। वैसे भी 5जी तकनीक को दूसरी सेल्युलर तकनीकों से अलग माना जाता है। दरअसल 5जी नेटवर्क रेडियो तरंगों पर आधारित सिग्नलों पर निर्भर होता है, जो एंटीना तथा मोबाइल फोन के बीच प्रसारित होती हैं। यह तकनीक पुराने मोबाइल नेटवर्क से ज्यादा फ्रीक्वेंसी वाली तरंगों का इस्तेमाल करती है, जिससे बहुत तेज इंटरनेट स्पीड के साथ एक साथ बहुत ज्यादा मोबाइल फोनों पर इंटरनेट सुविधा का आनंद लिया जा सकता है।5जी तकनीक से मानव स्वास्थ्य पर क्या खतरे उत्पन्न हो सकते हैं, इसका खुलासा तो दुनियाभर में निष्पक्ष वैज्ञानिक अध्ययनों के बाद ही हो सकेगा लेकिन इंटरनेशनल कमीशन ऑन नॉन आयोनाइजिंग रेडिएशन प्रोटेक्शन के अध्ययनकर्ताओं का यह अवश्य कहना है कि 5जी रेडिएशन से निकलने वाली गर्मी नुकसान नहीं पहुंचाती। उनके मुताबिक अगर 5जी रेडिएशन से कोई व्यक्ति सर्वाधिक रेडियो फ्रीक्वेंसी से भी एक्सपोज हुआ होगा तो वह भी इतना कम होगा कि उससे आज तक तापमान बढ़ा हुआ नहीं पाया गया। बहरहाल, वर्ष 2020 में डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट के मुताबिक विश्व स्वास्थ्य संगठन 2022 में 5जी सहित सभी रेडियो फ्रीक्वेंसी के एक्सपोजर से स्वास्थ्य पर होने वाले खतरों पर एक रिपोर्ट प्रकाशित करेगा। उसके बाद ही यह खुलासा हो सकेगा कि 5जी रेडिएशन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है या नहीं और है तो किस हद तक?

जहां तक 5जी तकनीक को लेकर जूही चावला की याचिका की टाइमिंग का सवाल है तो यह पूरी तरह गलत था। दरअसल पिछले कुछ समय से भारत सहित दुनिया के कई हिस्सों में 5जी तकनीक को कोरोना संक्रमण से जोड़कर प्रस्तुत किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि 5जी टेस्टिंग के कारण ही दुनियाभर में कोरोना वायरस का प्रसार हो रहा है। ऐसी ही अफवाहों के चलते पिछले साल ब्रिटेन में लोगों द्वारा कुछ 5जी टावरों को आग लगा दी गई थी। इस समय भारत में 5जी पर ट्रायल चल रहे हैं जबकि क्रांतिकारी मानी जाने वाली यह तकनीक अमेरिका, यूरोप, चीन, दक्षिण कोरिया इत्यादि विश्व के कई देशों में पहले से ही काम कर रही है।

आपदा राहत के लिए अलग तंत्र बनाया जाये, बार-बार सेना को बचाव कार्य में लगाना ठीक नहीं

आपदाओं से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने 2005 में आपदा प्रबधंन प्राधिकरण बनाया। प्रदेशों में इसकी शाखाएं विकसित की गईं। इसका उद्देश्य आपदा प्रबंध के लिए अलग से पूरा तंत्र बनाना था। कुछ प्रदेशों में जनपद में इसके कार्यालय खोलकर वालंटियर बनाने का काम किया गया।

हाल ही में देश को दो तूफान का सामना करना पड़ा। तोक्ते और यास नाम के तूफानों ने देश के दक्षिण और पश्चिम क्षेत्र में जमकर कहर बरपाया। दोनों बार राहत कार्य के लिए सेना लगानी पड़ी। आजादी के 74 साल बाद भी हम स्थानीय स्तर पर आपदा प्रबंधन के लिए स्वतंत्र व्यवस्था विकसित नहीं कर पाए। जब-तब जरूरत पड़ती है, सेना को बुलावा भेज दिया जाता है। ऐसा आपात काल में तो ठीक है। रोज-रोज नहीं।

बार-बार आने वाली आपदाओं से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने 2005 में आपदा प्रबधंन प्राधिकरण बनाया। प्रदेशों में इसकी शाखाएं विकसित की गईं। इसका उद्देश्य आपदा प्रबंध के लिए अलग से पूरा तंत्र बनाना था। कुछ प्रदेशों में जनपद में इसके कार्यालय खोलकर वालंटियर बनाने का काम किया गया। योजना थी कि गांव-गांव तक ऐसे प्रशिक्षित कार्यकर्ता तैयार करना जो आपदा आते ही अपने आप राहत कार्य में लग जाएं। केंद्र सरकार की सोच था कि आपदा, बाढ़, भूकंप और महामारी को आने से नहीं रोका जा सकता। आपदा आने के बाद के लिए गांव-गांव तक प्रशिक्षित तंत्र विकसित कर लिया जाए। वह तंत्र आपदा आते ही राहत कार्य के लिए खुद सक्रिय हो जाए। उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में ये तंत्र विकसित करने पर काम हुआ। वालंटियर भी बनाए गए। ब्लॉक लेवल तक कुछ कार्य किया भी गया।इस दौरान ऐसे भवन बनाने की तकनीक विकसित की जाने लगी जो आपदा में प्रभावित न हों। सोच ये थी कि ऐसे भवन बनाने से आपदा में मकान आदि नहीं गिरेंगे। इससे मौत कम होंगी। भवन बनाने वाले कारीगरों तक को प्रशिक्षण दिया गया। बाद में ये कार्य बट्टे खाते में डाल दिया गया। योजना बंद कर दी गई। योजना के बंद होने से निराश होकर वालंटियर अपने घर बैठ गए।

जरूरत इस बात की है कि ये कार्य अनवरत चलता रहता। स्काउट-एनसीसी-एनएसएस की तरह छात्रों को भी इसके लिए प्रशिक्षित करने का कार्य होना चाहिए। इसके लिए अलग से गांव-गांव तक कार्य किया जाए। देश के प्रत्येक गांव में प्रधान और वार्ड सदस्य हैं। विकास समिति हैं। ग्राम प्रधान के अधीन आपदा प्रबंधन यूनिट भी सक्रिय होनी चाहिए। समुद्र के आसपास वाले इलाकों में तो इनकी हर समय जरूरत है।

आज आवश्यकता पड़ने पर पुलिस, अर्ध सैनिक बल को लगा दिया जाता है। गंभीर हालात को देखते हुए सेना बुला ली जाती है। युद्ध जैसे हालात न होने पर भी इनका प्रयोग किया जाना चाहिए। किंतु यह भी ध्यान रखना चाहिए कि सेना यदि युद्ध में व्यस्त हो तब क्या होगा। इसके लिए हमारी अलग से पूरी तैयारी होनी चाहिए। लद्दाख सीमा पर चीन के आचरण को देखते हुए हमें सेना वहां लगानी पड़ी है। एक साल से वहां दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने हैं। भूटान में डोकलाम विवाद और चीन के विस्तारवादी इरादों को देख भूटान सीमा पर भी हमारी सेना सक्रिय है। पाकिस्तान का रवैया कभी हमसे मैत्री पूर्ण नहीं रहा। चीन के उकसावे में हमारी मदद पर सदा पला-बढ़ा नेपाल भी अब आंख दिखा रहा है। ऐसे में सेना का दूसरे कार्य में प्रयोग उचित नहीं है, शांति काल में ही सेना का प्रयोग होना चाहिए।देश में आने वाली आपदा के लिए, आपदा में राहत कार्य के लिए पूरा तंत्र अलग होना चाहिए। स्कूल और कॉलेज स्तर से ही इसके लिए वालंटियर तैयार किए जाने चाहिए। ऐसी व्यवस्था बने कि देश को आपदा में सेना के प्रयोग की जरूरत बहुत ही गंभीर हालत में हो।

–अशोक मधुप

डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारतीय खिलाड़ियों ने मिल्खा सिंह की याद में बाजुओं पर बांधी काली पट्टी

साउथम्पटन, वार्ता। भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के दूसरे दिन शनिवार को महान भारतीय धावक मिल्खा सिंह के सम्मान और उनकी याद में बाजू पर काली पट्टी बांधी, जिनका शुक्रवार देर रात कोरोना जटिलताओं के कारण निधन हो गया था।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मीडिया सेल ने शनिवार को एक संदेश पोस्ट साझा किया, जिसमें लिखा, भारतीय क्रिकेट टीम ने मिल्खा सिंहजी की याद में काली पट्टी बांधी हुई है, जिनका कोरोना से निधन हो गया है। इससे पहले पूरी भारतीय खेल बिरादरी ने फ्लाइंग सिख को विनम्र श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने भारतीय एथलेटिक्स को दुनिया के नक्शे में रखा। भारत के महान क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर ने कहा कि मिल्खा सिंह की किंवदंती जीवित रहेगी। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, आपकी आत्मा को शांति मिले हमारे अपने ' फ्लाइंग सिख ' मिल्खा सिंह जी। आपके निधन से आज हर भारतीय के दिल में कभी न भरने वाला खालीपन आ गया है, लेकिन आप आने वाली कई पीढ़ियों को प्रेरणा देते रहेंगे। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कोहली ने भी महान ओलंपियन को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने ट्वीट में कहा, एक विरासत जिसने पूरे देश को उत्कृष्टता के लक्ष्य के लिए प्रेरित किया। उनकी विरासत हमें सिखाती है कि कभी हार न मानें और अपने सपनों का पीछा करें। रेस्ट इन पीस मिल्खा सिंह जी। आपको कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच शास्त्री ने कहा, भारत के महान ओलंपिक धावक ने सबसे सीमित सुविधाओं के बावजूद अपनी प्रतिस्पर्धी भावना से 60 के दशक में दुनिया को हिला दिया था। उन्होंने एक अलग ही स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की इच्छाशक्ति दिखाने का संकल्प लिया था। भगवान आपकी आत्मा को शांति दे। उनके परिवार के प्रति संवेदना।

भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने मिल्खा सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि बेशक उन्होंने मिल्खा सिंह को प्रतिस्पर्धा करते नहीं देखा, लेकिन वह उनकी दौड़ से प्रेरित होकर बड़े हुए हैं। छेत्री ने ट्वीट में कहा, हमने आपको प्रतिस्पर्धा करते नहीं देखा होगा, लेकिन हर बार जब हम बच्चों के रूप में तेज दौड़ते हैं तो हम मिल्खा सिंह की तरह दौड़ते हैं और मेरे लिए वह हमेशा वह किंवदंती होगी जिसे आप पीछे छोड़ गए हैं। आप सिर्फ दौड़े नहीं, बल्कि आपने प्रेरित किया। रेस्ट इन पीस सर। महिला धावक हिमा दास ने मिल्खा सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि प्रतिष्ठित धावक ने एक बार उनसे कहा था कि बड़ी चीजें करना उनकी किस्मत में हैं। उन्होंने ट्वीट में कहा, एशियाई खेलों में विश्व चैंपियनशिप अंडर-20 का खिताब और पदक जीतने के बाद मुझे अभी भी मिल्खा सिंह सर का एक फोन कॉल याद है, जिसमें उन्होंने कहा था, ' हिमा बस कड़ी मेहनत करती रहो, आपके पास पर्याप्त समय है और आप वैश्विक स्तर पर हमारे देश के लिए पदक जीत सकती हैं।

सचिन बने 21वीं सदी के सबसे महान बल्लेबाज

मुंबई, वार्ता। क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर 21 वीं सदी सबसे महान बल्लेबाज बन गए हैं। सचिन को श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा से कड़ी टक्कर मिली। दोनों खिलाड़ियों के एक बराबर अंक रहे लेकिन ज्यादा जूरी सदस्यों की सूची में आने के कारण सचिन विजेता बन गए।आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच यहां एजिस बॉल में खेले जा रहे फ़ाइनल में दूसरे दिन शनिवार को चायकाल के दौरान यह घोषणा की गयी।भारत के प्रमुख खेल प्रसारक स्टार स्पोर्ट्स ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले टेस्ट क्रिकेट में ऐतिहासिक पलों का जश्न मनाने के लिए टेस्ट क्रिकेट में 21वीं सदी के अब तक के सबसे महान खिलाड़ी को चुनने की एक अनूठी पहल की थी ।इस पहल के पीछे स्टार स्पोर्ट्स का उद्देश्य दिग्गज क्रिकेटरों से लेकर दुनिया भर के वरिष्ठ खेल पत्रकारों, प्रसारकों, सांख्यिकीविदों, विश्लेषकों, एंकरों और पूरे क्रिकेट समुदाय एक साथ लाना था।

स्टार स्पोर्ट्स की ओर से चार श्रेणियों बल्लेबाज, गेंदबाज, ऑलराउंडर और कप्तान में से एक महान खिलाड़ी को चुना जाएगा। इसके लिए बल्लेबाज श्रेणी में सचिन तेंदुलकर, स्टीवन स्मिथ, कुमार संगकारा, जैक कैलिस , गेंदबाज श्रेणी में मुथैया मुरलीधरन, शेन वार्न, डेल स्टेन, ग्लेन मैग्राथ, ऑलराउंडर श्रेणी में जैक कैलिस , बेन स्टोक्स, एंड्रयू फ्लिंटॉफ, रविचंद्रन अश्विन और कप्तान श्रेणी में स्टीव वा , ग्रीम स्मिथ, रिकी पोंटिंग, विराट कोहली को नामित किया गया है।

इन नामित खिलाड़ियों में से महान खिलाड़ियों को चुनने के लिए स्टार स्पोर्ट्स ने 50 सदस्यीय जूरी का गठन किया है, जिसमें दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर, इयान बिशप, हरभजन सिंह, शेन वॉटसन, स्कॉट स्टायरिस, गौतम गंभीर और प्रसिद्ध खेल पत्रकार और कोच शामिल हैं। प्रसारक ने प्रशंसकों को भी जूरी का हिस्सा बनने का मौका दिया है। क्रिकेट प्रेमी ट्विटर पर 15 जून को बल्लेबाज और गेंदबाज, जबकि 17 जून को अपने पसंदीदा कप्तान और आलराउंडर को चुनने के लिए वोट कर पाएंगे।

महान खिलाड़ी को चुनने की प्रक्रिया की बात करें तो इसमें पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है। चारों श्रेणियों में केवल एक जनवरी 2000 से या उसके बाद के आंकड़ों के हिसाब से ही खिलाड़ियों को नामित किया गया है। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज श्रेणी के मानदंड के मुताबिक खिलाड़ी के 10 हजार से ज्यादा रन , 50 से ज्यादा की औसत और 25 से ज्यादा शतक होने चाहिए, गेंदबाज श्रेणी के मानदंड में गेंदबाज की घरेलू मैदानों और विदेशी जमीन पर औसत 30 से कम और उसके नाम 15 बार पांच विकेट होने चाहिए, ऑलराउंडर के 2500 से ज्यादा रन, 150 से ज्यादा विकेट और बल्लेबाजी और गेंदबाजी औसत में सकारात्मक अंतर होना चाहिए, जबकि कप्तान के लिए घरेलू और विदेशी मैदानों पर कम से कम 10 जीत और मैच जीत या ड्रा प्रतिशत 70 से अधिक होना चाहिए।

डीपीएल क्लब लीजेंड्स ऑफ रूपगंज की मैच स्थल को बदलने की मांग

ढाका, वार्ता। ढाका प्रीमियर लीग (डीपीएल) क्लब लीजेंड्स ऑफ रूपगंज ने ढाका महानगर क्रिकेट समिति (सीसीडीएम) से अपने मैच स्थल को बदलने और ओल्ड डीओएचएस के खिलाफ अपने निर्णायक लीग मैच के दौरान अंपायरिंग सुविधाओं को बढ़ाने का आग्रह किया है।सीसीडीएम के अध्यक्ष को शुक्रवार को लिखे पत्र में क्लब ने कहा कि वह चाहता है कि सीसीडीएम पुराने डीओएचएस के खिलाफ बंगलादेश क्रीड़ा शिखा प्रतिष्ठान (बीकेएसपी) 3 के बजाय ढाका के शेर-ए-बंगला नेशनल स्टेडियम में उनके मैच की मेजबानी करे, क्योंकि उस दिन यहां कोई सुपर लीग मैच नहीं हैं।

लीजेंड्स ऑफ रूपगंज ने मैच के लिए आईसीसी पैनल के अंपायरों और रेफरी और मैच में डीआरएस सुविधा का भी आग्रह किया है। इस निर्णायक मैच के बाद एक टीम को डीपीएल से हटा दिया जाएगा। पहले चरण से केवल एक अंक प्राप्त कर पाने वाले पार्टेक्स स्पोर्टिंग क्लब को पहले ही हटा दिया गया है, जबकि रूपगंज और ओल्ड डीओएचएस ने पहले चरण के बाद क्रमश: सात और छह अंक अर्जित किए हैं।

खेल मंत्रालय ने खेल पुरस्कार 2021 के लिए आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 28 जून तक बढ़ाई

नयी दिल्ली, वार्ता। युवा मामले और खेल मंत्रालय ने 2021 के लिए राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार, ध्यानचंद पुरस्कार, राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार (आरकेपीपी) और मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी(एमएकेए) जैसे खेल पुरस्कारों के लिए नामांकन/आवेदन 19 और 20 मई को आमंत्रित किए थे ।अधिसूचनाएं मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई थीं।खेल मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार नामांकन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 21 जून, 2021 से बढ़ाकर 28 जून, 2021 (सोमवार) कर दी गई है। पुरस्कार के लिए पात्र खिलाड़ियों/ कोचों/ संस्थाओं/ विश्वविद्यालयों से नामांकन/आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। भारतीय ओलंपिक संघों/भारतीय खेल प्राधिकरण/मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल संघों/खेल संवर्धन बोर्डों/राज्य और केंद्र सरकारों आदि को भी तदनुसार सूचित किया जाता है ।28 जून, 2021 के बाद प्राप्त नामांकन पर विचार नहीं किया जाएगा।

चोट के कारण डीपीएल से बाहर हुए तस्कीन अहमद

ढाका, वार्ता। बंगलादेश के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ढाका प्रीमियर लीग (डीपीएल) के अगले चरण में नहीं खेलेंगे। वह बाएं अंगूठे में चोट लगने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चिकित्सक ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की है।

बीसीबी के मुख्य चिकित्सक देबाशीष चौधरी ने बताया कि डीपीएल में मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब का प्रतिनिधित्व कर रहे तस्कीन को अपनी टीम के खेलघर कल्यान समिति के खिलाफ आखिरी लीग मैच के दौरान सीमा रेखा पर क्षेत्ररक्षण करते समय चोट लग गई थी और जिसके बाद उन्हें कुछ टांके लगाने पड़े थे। उन्होंने एक बयान में कहा, कट एक इंच गहरा था, इसलिए उन्हें कुछ टांके लगाने की जरूरत थी। उन्हें अपना रिहैबिलिटेशन शुरू करने से पहले कम से कम सात दिन तक आराम करने की जरूरत होगी। दरअसल उन्हें पहले एक अंतरराष्ट्रीय सीरीज के दौरान चोट लगी थी और डीपीएल मैच के दौरान उन्हें फिर से उसी जगह पर चोट लग गई।

उल्लेखनीय है कि ग्रुप चरण में मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब के प्रमुख विकेट टेकर गेंदबाज थे। उन्होंने लीग मुकाबलों में 10 विकेट लिए हैं।

टोक्यो ओलंपिक आयोजकों ने एथलीटों के साथ आने वाले अधिकारियों की संख्या घटाकर 41 हजार की

टोक्यो, वार्ता। टोक्यो में समर ओलंपिक एवं पैरालंपिक खेलों की आयोजन समिति ने विदेशी एथलीटों के साथ आने वाले अधिकारियों की संख्या को 41 हजार तक सीमित करने का फैसला लिया है, जो प्रारंभिक संख्या की एक तिहाई है। ओलंपिक खेलों के मुख्य संचालन केंद्र हिदेमासा नाकामुरा के प्रमुख ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।आयोजन समिति ने मई में कहा था कि शुरू में योजनाबद्ध 141000 के बजाय 59 हजार विदेशी अधिकारियों और कर्मचारियों को खेल आयोजन में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी।

नाकामुरा ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, एथलीटों के साथ आने वालों के लिए हमने पुनर्गणना की और 41 हजार की संख्या तय की। यह मूल योजना का एक तिहाई है। वहीं एथलीटों की संख्या पहले की तरह 19 हजार रहेगी।

उल्लेखनीय है कि टोक्यो में समर ओलंपिक खेल पहले 2020 में आयोजित होने थे, लेकिन पिछले साल कोरोना महामारी के प्रकोप के कारण इन्हें एक वर्ष के लिए स्थगित कर दिया गया था। अब ये 23 जुलाई से आठ अगस्त तक आयोजित होने हैं। खेलों का आयोजन विदेशी दर्शकों के बिना आयोजन किया जाएगा, जबकि घरेलू दर्शकों पर इस महीने फैसला होने की उम्मीद है।

आईओए को मिला एक और प्रायोजक

नयी दिल्ली, वार्ता। भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) को आगामी टोक्यो ओलम्पिक के लिए जेएसडब्लू ग्रुप के रूप में एक और प्रायोजक मिल गया है।आईओए के महासचिव राजीव मेहता ने शुक्र्वार को यह जानकारी देते हुए बताया कि जेएसडब्लू के सीईओ पार्थ जिंदल ने पुष्टि की है कि वह टोक्यो ओलम्पिक में आईओए का प्रायोजक होगा और उसकी प्रायोजन राशि एक करोड़ रुपये की होगी।

ओलिम्पिक के लिए अमृतसर जिले के पांच खिलाडियों का चयन-डीसी

अमृतसर, वार्ता। टोक्यो में शुरू हो रहे टोक्यो ओलिम्पिक खेलों के लिए जिला अमृतसर के पांच खिलाड़ियों का चयन हुआ है जिनमें एक महिला भी शामिल है।अतिरिक्त जिला उपायुक्त रणबीर सिंह मूधल ने शुक्रवार को बताया कि हॉकी के लिए पांच खिलाड़ियों का चुनाव हुआ है जिनमें गुरजंत सिंह, दिलप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह, शमशेर सिंह और गुरजीत कौर शामिल हैं।पंजाब के खेल मंत्री ने राणा गुरमीत सिंह सोढी ने टोक्यो जा रहे पंजाब के खिलाड़ियों को जरूरी सामान खरीदने के लिए पांच पांच लाख रूपये दिए। उन्होने कहा कि पंजाब को पूरी उम्मीद है कि हमारे खिलाड़ी बड़ी संख्या में पदक जीत कर घर लौटेंगे। उन्होने बताया कि ओलिम्पिक में भारत की ओर से लगभग 190 सदस्यीय दल भाग लेगा, जिसमें से 100 एथलीट पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं। इनमें 56 पुरुष और 44 महिलाएं हैं।

जापानी स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने दी दर्शकों के बिना टोक्यो ओलंपिक आयोजित करने की सलाह

टोक्यो, वार्ता। कोरोना वायरस महामारी पर जापान के विशेषज्ञ पैनल ने शुक्रवार को कहा कि राजधानी टोक्यो में होने वाले ग्रीष्मकालीन ओलंपिक का आयोजन दर्शकों के बिना करना बेहतर होगा।क्योडो ने बताया कि आयोजन समिति को सौंपी गयी एक रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने कहा, बिना दर्शकों के खेल आयोजित करने से स्टेडियम में संक्रमण का खतरा कम से कम हो जाता है और यह खेलों के आयोजन का बेहतर तरीका है।विशेषज्ञों की यह राय हालांकि सरकार की इच्छा के विपरीत है, जो वर्तमान में खेल आयोजन में दर्शकों की संख्या को 10 हजार लोगों या स्टेडियम की क्षमता का 50 फीसदी निर्धारित करने पर विचार कर रही है।टोक्यो में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक पहले 2020 में आयोजित होने वाला था लेकिन कोरोना वायरस महामारी के बीच पिछले साल इसे स्थगित कर दिया गया था। खेलों का आयोजन इस गर्मी में 23 जुलाई से आठ अगस्त तक होने वाला है।

शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलने से टी-20 विश्व कप की तैयारी में मदद मिलेगी : मिस्बाह उल हक

कराची, वार्ता। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच मिस्बाह-उल-हक ने कहा है कि इंग्लैंड और वेस्ट इंडीज जैसी शीर्ष टी-20 टीमों के खिलाफ खेलने से टीम को टी-20 विश्व कप की तैयारी करने में मदद मिलेगी। दरअसल पाकिस्तान को जुलाई और अगस्त में इंग्लैंड और वेस्ट इंडीज के खिलाफ क्रमश: तीन और पांच टी-20 मुकाबले खेलने हैं।

मिस्बाह ने शनिवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान पाकिस्तान के मध्य क्रम से जुड़े मुद्दों पर बात की। उन्होंने खासकर कुछ बल्लेबाजों के अपने फॉर्म के लिए संघर्ष करने के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा, इसमें कोई शक नहीं है कि इंग्लैंड वेस्ट इंडीज शीर्ष टीमें हैं। मेरा अनुभव कहता है कि अगर आप अच्छी टीमों के खिलाफ खेलते हैं तो आपकी तैयारी बेहतर होगी। आप खुद को सही तरीके से आंक सकते हैं कि आप कहां खड़े हैं। मैं इसे सकारात्मक रूप से ले रहा हूं और एक कोच और एक टीम के रूप में यह एक अच्छा मौका है कि विश्व कप से पहले हमारी तैयारी बहुत अच्छी होगी।

उन्होंने कहा, यहां तक कि अगर मुश्किलें भी आईं तो हमें अपनी असली क्षमता का पता चलेगा कि हम कहां खड़े हैं। जहां तक फॉर्म की बात है, बेशक इसको लेकर चिंता है, लेकिन कुछ चीजों पर काम करने के लिए हमारे पास समय है। हमारी टीम में मध्य-क्रम के मुद्दे हैं और हमें इसे देखना होगा। हम यह देखने की कोशिश करेंगे कि हम समस्याओं को कैसे दूर कर सकते हैं।

मिस्बाह हालांकि इस बात से खुश हैं कि पाकिस्तान की फील्डिंग में सुधार हुआ है, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया है कि जूनियर स्तर पर क्षेत्ररक्षण के मानकों को सुधारने के लिए और काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, फील्डिंग एक ऐसी चीज है, जहां आप जितना ज्यादा फोकस करेंगे और जितना ज्यादा अभ्यास करेंगे, यह बेहतर होती जाएगी। कुल मिलाकर अगर आप पाकिस्तान टीम को देखें तो हमने जो भी सीरीज खेली है, हमारी फील्डिंग बेहतर रही है। न्यूजीलैंड में सीरीज के बाद से हमारी फील्डिंग में काफी सुधार हुआ है। खिलाड़ी अच्छे कैच पकड़ रहे हैं। ग्राउंड फील्डिंग भी अच्छी रही है।

उल्लेखनीय है कि पीएसएल (पाकिस्तान सुपर लीग) के फिर से शुरू होने से कुछ दिन पहले पाकिस्तान ने आगामी इंग्लैंड और वेस्ट इंडीज दौरे के लिए टीम का चयन किया था। इस पर मिस्बाह ने बताया कि आदर्श रूप से चयन पैनल ने मौजूदा पीएसएल में इन-फॉर्म खिलाड़ियों पर विचार किया होगा। कोरोना महामारी की स्थिति और विभिन्न प्रतिबंधों के कारण उन्हें पहले टीम चुननी पड़ी।

आगामी दौरों में शामिल न होने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की आईपीएल में वापसी को उचित ठहराना मुश्किल : फिंच

मेलबोर्न, वार्ता। ऑस्ट्रेलिया की सीमित ओवर क्रिकेट टीम के कप्तान आरोन फिंच का मानना है कि सितंबर में फिर से शुरू होने पर आईपीएल में उन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की वापसी को उचित ठहराना मुश्किल होगा जो विभिन्न कारणों के चलते आगामी वेस्ट इंडीज और बंगलादेश के दौरों में शामिल नहीं हो रहे हैं।

उन्होंने यहां शुक्रवार को पुष्टि की कि डेविड वार्नर और पैट कमिंस को इन दौरों से आराम देना लंबी अवधि की योजना का हिस्सा था, लेकिन अब वे ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टॉयनिस, केन रिचर्डसन और झाई रिचर्डसन की तरह घर पर रहना चाहते हैं। वहीं आईपीएल शुरू होने से कुछ समय पहले भारत में कोरोना संक्रमित पाए गए ऑल राउंडर डेनियल सैम्स ने पहले ही खुद का नाम चयन से बाहर ले लिया था, जबकि स्टीवन स्मिथ कोहनी की चोट के कारण बाहर हो गए हैं।

फिंच ने कहा कि वह उस मानसिक पीड़ा को समझते हैं जिससे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को आईपीएल स्थगित होने के बाद जूझना पड़ा था। ऑस्ट्रेलिया की सीमा बंद होने के कारण उन्हें घर वापसी के लिए काफी मुश्किलें आईं थी। इस पर ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय चयनकर्ता ट्रेवर होन्स ने पिछले हफ्ते कहा था कि खिलाड़ियों को साल के अंत में राष्ट्रीय कर्तव्य को प्राथमिकता से लेना होगा।

फिंच ने सेन डब्ल्यूए पर एडम गिलक्रिस्ट से बात करते हुए कहा, यह केवल मेरी निजी राय है। मुझे लगता है कि उनके वापस जाने और आईपीएल के दूसरे हाफ में खेलने को उचित ठहराना मुश्किल होगा, जो टी-20 विश्व कप के साथ आने वाले कार्यभार पर आधारित है। यह एक मुश्किल स्थिति है, जिसमें सभी को रखा गया है, लेकिन व्यक्तिगत रूप से मुझे यह मुश्किल लगेगा यह जानते हुए कि यह मानसिक रूप से और आपके परिवार के लिए कितना चुनौतीपूर्ण है।

एल्गर और डी कॉक के अर्धशतकों ने दक्षिण अफ्रीका को संभाला

सेंट लूसिया, वार्ता। कप्तान एवं सलामी बल्लेबाज डीन एल्गर (77) और क्विंटन डी कॉक (नाबाद 59) के शानदार अर्धशतकों ने दक्षिण अफ्रीका को वेस्ट इंडीज के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच के पहले दिन शुक्रवार को तीन विकेट पर 37 रन की नाजुक स्थिति से उबारकर स्टंप्स तक पांच विकेट पर 218 रन की अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया।

वेस्ट इंडीज ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। उसका यह फैसला उस समय तक सही नजर आ रहा था जब उसने दक्षिण अफ्रीका के तीन विकेट मात्र 37 रन पर गिरा दिए थे। इस मैच के लिए टीम में वापसी करने वाले शैनन गेब्रियल ने ओपनर एडन मारक्रम को दूसरे ओवर में शून्य पर निपटा दिया। जेडन सील्स ने कीगन पीटरसन को टीम के 26 रन के स्कोर पर आउट कर दिया। पीटरसन 25 गेंदों में सात रन ही बना सके। रैसी वान डेर डुसेन 25 गेंदों में मात्र चार रन बनाकर केमार रोच की गेंद पर बोल्ड हो गए।

लेकिन इसके बाद एल्गर ने काइल वेरिन (27) के साथ चौथे विकेट के लिए 87 रन जोड़कर टीम को शुरूआती संकट से उबार लिया। गेब्रियल ने वेरिन को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी । वेरिन ने 89 गेंदों पर दो चौकों के सहारे 27 रन बनाये।एल्गर ने फिर डी कॉक के साथ पांचवें विकेट के लिए 79 रन जोड़कर दक्षिण अफ्रीका को 200 के पार पहुंचा दिया। काइल मायर्स ने एल्गर को बोल्ड कर सलामी बल्लेबाज का संघर्ष समाप्त किया। एल्गर ने 237 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 77 रन बनाये। स्टंप्स के समय डी कॉक 103 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 59 रन और वियान मुल्डर दो रन बनाकर क्रीज पर हैं।

बीसीबी ने शबीर और सुल्तान पर नस्लीय टिप्पणी के लिए लगाया जुर्माना

ढाका, वार्ता। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने लीजेंड्स ऑफ रूपगंज क्रिकेटर शब्बीर रहमान और शेख जमाल धनमंडी क्लब के मैनेजर सुल्तान महमूद पर गुरुवार को डीपीएल (ढाका प्रीमियर लीग) मुकाबले के दौरान नस्लीय टिप्पणी करने के लिए 50 हजार बंगलादेशी टके का जुर्माना लगाया है।दरअसल शेख जमाल ने बुधवार को ढाका में विभिन्न क्लब आधारित टूर्नामेंटों का आयोजन करने वाली बीसीबी विंग ढाका महानगर क्रिकेट समिति (सीसीडीएम) को एक आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें शब्बीर के खिलाफ उनके खिलाड़ी इलायस सनी के प्रति नस्लीय टिप्पणी की बात कही गई थी।

बीसीबी ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी कि सीसीडीएम की तकनीकी समिति ने आज इस मामले में शामिल खिलाड़ियों, क्लब अधिकारी और मैच अधिकारियों के साथ वर्चुअल सुनवाई की और शब्बीर और सुल्तान पर जुर्माना लगाने का फैसला किया। साथ ही इलायस को चेतावनी भी जारी की।बीसीबी के मुताबिक शब्बीर पर बंगलादेश क्रीड़ा शिखा प्रतिष्ठान (बीकेएसपी) 3 में ओल्ड डीओएचएस क्लब के खिलाफ मैच के दौरान इलायस की ओर बिना किसी कारण के मैदान के बाहर से ईंटें फेंकने और उनके प्रति अभद्र और नस्लीय भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया था।

समझा जाता है कि शब्बीर के विवादों में आना कोई नई बात नहीं है। हाल ही में उन्हें सोशल मीडिया पर एक प्रशंसक को गाली देने के लिए छह महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। शब्बीर ने 2018 में प्रथम श्रेणी मैच के दौरान एक प्रशंसक की पिटाई के लिए अपना राष्ट्रीय अनुबंध भी खो दिया था। इसके अलावा 2015 में उनका बीपीएल वेतन का आधा हिस्सा भी काटा गया था। उन पर टीम होटल में अनुशासन में रहने का भी आरोप लगा था।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने मिल्खा के निधन पर जताया शोक

नयी दिल्ली, वार्ता। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने 'उड़न सिख मिल्खा सिंह के निधन पर गहरा शोक जताया है। मिल्खा सिंह का कोरोना की बाद जटिलताओं के कारण चंडीगढ़ स्थित पीजीआईएमईआर में शुक्रवार रात निधन हो गया।श्री कोविंद ने शनिवार को ट्वीट करके कहा, खेल की दुनिया के प्रतिमान मिल्खा सिंह के निधन से मेरा दिल दुख से भर गया है। उनके संघर्षों की कहानी और चरित्र की ताकत भारतीयों की पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।उनके परिवार के सदस्यों और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदना।

उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने अपने संदेश में कहा कि मिल्खा सिंह के निधन से वह स्तब्ध हैं। श्री नायडू ने कहा कि मिल्खा सिंह ने विश्व स्तर पर अपने जादुई प्रदर्शन से प्रत्येक भारतीय को प्रेरित किया और उन्हें गर्व करने का अवसर दिया। उन्होंने न केवल खेल के क्षेत्र में प्रतिमान स्थापित किए बल्कि जीवन के अनेक क्षेत्रों में वह आदर्श बनें। उपराष्ट्रपति ने कहा कि मिल्खा सिंह की जीवन यात्रा खिलाड़ियों को प्रेरित करती रहेगी और उन्हें बाधाओं से परे जाने का उत्साह देती रहेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महान धावक मिल्खा सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।श्री मोदी ने मिल्खा सिंह को एक प्रचंड खिलाड़ी करार देते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्र की कल्पना को आत्मसात किया और इसीलिए वह अनगिनत भारतीयों के दिल में बसे हैं।प्रधानमंत्री ने शनिवार को सिलसिलेवार ट्वीट संदेश में कहा , श्री मिल्खा सिंह के निधन से हमने एक प्रचंड खिलाडी खो दिया है जिसने राष्ट्र की कल्पना को आत्मसात किया था । अनगिनत भारतीयों के दिल में उनके लिए विशेष जगह है। उनके व्यक्तित्व से लाखों भारतीयों को प्रेरणा मिलती है।

एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा , मैंने कुछ दिन पहले श्री मिल्खा सिंह जी से बात की थी। मुझे इस बात की भनक भी नहीं थी कि यह हमारी अंतिम बातचीत होगी। उनके जीवन से अनेक उभरते एथलीटों को ताकत मिलेगी। उनके परिजनों तथा दुनियाभर में फैले प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने महान धावक मिल्खा सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राहुल ने अपने शोक संदेश में कहा, मिल्खा सिंह जी सिर्फ एक खेल सितारा नहीं बल्कि अपने सहज स्वभाव और समर्पण के कारण लाखों भारतीयों के प्रेरणास्त्रोत भी थे। उनके पीड़ित परिजनों तथा मित्रों के प्रति मेरी संवेदना।प्रियंका ने कहा, देश में जब भी उड़न धावकों की कहानियां कही जाएंगी, तब एक ऐसी शख्सियत का नाम जरूर आएगा जिसने रेस के मैदान में देश और करोड़ों भारतीय युवाओं के सपनों को एक नई ऊंचाई दी। मिल्खा सिंह जी विनम्र श्रद्धांजलि।

आंध्र प्रदेश के राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन तथा मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने महान भारतीय एथलीट मिल्खा सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है।श्री हरिचंदन ने शनिवार को यहां अपने शोक संदेश में कहा कि श्री मिल्खा से राष्ट्रमंडल खेलों में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट थे और उन्होंने मेलबर्न, रोम और टोक्यो में आयोजित ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने कहा, भारतीय महान एथलीट (मिल्खा सिंह) 1960 के रोम ओलंपिक के फाइनल में 400 मीटर दौड़ में रिकार्ड तोड़ने के बावजूद पदक से चूक गए थे। श्री सिंह 45.73 सेकंड में अपनी दौड पूरी कर चौथे स्थान पर रहे थे, जो 40 साल तक किसी भारतीय का एक कीर्तिमान रहा और 1959 में उन्हें पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की।श्री रेड्डी ने कहा कि फ्लाइंग सिख के नाम से मशहूर महान धावक मिल्का सिंह ने भारतीय गौरव को ओलंपिक तक पहुंचाया।

दीपिका पादुकोण ने लॉन्च किया ए चेन ऑफ वेलबीइंग

मुंबई, वार्ता। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने मुश्किल वक्त में लोगों के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए ए चेन ऑफ वेलबीइंग लॉन्च किया है।

दीपिका पादुकोण ने सोशल मीडिया पर ए चेन ऑफ वेलबीइंग लॉन्च किया है। यह एक डिजिटल गाइड है और उन चीजों को आगे लाने पर केंद्रित है, जो लोगों को घोर निराशा से निपटने में सहायता करेगी। दीपिका ने इंस्टाग्राम के गाइड्स फीचर का इस्तेमाल करते हुए ए चेन ऑफ वेलबीइंग की चेक लिस्ट को कंपाइल किया है। इसका परिचय देते हुए उन्होंने लिखा,ध्यान रखने के लिए एक रिमाइंडर।

माधुरी ने कई अन्य सोशल मीडिया हैंडल के सहयोग से वेलबीइंग गाइड लॉन्च किया गया है, जो एक समान लक्ष्य की दिशा में काम कर रहे हैं, ताकि दर्शकों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंचने में मदद मिल सके।इससे पहले भी, दीपिका ने मई 2020 में कोविड -19 की पहली लहर के दौरान सोशल मीडिया के बड़े प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के साथ सहयोग करते हुए वेलनेस गाइड को लॉन्च किया था।

अजय देवगन ने रूद्र के लिये ली 125 करोड़ की फीस!

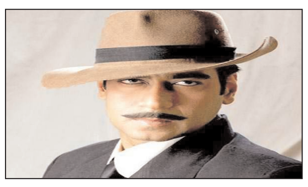

मुंबई, वार्ता। बॉलीवुड के सिंघम स्टार अजय देवगन ने अपनी आने वाली फिल्म रूद्र के लिये 125 करोड़ की फीस ले सकते है।अजय देवगन अपना डिजिटल डेब्यू रूद्रा ़द एज ऑफ डार्कनेस से कर रहे हैं। अजय देवगन ने रूद्र सीरीज की शूटिंग शुरू कर दी है। यह फिल्म हॉलीवुड अभिनेता इद्रिस एल्बा की हिट टीवी सीरीज लूथर का हिंदी रीमेक है। सीरीज को बीबीसी वन के साथ मिलकर अप्लाउस एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहा है! इस शो की शूटिंग दो महीने चलेगी। इसमें अजय का अलग ही अंदाज नजर आएगा। बताया जा रहा है कि अजय को इस डिजिटल प्रोजेक्ट के लिए 125 करोड़ रुपए बतौर फीस मिलेंगे। यदि ऐसा होता है तो अजय ओटीटी पर डेब्यू करने वाले सबसे महंगे अभिनेता बन जाएंगे।बताया जा रहा है कि रूद्रा ़द एज ऑफ डार्कनेस एक क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज है जिसमें कि एक पुलिसवाला आखिर तक आते-आते एक साइको क्रिमिनल बन जाता है।

माधुरी दीक्षित ने योग को जिदंगी का हिस्सा बनाने के लिये लोगों को प्रेरित किया

मुंबई, वार्ता। बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व योग को जिदंगी का हिस्सा बनाने के लिये लोगों को प्रेरित किया है।अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून से पूर्व माधुरी दीक्षित ने योग करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो के साथ माधुरी ने लोगों को योग को अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया है। इस वीडियो में माधुरी ने बताया कि घर पर ही रहकर कैसे योग कर सकते हैं। वीडियो में माधुरी भुजंगासन करती दिख रही हैं।माधुरी ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, योग को जिंदगी का हिस्सा बनाएं। योग हमेशा से मेरे फिटनेस का राज रहा है। ‣अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आने वाला है। मैं आपको कुछ आसान योग आसन करने का तरीका बताती हूं। इस आसन से रीढ़ की हड्डी मजबूत होगी और तनाव- थकान से आप मुक्त रहेंगे। आज हम भुजंगासन करेंगे।

करण जौहर ने लॉन्च किया यश जौहर फाउंडेशन

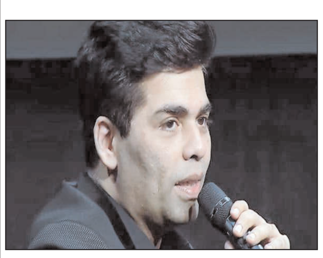

मुंबई, वार्ता। बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार करण जौहर ने अपने पिता यश जौहर की याद में यश जौहर फाउंडेशन लांच किया है।करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से यश जौहर फाउंडेशन की जानकारी देते हुए लिखा, यह मेरे अविश्वसनीय पिता की याद में और उनकी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए बनाया गया प्यार का एक सच्चा श्रम है।

करण जौहर ने लिखा, मुझे यश जौहर फाउंडेशन को लॉन्च करते हुए गर्व हो रहा है, जिसे भारतीय मनोरंजन उद्योग में लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है,जबकि हमने मनोरंजन उद्योग में लोगों और उनके परिवारों के जीवन को बढ़ाने वाली दीर्घकालिक स्थायी योजनाओं के कार्यान्वयन की शुरुआत की है, हमने यह भी सुनिश्चित किया है कि चल रहे वैश्विक महामारी के प्रभावों से निपटने में उनकी मदद करने के लिए तत्काल समाधान प्रदान किए जा रहे हैं।

जैकलीन फर्नांडिस ने किया पोल डांस

जमकर वायरल हो रहा हैं वीडियो

नई दिल्ली वार्ता। जैकलीन फर्नांडिस का सोशल मीडिया पर एक पोल डांस वीडियो वायरल हो रहा है। जैकलीन फर्नांडिस का यह वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है। जैकलीन फर्नांडिस सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं। वह अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती हैं जो कि बड़ी तेजी से वायरल होती हैद्य जैकलीन फर्नांडिस योग, जिम वर्कआउट और पोल डांस के वीडियो अक्सर शेयर करती है जो कि काफी पसंद भी किए जाते हैं।

अब उन्होंने पोल डांस की प्रैक्टिस की है इस मौके पर जैकलीन फर्नांडिस ने ब्लैक कलर की स्पोर्ट्स ब्रा और शॉर्ट्स पहन रखे है। जैकलीन फर्नांडिस वीडियो में शानदार परफॉर्मेंस देती नजर आ रही हैं । वह एक इंग्लिश गाने पर डांस कर रही हैद्य जैकलीन फर्नांडिस ने कई फिल्मों में काम किया हैद्य वह जल्द किक 2, भूत पुलिस, बच्चन पांडे और रामसेतु में नजर आने वाली है।

जैकलीन फर्नांडिस ने एक इंटरव्यू में कहा था, आने वाला वर्ष मेरे लिए बहुत धमाकेदार होने वाला हैद्य मेरी कई फिल्में रिलीज होने वाली हैद्य इसके अलावा मैं बहुत ज्यादा व्यस्त होने वाली हूं लेकिन मैं इस वर्ष की प्रतीक्षा कर रही हूं। मैं काम करते रहना चाहती हूंद्य मैं एक सेट से दूसरे सेट पर जाते रहना चाहती हूंद्य मुझे सेट पर काम करना अच्छा लगता है।

जैकलीन फर्नांडिस ने बॉलीवुड के कई कलाकारों के साथ काम किया हैद्य इनमें सलमान खान भी शामिल है। जैकलीन फर्नांडिस सोशल मीडिया पर अक्सर अपने फैंस से बातचीत करती हैद्य जैकलीन फर्नांडिस के वीडियो काफी वायरल होते हैद्य जैकलीन फर्नांडिस वीडियो में योग करती नजर आती हैद्य वह स्वस्थ जीवन शैली अपनाती है और नियमित तौर से योग भी करती है।

गहना वशिष्ठ उर्फ वंदना तिवारी को अश्लील वीडियो मामले में 5 महीने बाद मिली जमानत

नई दिल्ली वार्ता। टीवी कलाकार गहना वशिष्ठ उर्फ वंदना आर तिवारी को 5 महीने बाद मुंबई के दिंडोशी सेशन कोर्ट ने जमानत दी है। इस बात की जानकारी उनके मीडिया पीआर ने दी है। उन्होंने इस बारे में बताते हुए कहा, 5 महीने की लंबी प्रतीक्षा के बाद गहना वशिष्ठ को जमानत मिली हैद्य कोरोना महामारी के चलते लॉकडाउन था और और कोर्ट सामान्य तौर पर काम नहीं कर पा रहे थेद्य इसके चलते मामले को बोर्ड पर लाने के लिए लंबा समय लगा। इसके बाद मई से लेकर जून के पहले सप्ताह तक कोर्ट छुट्टी पर थाद्य हालांकि अब मामले की सुनवाई कर दी गई है।गहना वशिष्ठ की दिंडोशी सेशन कोर्ट ने पहली जमानत याचिका खारिज कर दी थी क्योंकि चार्जशीट दायर नहीं की गई थी। गहना वशिष्ठ को इसके पहले के मामलों में अप्रैल में ही जमानत मिल चुकी हैद्य हालांकि एक अन्य मामले में मालवणी पुलिस स्टेशन के चलते गहना की जमानत में देरी हुई। गहना वशिष्ठ को अब जमानत की कार्यवाही पूरी करनी होगीद्य गौरतलब है कि गहना वशिष्ठ को 6 फरवरी को मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच ने अश्लील वीडियो के मामले में गिरफ्तार किया था। उनके अलावा आठ अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया था।

जमानत देते हुए दिंडोशी सेशन कोर्ट ने कहा है कि वह बिना कोर्ट की आज्ञा के देश नहीं छोड़ सकतीद्य भायखला जेल में गहना वशिष्ठ कोरोना वायरस से भी पीड़ित हो गई थी और उन्हें जेल के क्वारंटाइन सेंटर में रखा गया थाद्य जेल में उन्हें दिल का दौरा भी पड़ा था और उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था।इस मामले में शर्लिन चोपड़ा और पूनम पांडे से भी पुलिस पूछताछ कर चुकी हैद्य शर्लिन चोपड़ा को कोर्ट से एंटीसिपेटरी बेल मिल गई थीद्य इस मामले में शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा को भी क्राइम ब्रांच पूछताछ के लिए बुला चुकी हैद्य मामला कोर्ट में चल रहा हैद्य सभी को आरोपियों को बेल मिल चुकी हैद्य गहना वशिष्ठ टीवी कलाकार हैद्य उन्होंने कई शो में अहम भूमिका निभाई हैद्य गहना वशिष्ठ को मिस एशिया बिकनी के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया थाद्य वह 80 से ज्यादा एडवर्टाइजमेंट में नजर आ चुकी हैं।

तेरी आँखों में जादू है में दिखेगा विनय, रानी, पाखी, गुंजन और सुदीप का जलवा

मुंबई, 17 जून (वार्ता) मल्टीस्टारर फिल्म तेरी आँखों में जादू है में विनय आनंद, रानी चटर्जी, पाखी हेगड़े, गुंजन पंत और सुदीप पांडेय का जलवा दर्शकों को देखने को मिलेगा।

भोजपुरी फिल्मों के मशहूर निर्माता जितेश दुबे और निर्देशक अजय कुमार की हिट जोड़ी एक बार फिर से धमाल मचने को तैयार है। इनकी जोड़ी अपनी नई मल्टीस्टारर तेरी आँखों में जादू है से धमाल मचाने वाली है, जिसका निर्माण श्री कृष्णा क्रिएशन के बैनर तले होने वाला है। फिल्म तेरी आँखों में जादू है की निर्माता पायल दुबे हैं, जिन्होंने बताया कि यह फिल्म बेहद कमाल की होने वाली है। इस फिल्म में गोविंदा के भांजे सह मशहूर अभिनेता विनय आनंद, रानी चटर्जी, पाखी हेगड़े, गुंजन पंत, सुदीप पांडेय, प्रिंस सिंह राजपूत, अमित शुक्ला, ब्रजेश त्रिपाठी, संजय सिंह, प्राची सिंह, विपिन सिंह, राहुल श्रीवास्तव और आइटम क्वीन शाईना सिंह मुख्य भूमिका में होंगी। फिल्म के कार्यकारी निर्माता सतीश उपाध्याय हैं।

फिल्म को लेकर निर्देशक अजय कुमार ने बताया कि फिल्म तेरी आँखों में जादू है मनोरंजन से भरपूर फिल्म होगी। इसको लेकर हमने खूब तैयारी की है। फिल्म के लिए हमने उत्तर प्रदेश का लोकेशन सेट किया है। शूटिंग हम जुलाई के अंत में शुरू करेंगे। फिल्म को लेकर बस इतना ही कहना है कि हमारी कोशिश है हम दिल में उतर जाने वाली फिल्म बनायें, जिसको लेकर काम तेजी से चल रहा है। फिल्म का गीत-संगीत शानदार होगा। डीओपी रवि चंदन और कोरियोग्राफी कानू मुखर्जी करेंगे।

घरेलू नुस्खों से करती है आलिया करती है त्वचा की देखभाल

मुंबई, वार्ता। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट का कहना है कि वह घरेलू नुस्खों से अपनी त्वचा की देखभाल करती है।

आलिया भट्ट अपने अभिनय से सभी का दिल जीत लेती है। दर्शक आलिया के अभिनय के साथ-साथ उनकी खूबसूरती के भी दीवाने हैं। आलिया अपने 'नो मेकअप लुक' के लिए भी काफी पसंद की जाती है। आलिया के नैचुरल लुक के कारण लोग अक्सर उनसे उनका ब्यूटी सीक्रेट जानना चाहते हैं। आलिया का कहना है कि त्वचा की देखभाल के लिए वह घरेलू नुस्खों पर ही ज्यादा विश्वास करती है।

आलिया भट्ट अपनी त्वचा की देखभाल के लिए मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल करती हैं। आलिया भट्ट ने बताया है कि वह स्किन केयर में लिए शहद के मास्क का उपयोग ज्यादा करती है। सिर्फ 15 मिनट के लिए अपने चेहरे पर लगाने के बाद ठंडे पानी से चेहरे को धो लेती है।

आलिया का कहना है कि जिस प्रकार शरीर को रोज खाने की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार त्वचा के लिए भी नियमित भोजन जरूरी होता है। ऐसे में त्वचा को सेहतमंद बनाने का भोजन है मॉइस्चराइजर है, जो त्वचा को अंदर से बाहर तक मुलायम रखता है। आलिया का कहना है कि कैमिकल युक्त मेकअप, कॉस्मेटिक्स का ज्यादा इस्तेमाल स्किन को नुकसान पहुंचा सकता है, ऐसे में आलिया बगैर मेकअप के रहना पसंद करती हैं।

महारानी को मिल रही प्रशंसा से अभिभूत है हुमा कुरैशी

मुंबई, वार्ता। बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी वेबसीरीज महारानी को मिल रही प्रशंसा से अभिभूत है।

हुमा कुरैशी को नई वेब सीरीज़ महारानी के रिलीज़ होने के बाद उन्हें रानी भारती के रूप में अभूतपूर्व भूमिका के लिए बॉलीवुड की महारानी कहा जा रहा है। हुमा कुरैशी ने कहा, मेरे प्रशंसक मेरी प्रेरणा हैं, वे वही हैं जो मुझे हर दिन खुद को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हैं इसीलिए मैं उन्हें निराश नहीं करना चाहती, मैं चाहती हूं कि वे मुझ पर गर्व करें। मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहती हूं। वे मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं।

हुमा कुरैशी ने कहा मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे कुछ बेहतरीन निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला, चाहे वह फिल्में हों या फिर ओटीटी प्लेटफॉर्म। आज ओटीटी नई मुख्यधारा है क्योंकि यहां बिना किसी बड़े कलाकार या बजट वाली बहुत सारी वेब-सीरीज़ अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं, यह सब कुछ अच्छी सामग्री के कारण हो रहा है। और मैं महारानी की रानी भारती जैसी चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं के लिए हमेशा तैयार हूं।गौरतलब है महारानी बिहार की पृष्ठभूमि पर आधारित एक राजनीतिक ड्रामा है जो एक साधारण गृहिणी रानी भारती की यात्रा का वर्णन करती है जिसे राज्य मुख्यमंत्री बनाया जाता है। चतुर राजनेताओं से निपटने के अलावा, रानी पितृसत्ता से भी लड़ती है।

सिल्वर स्क्रीन पर जासूस का किरदार निभायेंगे सलमान खान!

मुंबई, वार्ता।बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान सिल्वर स्क्रीन पर जासूस का किरदार निभाते नजर आ सकते हैं।

बॉलीवुड में चर्चा है कि निर्देशक राजकुमार गुप्ता ब्लैक टाइगर के नाम से मशहूर भारतीय जासूस रवींद्र कौशिक की जिंदगी पर फिल्म बनाने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह फिल्म थ्रिलर होगी, जो भारतीय इतिहास की सच्ची घटना पर आधारित है। बताया जा रहा है कि राजकुमार गुप्ता करीब पांच सालों से रवींद्र कौशिक की जिंदगी पर रिसर्च कर रहे हैं। यह फिल्म रवींद्र कौशिक की अचीवमेंट्स और विरासत पर आधारित होगी।

बताया जा रहा है कि राजकुमार गुप्ता इस फिल्म की स्क्रिप्ट को सलमान खान को सुना चुके हैं, जिसे सुनकर सलमान ने इस रोल को करने के लिए हां कह दी है। भारतीय जासूस रवींद्र कौशिक पर बन रही फिल्म में दर्शकों को थ्रिलर और एक्शन देखने को मिलेगा।

केआरकेने राखी सावंत का ऑडियो किया लीक

मीका सिंह की ट्रोलिंग पर दी हैं मजेदार प्रतिक्रिया

नई दिल्ली वार्ता। कमाल आर खान ने एक ऑडियो ट्वीट किया है। इसमें राखी सावंत कि वॉइस रिकॉर्डिंग सुनाई दे रही हैद्य राखी सावंत केआरके द्वारा मीका सिंह पर बनाए गए वीडियो पर हंस रही हैंद्य उनका यह ऑडियो बड़ी तेजी से वायरल हो गया है। अभिनेता और फिल्म समीक्षक कमाल राशिद खान केआरके के नाम से भी जाने जाते हैंद्य कमाल आर खान और मीका सिंह के बीच इन दिनों जमकर विवाद चल रहा है। मीका सिंह ने कमाल आर खान को %कुत्ता% कहकर संबोधित किया थाद्य इसके अलावा उन्होंने एक गाना भी बनाया थाद्य अब इसके जवाब में कमाल आर खान ने भी एक वीडियो बनाया थाद्य राखी सावंत ने इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए मीका सिंह का मजाक उड़ाया हैद्य राखी सावंत हंसते हुए कह रही है, केआरके भाई यह क्या कर रहे हो आप केआरके ने लिखा है, राखी सावंत का यह मजेदार रिएक्शन मीका पर बने वीडियो को देखने के बाद आया है।

केआरके और मीका सिंह एक दूसरे से लड़ रहे हैं। दरअसल केआरके ने सलमान खान की फिल्म राधे योर मोस्ट वांटेड भाई का रिव्यू किया था और इसे बहुत ही घटिया फिल्म बताया था। इसके बाद सलमान खान ने भी केआरके पर मानहानि का दावा किया है। मीका केआरके के घर के बाहर भी नजर आए थेद्य मीका ने कहा था कि वह उन्हें मारेंगे नहीं उनसे डरने की आवश्यकता नहीं हैद्य मीका सिंह और राखी सावंत के बीच अब रिश्ते सामान्य हो गए हैंद्य इसके पहले 2006 में मीका ने राखी सावंत को अपनी जन्मदिन की पार्टी में जबरन किस किया था।

केआरके ने सलमान खान की फिल्म राधे योर मोस्ट वांटेड भाई को न सिर्फ खराब बताया थाद्य बल्कि उन्होंने दिशा पाटनी को जन्मदिन पर सलाह दी थी कि उन्हें बुड्ढे कलाकारों के साथ काम नहीं करना चाहिए। उनकी जोड़ी अच्छी नहीं लगती है।

लारा दत्ता से फैन ने पूछा, क्या आपने वैक्सीन लगवाई, मिला यह मजेदार जवाब

नई दिल्ली वार्ता। लारा दत्ता सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैद्य वह अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती है जो कि बड़ी तेजी से वायरल होती हैद्य इसके अलावा वह अपने प्रशंसकों से भी बातचीत करती हैद्य इसके चलते उनके प्रशंसक भी काफी उत्साहित रहती हैंद्य अब एक प्रशंसक ने उनसे पूछा है कि क्या उन्होंने कोरोनावायरस की वैक्सीन लगवाई हैद्य इसपर लारा दत्ता ने मजेदार रिएक्शन दिया हैद्य

प्रशंसक ने लारा से पूछा है, लारा दत्ता क्या आपने वैक्सीनेशन करवाया है? इसपर लारा दत्ता ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, जी हां, सिर्फ मैंने फोटो नहीं शेयर की पर इसका मतलब यह नहीं है कि मेरा वैक्सीनेशन नहीं हुआ है। कुछ दिनों पहले लारा दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम पर पति महेश भूपति को जन्मदिन की बधाई दी थीद्य उन्होंने फोटो शेयर करते हुए लिखा था, जन्मदिन की शुभकामनाएं महेश भूपति, आप उन चीजों से घिरे हुए हैं जो आपको पसंद है जैसे कि केक और आपकी लड़कियां लारा दत्ता जल्द फिल्म बेल बॉटम में नजर आएंगीद्य इस फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली गई हैद्य इस फिल्म में उनके अलावा अक्षय कुमार, हुमा कुरैशी और वाणी कपूर की अहम भूमिका है।

लारा दत्ता ने कोरोना वायरस में शूटिंग करने के अनुभव के बारे में बताते हुए कहा था, यह ऐसे ही चलता रहेगाद्य सभी लोग इस प्रकार जीवन जीने के आदि हो जाएंगेद्य मेरी फिल्म पूरी हो गई है। अब मैं वेब सीरीज पर काम कर रही हूंद्य जीवन चलता रहता है। आपको काम करना सीखता पड़ता हैद्य बच्चे भी बहुत जल्दी सीख गए हैंद्य कोरोना महामारी ने सभी को जीवन का महत्व समझा दिया है। बेल बॉटम इस वर्ष जुलाई 27 को रिलीज होने वाली है। लारा दत्ता फिल्म अभिनेत्री हैंद्य उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप के फंसे पर्ल वी पुरी की दोस्त ने बयां किया उनका हाल, बताया- वो सदमे में हैं

नई दिल्ली वार्ता। नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में पर्ल वी पुरी को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पिछले 10 दिन से सलाखों के पीछे कैद पर्ल वी पुरी को फिलहाल ज़मानत मिल गई है। एक्टर के जमानत पर छूटने के बाद कई स्टार्स ने सोशल मीडिया पर अपना रिएक्शन दिया था। वहीं अब पर्ल वी पुरी की खास दोस्त रश्मि आर्या ने एक्टर को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बेल पर बाहर आने के बाद पर्ल वी पुरी का हाल बयां किया है।

रश्मि आर्या ने हाल ही में पिंकविला से बातचीत में पर्ल वी पुरी को लेकर कई सारी बातों का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि पर्ल निर्दोष हैं। मैं उसकी करीबी दोस्त हूं। वो एक ईमानदार लड़का है। रश्मि आगे कहती हैं, पर्ल जब से बेल पर बाहर आए हैं वह सदमें हैं। मैं जानती हूं वो वो बेकसूर है। वहीं उन पर लगे ये सारे आरोप गंदे और बेबुनियाद हैं। मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और पूरी उम्मीद है कि सच जरूर सबके सामने आएगा।

रश्मि आर्या के अनुसार पर्ल वी पुरी ने अपनी जिंदगी का सबसे बुरा दौर देखा है। उन्होंने कहा, फिलहाल हम की यही प्रार्थना है कि पर्ल और उनकी मां ठीक रहें। ?इससे ज्यादा हम अभी कुछ नहीं कह सकते हैं। हमें जस्टिस चाहिए। मेरी गारंटी है कि जल्द ही सच सबके सामने आएगा। सच का एक बड़ा हिस्सा बाहर आ ही चुका है, जो नहीं आया उसका भी जल्द खुलासा होगा।आपको बता दें कि दुष्कर्म मामले में पर्ल वी पुरी को 15 जून, 2021 को बेल मिली थी। इसके बाद पर्ल को इंसाफ दिलाने के लिए सोशल मीडिया पर कैंपेन भी चलाया जा रहा है। पर्ल एक नामी टीवी एक्टर हैं जो कि कई बड़े शोज का हिस्सा रहे हैं। उन्हें एकता कपूर के फेमस नागिन सीरियल से पॉपुलैरिटी मिली है।

भारतीयों की जमा राशि में वृद्धि पर स्विस अधिकारियों से मांगी जानकारी

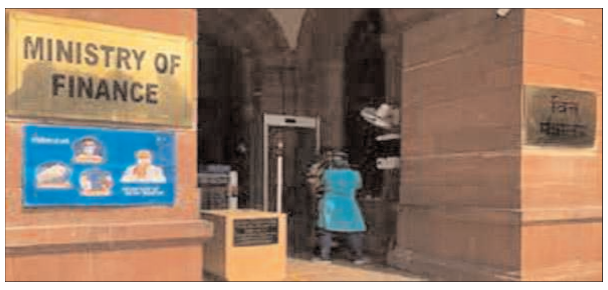

नई दिल्ली वार्ता। सरकार ने स्विट्ज़रलैंड में भारतीयों द्वारा रखे गए कथित काले धन के बारे में समाचार माध्यमों में आई खबरों का खंडन करते हुए जमाराशियों में हुई वृद्धि/कमी को सत्यापित करने के लिए स्विस अधिकारियों से जानकारी मांगी है।

वित्त मंत्रालय ने मीडिया में आई इस खबर का आज खंडन किया और कहा कि गत 18जून को मीडिया में कुछ ऐसी खबरें सामने आई हैं जिनमें यह कहा गया है कि दो साल की गिरावट की प्रवृत्ति को पलटते हुए स्विस बैंकों में भारतीयों की धनराशि 2019 के अंत में 6,625 करोड़ रुपये से बढ़कर 2020 के अंत में 20,700 करोड़ रुपये हो गई है। खबरों में यह भी कहा गया है कि यह आंकड़ा पिछले 13 सालों में जमा होने वाली राशि में सबसे अधिक भी है।

मंत्रालय ने कहा कि मीडिया में आई खबरें इस तथ्य की ओर इशारा करती हैं कि इसमें शामिल किए गए आंकड़े बैंकों द्वारा स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) को बताए गए आधिकारिक आंकड़े हैं और वे स्विट्जरलैंड में भारतीयों द्वारा रखे गए कथित काले धन की मात्रा का संकेत नहीं देते हैं। इसके अलावा, इन आंकड़ों में वह पैसा शामिल नहीं है जो भारतीयों, एनआरआई या अन्य लोगों ने स्विस बैंकों में किसी तीसरे देश की संस्थाओं के नाम पर रखा हो सकता है।

हालांकि, 2019 के अंत से ग्राहकों की जमा राशि में वास्तव में गिरावट आई है। इन संस्थाओं के माध्यम से रखे गए धन में भी 2019 के अंत से आधे से अधिक की कमी हो गई है। सबसे बड़ी वृद्धि ग्राहकों की ओर से देय अन्य राशि में हुई है। ये धन बांड, प्रतिभूतियों और विभिन्न अन्य वित्तीय साधनों के रूप में हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत और स्विटजरलैंड कर - मामलों में पारस्परिक प्रशासनिक सहायता से संबंधित बहुपक्षीय सम्मेलन (एमएएसी) के हस्ताक्षरकर्ता हैं और दोनों देशों ने बहुपक्षीय सक्षम प्राधिकार समझौते (एमसीएए) पर भी हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत दोनों देशों के बीच वर्ष 2018 और उससे आगे की अवधि के लिए सालाना आधार पर वित्तीय खाते की जानकारी साझा करने के लिए सूचना के स्वत- आदान-प्रदान (एईओआई) की व्यवस्था है।

दोनों देशों के बीच प्रत्येक देश के निवासियों से संबंधित वित्तीय खाते की जानकारी का आदान-प्रदान 2019 के साथ-साथ 2020 में भी हुआ है। वित्तीय खातों की जानकारी के आदान-प्रदान की मौजूदा कानूनी व्यवस्था (जिसका विदेशों में अघोषित परिसंपत्तियों के जरिए होने वाली कर - चोरी पर एक महत्वपूर्ण निवारक प्रभाव है) को देखते हुए, भारतीय निवासियों की अघोषित आय से स्विस बैंकों में जमा में वृद्धि की कोई महत्वपूर्ण संभावना नहीं दिखाई देती है।

मंत्रालय का कहना है कि इसके अलावा कुछ कारक जमाराशियों में हुई वृद्धि की प्रभावी तरीके से व्याख्या कर सकते हैं जिनमें व्यापारिक लेनदेन में वृद्धि के कारण स्विट्जरलैंड में स्थित भारतीय कंपनियों द्वारा जमा राशि में वृद्धि, भारत में स्थित स्विस बैंक की शाखाओं के कारोबार के कारण जमा में वृद्धि, स्विस और भारतीय बैंकों के बीच अंतर-बैंक लेनदेन में वृद्धि, भारत में स्थित किसी स्विस कंपनी की सहायक कंपनी की पूंजी में वृद्धि और बकाया डेरिवेटिव वित्तीय लिखतों से जुड़ी देनदारियों में वृद्धि शामिल है।

जी 5 का देखते रह जाओगे अभियान

नई दिल्ली वार्ता। वीडियो स्ट्रीमिंग प्लैटफॉर्म जी5 ने आज 'देखते रह जाओगे' अभियान शुरु करने की घोषणा की।

कंपनी ने कहा कि यह 499 रुपये के वार्षिक प्रीमियम सब्सक्रिब्शन पर मिलेगा (पहले यह 999रुपये/प्रतिवर्ष था), और इस तरह लोगों को अपने पसंदीदा वेब सीरीज/भारत के सबसे बड़े ओरिजिनल कंटेंट लाइब्रेरी को देखने का एक मौका दिया जा रहा है।लंबे समय से भारतीय ग्राहकों को अंतरराष्ट्रीय कॉन्सेप्ट, बिंज वाचिंग (लगातार देखना) की आदत पड़ गयी है और इस अभियान के साथ जी5 का लक्ष्य है कि वे इस प्लैटफॉर्म पर उपल?ध 150 से भी ज्यादा ओरिजिनल?स और 2800 से भी ज्यादा फिल्में और कंटेंट देख पायें। कंपनी ने अभिनेत्री सारा अली खान और अभिनेता अमोल पराशर को इसके लिये अपना ब्रांड एम्बेस्डर बनाया है। इसके साथ उनका मकसद वास्तविक, प्रासंगिक और उनकी पसंद के अनुरूप कहानियों के प्रति लगाव के जरिये भारतीयों को एकजुट करना है।

यामाहा ने लॉन्च की नियो-रेट्रो मोटरसाइकिल एफ जेड एक्स

नई दिल्ली वार्ता। दोपहिया वाहन बनाने कंपनी इंडिया यामाहा मोटर ने अपने 'द कॉल ऑफ द ब्लू' अभियान के तहत भारत में पहली नियो-रेट्रो मोटरसाइकिल एफजेड एक्स लॉन्च की है जिसकी दिल्ली में एक्स शो रूम कीमत 116800से शुरू होगी।

कंपनी ने आज यह घोषणा करते हुए कहा कि एफ जेड एक्स को नियो-रेट्रो डिजाइन थीम के साथ तैयार किया गया है, जो यादों में खो जाने जैसा अनुभव देता है। साथ ही युवाओं की राइडिंग से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए इसमें उद्योग की अग्रणी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। इसे अलग-अलग राइडिंग की परिस्थितियों में एक शानदार राइडिंग पार्टनर की तरह साथ देने के हिसाब से तैयार किया गया है और इसमें एयर-कूल्ड, 4-स्ट्रोक, 149 सीसी, एसओएचसी इंजन दिया गया है।

नई मोटरसाइकिल ब्लूटूथ संचालित है। इसमें यामाहा के वाई-कनेक्ट एप के साथ काम करने वाली कम्युनिकेशन कंट्रोल यूनिट (भारत में यामाहा की बाइक में पहली बार) भी आती है, जिससे इसके यूजर्स को एक मोटरसाइकिलिंग लाइफस्टाइल का आनंद मिलता है। इसकी मदद से राइडर इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर आइकन के साथ स्मार्टफोन नोटिफिकेशन देख सकते हैं और अपने स्मार्टफोन पर ही मैंटेनेंस से जुड़ी रिकमेंडेशन जान सकते हैं, बाइक की पिछली पार्किंग लोकेशन ट्रैक कर सकते हैं, ईंधन की खपत ट्रैक कर सकते हैं, किसी तरह की खामी से जुड़ा नोटिफिकेशन देख सकते हैं, साथ ही रेव्स डैशबोर्ड के रूप में अनूठा फीचर भी मिलता है, जिसमें इंजन आरपीएम, थ्रॉटल ओपनिंग डिग्री, एक्सलरेशन रेट व इको-फ्रेंडली राइडिंग इंडीकेटर आदि भी देख सकते हैं। अन्य आकर्षक एवं नवीन खूबियों में डेटाइम एलईडी रनिंग लैंप (डीआरएल) के साथ इसकी अनूठी बाई-फंक्शनल एलईडी हेडलाइट, पावर सॉकेट के साथ नई तरह से डिजाइन की हुई निगेटिव एलसीडी कंसोल और एक एलईडी टेललाइट शामिल हैं।

अवैध एचटीबीटी कॉटन की खेती में वृद्धि के विनाशकारी परिणाम : एफएसआईआई

नई दिल्ली वार्ता। फेडरेशन ऑफ सीड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एफएसआईआई) एवं नेशनल सीड एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनएसएआई) इस साल अवैध एचटीबीटी कॉटन की खेती में हुई अचानक वृद्धि पर चिंता जताते हुए कहा है कि

किसानों के लिए गुणवत्तायुक्त बीज गुणवत्तायुक्त उत्पाद व बेहतर पैदावार की ओर पहला कदम है।

इन संगठनों ने कहा कि शोध एवं विकास सुनिश्चित करते हैं कि किसानों की चुनौतियों का समाधान हो और उन्हें कीटों तथा बीमारियों से लड़ने के लिए बेहतर किस्में मिलें। हालांकि, असामाजिक तत्वों द्वारा अनैतिक गतिविधियां किसानों एवं सालों के निवेश व शोध एवं विकास द्वारा निर्मित ब्रांड्स का भरोसा तोड़ती हैं। यह कई सालों से कम तीव्रता पर मुख्य कपास उत्पादक राज्यों में उगाया जा रहा है, लेकिन इस साल इसकी बिक्री तेजी से बढ़ी है, जिससे पर्यावरण, किसानों, वैध बीज कंपनियों और सरकारी राजस्व को गंभीर खतरा हो गया है।संगठनों ने कहा कि 2017 के दौरान, लोकसभा में यह मुद्दा उठाया गया कि अनेक राज्यों में किसान अवैध रूप से गैर-अनुमोदित हर्बिसाईड टॉलरेंस (एचटी) ट्रांसजेनिक कॉटन हाईब्रिड उगा रहे हैं। उसके बाद, प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा बायोटेक्नॉलॉजी विभाग (डीबीटी) के तहत फील्ड इंस्पेक्शन एवं साईंटिफिक इवैल्युएशन कमिटी (एफआईएसईसी) की स्थापना की गई और इस समिति ने इस बात की पुष्टि की कि देश में एचटी जेनेटिकली मोडिफाईड कॉटन की गैरकानूनी खेती हो रही है। एफआईएसईसी पैनल ने हजारों नमूनों की जाँच करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि गैर-अनुमोदित एचटी कॉटन के 15 प्रतिशत मामले बड़े राज्यों, जैसे महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और गुजरात में हैं।

एफएसआईआई के अध्यक्ष डॉ. एम रामासामी ने कहा, ''गैरकानूनी एचटी कॉटन की खेती का क्षेत्र पिछले सालों में बढ़ता चला आ रहा है। हालांकि, इस साल खासकर कॉटन उगाने वाले बड़े राज्यों में गैरकानूनी खेती में बढ़ा उछाल आया है और पिछले साल अनुमानित 35 लाख पैकेटों के मुकाबले इस साल 70 लाख पैकेटों को उगाया गया। इन पैकेटों में अनेक टेक्नॉलॉजीज़ की मौजूदगी दिखती है, जिससे खेत में काफी गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यदि इसे सरकार द्वारा तत्काल नियंत्रित न किया गया, तो उद्योग व किसानों के लिए इसके परिणाम विनाशकारी होंगे।''

एनएसएआई के अध्यक्ष प्रभाकर राव ने कहा, ''इससे न केवल कॉटन बीज कंपनियों को नुकसान होगा, बल्कि भारत में संपूर्ण वैध कॉटन बीज बाजार को भी खतरा उत्पन्न हो जाएगा। स्थिति और ज्यादा गंभीर इसलिए है क्योंकि गैरकानूनी बीज प्रतिष्ठित कंपनियों के ब्रांड नाम के तहत बेचे जाते हैं। इसलिए इन अवैध कॉटन बीज की बिक्री से किसानों को भी जोखिम रहता है क्योंकि इन बीजों की गुणवत्ता की कोई जवाबदेही नहीं होती। इनसे पर्यावरण प्रदूषित होता है, उद्योग को वैध बीज की बिक्री न होने का नुकसान होता है और सरकार को टैक्स संग्रह के रूप में राजस्व का नुकसान होता है। रैगुलेटर्स द्वारा जाँच केवल लाईसेंसधारक डीलर्स एवं बीज कंपनियों तक सीमित है, जबकि एचटी बीज की बिक्री की यह गैरकानूनी गतिविधि अधिकांशत: असंगठित एवं रातोंरात गायब हो जाने वाले ऑपरेटर्स द्वारा की जाती है। इसलिए उन्हें पकड़कर उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्यवाही किए जाने की जरूरत है।''इन संगठनों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कृषि मंत्रालय और जीईएसी को पत्र लिखकर अधिकारियों को उचित निर्देश देने का आग्रह किया है, ताकि वे ऐसी अवैध गतिविधियों को बढ़ने से रोकने के लिए आवश्यक कार्यवाही करें और अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही करें।

हुंडई ने लॉन्च की नई एसयूवी अलकजार

नई दिल्ली वार्ता। यात्री वाहन बनाने वाली कंपनी हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने बहुप्रतिक्षित एसयूवी हुंडई अलकजार को आज लॉन्च करने की घोषणा की जिसकी शुरुआती कीमत 16.30 लाख रुपये है।कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि छह और सात सीटों के विकल्प के साथ आने वाली प्रीमियम एसयूवी अलकजार को कंपनी के डीलरशिप पर या ऑनलाइन 25,000 रुपये के डाउन पेमेंट के साथ बुक किया जा सकता है। ग्राहक कंपनी की आधिकारिक डीलरशिप पर या कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर इसे बुक कर सकते हैं।उसने कहा कि नई अलकजार को भारत में तीन इंजन के साथ लॉन्च किया गया है। अलकजार में दो-लीटर पेट्रोल और 1.5-लीटर डीजल के दो इंजन विकल्पों में छह-स्पीड ऑटोमैटिक और छह-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन का विकल्प होगा। इसका इसका 1.5 लीटर टर्बो-डीजल इंजन 138 बीएचपी और 1.4 लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन 115 पीएस की अधिकतम शक्ति पैदा करेगा।इसकी शुरुआती कीमत 16,30,300 रुपये है। जबकि टॉप मॉलड की कीमत लगभग 20 लाख रुपये तक है।

विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में रूस से आगे निकला भारत

मुंबई वार्ता। देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार 10वें सप्ताह बढ़ता हुआ 608 अरब डॉलर से अधिक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया। इसके साथ ही भारत रूस से आगे निकलते हुये इस मामले में दुनिया का चौथा सबसे बड़ा देश बन गया है।

भारतीय रिजर्व बैंक के आज जारी आंकड़ों के अनुसार, 11 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा का देश का भंडार 3.07 अरब डॉलर बढ़कर 608.08 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले 04 जून को समाप्त सप्ताह में यह 6.84 अरब डॉलर बढ़कर 605.01 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर रहा था और रूस के मुकाबले मामूली अंतर से कम था।

रूस का विदेशी मुद्रा भंडार 11 जून को समाप्त सप्ताह में 0.40 अरब डॉलर घटकर 604.80 अरब डॉलर रह गया है। अब इस मामले में भारत चीन, जापान और स्विट्जरलैंड के बाद चौथे स्थान पर है।

केंद्रीय बैंक ने बताया कि 11 जून को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 2.57 अरब डॉलर बढ़कर 563.46 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान स्वर्ण भंडार 49.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 38.10 अरब डॉलर का हो गया।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 1.10 करोड़ डॉलर की वृद्धि के साथ 5.01 अरब डॉलर पर पहुँच गई जबकि विशेष आहरण अधिकार 10 लाख डॉलर घटकर 1.51 अरब डॉलर पर

पूरब के मैनचेस्टर की पहचान कानपुर को वापस दिलायेगी योगी सरकार

लखनऊ ब्यूरो। पूरब के मैनचेस्टर के तौर पर दशकों तक अपनी पहचान दर्ज कराने वाला कानपुर शहर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयास से एक बार फिर विश्व के मानचित्र पर चमकता दिखाई देगा।

आधिकारिक सूत्रों ने दावा किया कि सरकार के प्रयासों से देश के बड़े -बड़े उद्योगपति कानपुर और उसके आसपास अपनी इंडस्ट्री लगाने में रूचि दिखा रहे हैं। इन उद्योपतियों ने टेक्सटाइल से लेकर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में निवेश किया है। इसके अलावा कानपुर में मेगा लेदर पार्क स्थापित किया जा रहा है। मेगा लेदर क्लस्टर प्रोजेक्ट के तहत 235 एकड़ में बनने वाले इस मेगा लेदर पार्क में 50 हजार लोगों को नौकरी मिलेगी और 5850 करोड़ रुपये का निवेश आएगा। श्री योगी के इस ड्रीम प्रोजेक्ट से कानपुर में फिर टेक्सटाइल हब और लेदर सिटी के नाम से जाना जाने लगेगा।

प्रदेश में गंगा के किनारे बसा औद्योगिक शहर कानपुर देश के प्रमुख शहरों में शामिल है। एक दौर में कपड़ा उद्योग के चलते कानपुर को %पूरब का मैनचेस्टर% कहा जाता था। यहां के लेदर कारोबार के चलते भी इस शहर को %लेदर सिटी% कहा जाता रहा था मगर बढ़ते प्रदूषण और कपड़ा उद्योग में हुए तकनीकी बदलाव तथा पूर्व सरकारों की उपेक्षा के चलते यह शहर अपनी पहचान खोता चला गया। कानपुर का जिक्र देश के सबसे प्रदूषित शहरों में किया जाने लगा।

सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस ऐतिहासिक शहर को फिर विश्व व्यापी पहचान देनी की ठानी है जिसके तहत उनके दिशानिर्देशन में कानपुर को टेक्सटाइल हब और लेदर सिटी के नाम से फिर विख्यात करने के लिए मेगा लेदर पार्क का प्रोजेक्ट तैयार हुआ। इसके साथ ही टेक्सटाइल और अन्य उद्योगों की स्थापना के लिए उद्योपतियों से कानपुर में अपनी इंडस्ट्री लगाने के लिए मिले प्रस्तावों का संज्ञान लेकर उद्योगपतियों से संपर्क किया गया। उन्हें बताया गया कि प्रदेश सरकार ने राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक नीतियों में तमाम संशोधन किए गए हैं।औद्योगिक विकास विभाग के अधिकारियों के अनुसार, प्रदेश सरकार की औद्योगिक नीतियों से प्रभावित हो कर अब बड़े- बड़े उद्योगपति कानपुर में टेक्सटाइल सहित कई क्षेत्र में अपनी इंडस्ट्री लगा रहे हैं। मात्र तीन वर्षों में कानपुर शहर तथा कानपुर देहात में इंडस्ट्री लगाने को लेकर 23 प्रस्ताव मिले हैं। करीब चार हजार करोड़ रुपए के इन निवेश प्रस्तावों के जमीन पर उतरने से करीब सात हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। निवेश संबंधी 23 प्रस्तावों में से 11 पर उद्योगपतियों ने अपनी यूनिट (फैक्ट्री) भी लगा ली है और उत्पादन शुरू करने की स्थिति में हैं।

अधिकारियों के अनुसार, आरपी पॉलीपैक्स ने कानपुर में डेढ़ सौ करोड़ रुपए का निवेश कर टेक्सटाइल फैक्ट्री का निर्माण किया है। कानपुर प्लास्टिक लिमिटेड ने कानपुर देहात में दो सौ करोड़ रुपए की लागत से टेक्सटाइल फैक्ट्री बनाई है। इन कंपनियों में उत्पादन शुरू हो गया है। इसके अलावा स्पर्श इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने कानपुर देहात में 600 करोड़ रुपए का निवेश प्लास्टिक फैक्टी के निर्माण पर किया है। कानपुर देहात में ही रिमझिम इस्पात कंपनी 550 करोड़ रुपए का निवेश कर स्टील रोलिंग मिल का निर्माण करा रही है। बहुमंजिली इमारत में गैर प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई योजना के तहत कानपुर में प्रदेश की फ्लैटेड फैक्ट्री लगाने पर भी कार्य शुरू हो गया है।इसके अलावा कानपुर के लिए बेहद गेमचेंजर साबित होने वाले मेगा लेदर पार्क की स्थापना का कार्य भी तेजी से होने लगा है। यह लेदर पार्क कानपुर के रमईपुर गांव में बनेगा। इसकी स्थापना के लिए 235 एकड़ में भूमि अधिग्रहित हो चुकी है। केंद्र सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की मंजूरी इस पार्क की स्थापना के लिए मिल चुकी है। कानपुर स्थापित हो रहा यह देश में पहला लेदर पार्क होगा। इसकी स्थापना होने से कानपुर देश के दस बड़े लेदर मैन्युफैक्चरिंग राज्यों में अपने स्थान को और बेहतर करने में सफल होगा।कानपुर में मेगा लेदर क्लस्टर प्रोजेक्ट के तहत बनने वाले लेदर पार्क में 50,000 लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। जबकि डेढ़ लाख लोगों को परोक्ष रूप से रोजगार पाएंगे। डेढ़ सौ से अधिक टेनरी इस पार्क में कार्य करेगी। चमड़े से बनने जूते, पर्स, जैकेट से लेकर अन्य विश्वस्तरीय उत्पाद इस पार्क में बनाकर उनका निर्यात किया जा सकेगा।

राजस्थान की डिजिटल लर्निंग के लिए कॉन्वेजीनियस के साथ साझेदारी

नई दिल्ली वार्ता। राजस्थान सरकार ने राज्य के सभी सरकारी स्कूलों और कम फीस वाली निजी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को डिजिटल लर्निंग से जोड़ने के लिए कॉन्वेजीनियस के साथ अनुबंध किया है, जिससे शिक्षा विभाग के आओ घर से सीखें%कार्यक्रम को भी मजबूती मिलेगी ।

कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि कॉन्वेजीनियस का लर्निंग प्लेटफार्म व्यक्तिगत रूप से हर विद्यार्थी के सीखने का निरंतर और व्यापक डेटा इकट्ठा करता है, जिसे छात्रों के साप्ताहिक आंकलन से निकाला जाता है। इन आंकलनों से छात्रों के प्रदर्शन और उनकी कमजोरियों का पता चलता है, जिसके अनुसार लक्षित सामग्री और रिकॉर्डेड ई-कक्षा सामग्री पेश की जाती है ताकि उनकी शंकाओं को कम किया जा सके और उपचारात्मक शिक्षण को प्रभावी बनाया जा सके ।कॉन्वेजीनियस का प्लेटफार्म सीखने के इंटरैक्टिव, चाइल्ड-फ्रेंडली और एडेप्टिव तरीकों का उपयोग करता है, जिसका उपयोग व्हाट्सएप चैटबॉट, टैबलेट या स्कूल में कंप्यूटर लैब के माध्यम से किया जा सकता है ।कॉन्वेजीनियस के सह-संस्थापक और निदेशक, शशांक पाण्डेय ने कहा, कॉन्वेजीनियस का लक्ष्य भारत के मध्यम और निम्न-आय वाले परिवारों के 10 करोड़ छात्रों को किफायती और गुणवत्तापूर्ण डिजिटल शिक्षा उपलब्ध कराना है । राजस्थान सरकार के साथ साझेदारी हमारे अभियान की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्थिर रहे पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली वार्ता। पेट्रोल-डीजल के दाम आज रिकॉर्ड स्तर पर स्थिर रहे। इससे पहले शुक्रवार को कीमतों में बढ़ोतरी की गई थी।

अग्रणी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल की 96.93 रुपये और डीजल की कीमत 87.69 रुपये प्रति लीटर पर के रिकॉर्ड स्तर पर अपरिवर्तित रही। दिल्ली में जून में अब तक पेट्रोल की कीमत 2.70 रुपये और डीजल की कीमत 2.54 रुपये बढ़ चुकी है। इससे पहले मई में पेट्रोल 3.83 रुपये और डीजल 4.42 रुपये महँगा हुआ था।

देश के दूसरे शहरों में भी दोनों जीवाश्म ईंधनों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। मुंबई में पेट्रोल का मूल्य 103.08 रुपये और डीजल का मूल्य 95.14 रुपये प्रति लीटर रहा। चेन्नई में एक लीटर पेट्रोल आज 98.14 रुपये का और डीजल 92.31 रुपये का बिका। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 96.84 रुपये और डीजल की कीमत 90.54 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही।पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

'टीका कवच' से लैस चालक दल साथ रवाना हुई पहली उड़ान

नई दिल्ली वार्ता। टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस की संयुक्त उपक्रम वाली विमान सेवा कंपनी विस्तारा पूरी तरह से 'टीका कवच' पा चुके चालक दल के साथ देश ही पहली उड़ान का परिचालन किया है।

एयरलाइंस ने आज बताया कि आज सुबह 8.50 बजे विशेष उड़ान यूके963 दिल्ली से रवाना हुई और पूर्वाह्न 11.10 बजे मुंबई पहुँची। इस उड़ान के सभी पायलट और केबिन क्रू कोविड-19 के दोनों टीके लगावा चुके हैं। यही चालक दल वापसी की उड़ान में भी शामिल रहा।विस्तारा ने दावा किया है कि देश में पहली बार किसी उड़ान में चालक दल के सभी सदस्य पूरी तरह 'टीका-कवच' से लैस थे। उसने बताया कि वह भविष्य में ऐसी और उड़ानों का परिचालन करने की योजना बना रही है।विस्तारा के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी विनोद कन्नन कहा कि महामारी के खिलाफ रक्षा का सबसे अच्छा तरीका टीकाकरण है जिसके बल पर दुनिया भर में स्थिति सामान्य हो रही है। एयरलाइंस लगातार अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों का टीकाकरण सुनिश्चित कर रही है। यह विशेष उड़ान लोगों में हवाई यात्रा के प्रति विश्वास पैदा करेगा।कंपनी ने पिछले दिनों कहा था कि उसने अपने लगभग सभी पात्र कर्मचारियों को कम से कम टीके का पहला डोज लगवा दिया है।

तेल ने बिगाड़ा रसोई का बजट!

नई दिल्ली वार्ता। इससे न सिर्फ चलना-फिरना महंगा हो गया है बल्कि सीधे तौर पर घर की रसोई का बजटही बिगड़ गया है। देश के में मुंबई में डीजल की कीमत 94.84 रुपये प्रति लीटर है, जो महानगरों में सबसे ज्यादा है। साल भर के आंकड़ों पर निगाह डालें तो डीजल करीब 25 रुपए प्रति लीटर महंगा हुआ है। इसका सीधा असर माल-भाड़े पर पड़ा है। जरूरी सामान की ट्रकों से आवाजाही महंगी हो गई है। इससे खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने से आम आदमी पर महंगाई की मार पड़ रही है।

दिल्ली के इंडियन फाउंडेशन ऑफ ट्रांसपोर्ट रिसर्च एंड ट्रेनिंग ने ट्रकों के माल भाड़े पर रिपोर्ट जारी की है। इसमें बताया गया है कि मालभाड़े की दरें देश में 9-14 फीसदी बढ़ी हैं। इसका कारण डीजल और टायरों की कीमतों में इजाफा है। डीजल की कीमत लगातार बढ़ रही है जबकि टायरों की 8 फीसद तक बढ़ चुकी है। वहीं परिवहन विकास ट्रस्ट के राष्ट्रीय प्रवक्ता जगदीश अग्रहरि के मुताबिक पूरे देश में स्थ्रष्घ्नस्त्रश्2ठ्ठ खुलने के बाद से चीजों के दाम बढ़े हैं। अकेले लखनऊ में ट्रांसपोर्टरों ने ट्रक भाड़े की बुकिंग प्रति कुंतल 30 रुपए तक बढ़ा दी है। 300 किमी से ज्यादा दूरी के सामान पर ट्रांसपोर्टर रेट 30 रुपए तक बढ़ा दे रहे हैं।

लखनऊ दाल-राइस मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष भारत भूषण गुप्ता बताते हैं कि गत्ता और प्लास्टिक का कच्चा माल ज्यादातर गुजरात और महाराष्ट्र से आता है। माल भाड़ा बढ़ने के कारण इसके रेट भी चढ़ गए हैं। के लिए हम ज्यादातर आयात पर निर्भर हैं। खाद्य तेल की कीमतें बढ़ने के कई और भी कारण हैं। इसमें अंतरराष्ट्रीय कीमतें और घरेलू उत्पादन भी शामिल हैं। चूंकि घरेलू खपत और उत्पादन के बीच का अंतर बड़ा है, इसलिए भारत को बड़ी मात्रा में खाद्य तेल बाहर से मंगाना पड़ता है। अगर बीते साल मार्च 2020 से जून 2021 की तुलना करें तो सिर्फ सरसों तेल में करीब 60 रुपए प्रति लीटर का उछाल है।

केंद्र सरकार के उपभोक्ता कार्य, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक बीते एक महीने में की कीमतों में कमी आई है। पाम ऑयल की कीमत 7 मई 2021 को 142 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो अब 19 फीसदी घटने के साथ 115 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है। सनफ्लावर ऑयल की कीमत 5 मई 2021 को 188 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो अब 16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 157 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ चुकी है।

कीमत 20 मई 2021 को 162 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो अब मुंबई में 15 फीसदी की गिरावट के साथ 138 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है। की 16 मई 2021 को कीमत 175 रुपये प्रति किलोग्राम थी, अब यह लगभग 10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 157 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है। जबकि 14 मई 2021 को मूंगफली के तेल की कीमत 190 रुपये प्रति किलोग्राम थी, अब यह 8 प्रतिशत की गिरावट के साथ 174 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है। 2 मई 2021 को वनस्पति की कीमत 154 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो अब 8 प्रतिशत की गिरावट के साथ 141 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है।मंत्रालय का कहना है कि केंद्र सरकारघटाने के लिए स्थायी आधार पर हल निकाल रही है। सरकार उपायों की एक सीरीज पर काम कर रही है। ये उपाय भारत को खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर बनाने में योगदान देंगे।

जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दलों के साथ बैठक की तैयारियां

बुलावे की प्रकिया शुरू, महबूबा के पास पहुंचा फोन

श्रीनगर वार्ता। जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने और विधानसभा चुनाव के लिए माहौल तैयार करने के लिए केंद्र सरकार संभवता 24 जून को प्रदेश के मुख्यधारा के सभी राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर सकती है।

पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती समेत अन्य दलों के नेताओं को बैठक में भाग लेने के लिए बुलावे की प्रकिया भी शुरू कर दी गई है। पांच अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम को पारित किए जाने के बाद केंद्र सरकार की जम्मू-कश्मीर के सभी दलों से एक साथ होने वाली यह पहली बैठक होगी। प्रस्तावित बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी भाग लेने की उम्मीद है। इसके अलावा बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत कई अन्य केंद्रीय मंत्री भी मौजूद रहेंगे।

दिल्ली स्थित उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि केंद्र सरकार नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष डा. फारूक अब्दुल्ला, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती, जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के चेयरमैन अल्ताफ बुखारी, पीपुल्स कांफ्रेंस के चेयरमैन सज्जाद गनी लोन के अलावा प्रदेश कांग्रेस, भाजपा और जम्मू-कश्मीर में माकपा के नेताओं को प्रस्तावित बैठक के लिए निमंत्रण की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

उल्लेखनीय है कि नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डा. फारूक अब्दुल्ला ने बीते दिनों श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत में केंद्र सरकार के साथ बातचीत की संभावना का संकेत देते हुए कहा था कि उन्होंने सभी विकल्प खुले रखे हैं। अगर कश्मीर में हालात सामान्य बनाने के लिए केंद्र सरकार बातचीत के लिए बुलाएगी तो जरूर जाएंगे। इसके बाद पीपुल्स एलायंस फार गुपकार डिक्लेरेशन (पीएजीडी) के सभी घटकों की पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के घर पर बैठक हुई थी। इसमें फारूक अब्दुल्ला भी मौजूद थे।

गौरतलब है कि नेकां, पीडीपी, पीपुल्स कांफ्रेंस, माकपा, पीपुल्स कांफ्रेंस और अवामी नेशनल काफ्रेंस सरीखे दल पहले ही दिन से जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम का विरोध करते आ रह हैं। यह दल जम्मू-कश्मीर में पांच अगस्त, 2019 से पहले की संवैधानिक स्थिति की बहाली और जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल किए जाने की मांग करते हैं।

महबूबा बोलीं-वरिष्ठ नेताओं के साथ करूंगी विचार विमर्श ॰पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बैठक के लिए केंद्र सरकार से शुक्रवार देर रात मिले न्योते की पुष्टि करते हुए कहा कि एक फोन आया है। मैंने अभी बैठक में शामिल होने के मुद्दे पर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। मैं पहले इस विषय में अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से विचार विमर्श करूंगी। उसके बाद मैं अपने फैसले से सभी को अगवत करा दूंगी।

बैठक का संदेश आएगा तो जरूर शामिल होंगे ॰ पीएजीडी के प्रवक्ता और संयोजक माकपा नेता मोहम्मद यूसुफ तारीगामी ने केंद्र सरकार के साथ बैठक को लेकर जारी चर्चा संबंधी सवाल पर कहा कि दिल्ली से अभी तक कोई संकेत या संदेश नहीं आया है। अगर यह बैठक होती है तो हम जरूर इसमें शामिल होंगे। यहां हालात सामान्य बनाने के लिए हम किसी भी बैठक और प्रक्रिया का स्वागत करते हैं। बातचीत जरूरी है।

हमारी समस्याओं का समाधान दिल्ली में ही होगा ॰ जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के चेयरमैन अल्ताफ बुखारी ने कहा कि हम शुरू से ही बातचीत के पक्षधर हैं। कश्मीर को लेकर जब भी, जहां भी बैठक होगी, उससे हमारा ही पक्ष सही साबित होगा। हम मार्च, 2020 से लगातार कहते आ रहे हैं कि जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा प्रदान करने और जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र को पूरी तरह बहाल करने का एकमात्र जरिया सभी पक्षों से बातचीत ही है। मैं सभी को यही कहना चाहूंगा कि हमारी सभी समस्याओं का समाधान सिर्फ दिल्ली में ही होगा। दिल्ली के सिवाय हमें किसी और की तरफ देखने की जरूरत नहीं है।विधानसभा का गठन करना चाहती है केंद्र सरकार ॰सूत्रों ने बताया कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया को जल्द आगे बढ़ाते हुए विधानसभा का गठन करना चाहती है। इसलिए बीते साल जस्टिस (रिटायर्ड) रंजना देसाई की अध्यक्षता में गठित परिसीमन आयोग को जम्मू कश्मीर में परिसीमन की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी करने के लिए कहा गया है। यह आयोग चंद दिनों में जम्मू कश्मीर का भी दौरा करने वाला है।

टीकाकरण जागरुकता के लिए 'जान है तो जहान है' अभियान शुरू होगा : नकवी

नयी दिल्ली वार्ता। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि 21 जून से देश भर के ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना वैक्सीनेशन के प्रति जागरूकता लाने एवं आशंकाओं-अफवाहों को रोकने के लिए 'जान है तो जहान है' अभियान शुरू होगा।

श्री नकवी ने शनिवार को यहाँ कहा कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक संस्थाओं, स्वयं सहायता समूहों, महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप आदि को साथ लेकर देश के ग्रामीण एवं दूर-दराज के क्षेत्रों में कोरोना वैक्सीनेशन के प्रति जागरूकता के लिए 'जान है तो जहान है' अभियान शुरू कर रहा है। इस अभियान में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक, मेडिकल एवं विज्ञान एवं अन्य क्षेत्रों के प्रमुख लोगों के सन्देश, नुक्कड़ नाटक आदि के जरिये सकारात्मक सन्देश दिया जायेगा।उन्होंने कहा कि 21 जून को अल्पसंख्यक बाहुल्य उत्तर प्रदेश के रामपुर ज़िले से शुरू होने वाला 'जान है तो जहान है' अभियान देश के विभिन्न स्थानों पर होगा।

श्री नकवी ने बताया कि कुछ निहित स्वार्थी तत्वों ने देश के कुछ क्षेत्रों में कोरोना वैक्सीन को लेकर अफवाहों और आशंकाओं का माहौल बनाने की कोशिश की है। ऐसा भ्रम पैदा करने वाले लोगों की सेहत-सलामती के दुश्मन हैं। देश के वैज्ञानिकों के परिश्रम के परिणाम स्वरूप दो 'मेड इन इंडिया' कोरोना वैक्सीन तैयार हुई हैं, वैज्ञानिक रूप से यह साबित हो चुका है कि ये वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित हैं और कोरोना संक्रमण से बचाव का प्रमुख हथियार हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में चल रहे दुनिया के सबसे बड़े कोरोना टीककरण को लेकर आशंकाओं और अफवाहों को दूर करने के लिए 'जान है तो जहान है' अभियान में राज्य की हज कमेटियां, वक्फ बोर्ड, वक्फ से जुड़े शैक्षणिक संस्थान, केंद्रीय वक्फ काउंसिल, मौलाना आजाद एजुकेशन फाउंडेशन, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की 'नई रोशनी' योजना के अंतरगर्त कार्यरत महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप एवं स्वयं सहायता समूह शामिल होंगे।उन्होंने कहा कि 'जान है तो जहान है' अभियान में दिल्ली जामा मस्जिद के शाही इमाम सय्यद अहमद बुखारी, दिल्ली के फतेहपुरी मस्जिद के इमाम डॉ. मुफ़्ती मुकर्रम अहमद, जैन धर्म गुरु आचार्य लोकेश मुनि, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष श्री मनजिंदर सिंह सिरसा, अजमेर शरीफ दरगाह के सज्जादानशीन सय्यद जैनुल आबेदीन, अंजुमन सैयद जादगान, दरगाह शरीफ, अजमेर के अध्यक्ष हाजी सय्यद मोईन हुसैन, खादिम दरगाह अजमेर शरीफ जनाब गुलाम किब्रिया दस्तगीर, आल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल के चेयरमैन सय्यद नसरुद्दीन चिश्ती, दरगाह निजामुद्दीन, दिल्ली के सज्जादानशीन सय्यद हम्माद निजामी, शिया मस्जिद दिल्ली के शाही इमाम मौलाना मोहम्मद अली मोहसिन तक़वी, इंटर फेथ हारमनी फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया के फाउंडर डॉ. ख्वाजा इफतिखार अहमद; अलीगढ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर डॉ. तारिक मंसूर, ऑल इंडिया इमाम ऑर्गनाईजेशन के चीफ इमाम डॉ. उमेर अहमद इलियासी, जाने माने न्यूरोसर्जन डॉ. माज़दा तुरेल, डायरेक्टर, यूनेस्को पारज़ोर और जियो पारसी डॉ. शेरनाज कामा, विभिन्न ईसाई एवं बौद्ध धर्म गुरु, फिल्म-टेलीविजन क्षेत्र की हस्तियां आदि लोगों में टीकारण के प्रति जागरूकता का प्रभावी सन्देश देंगें।

श्री नकवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार, भारत में दुनिया का सबसे बड़ा कोरोना टीकाकरण अभियान चला रही है जिसमे अभी तक करोड़ों लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया है। विश्व के अधिकांश पहले से ही सुविधा संपन्न देशों के मुकाबले भारत कोरोना टीकाकरण अभियान में बहुत आगे है।

राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों के पास अभी भी 2.87 करोड़ टीके उपलब्ध

नयी दिल्ली वार्ता। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में कोरोना वायरस के दो करोड़ 87 लाख 71 हजार 85 टीके अभी उपलब्ध हैं।

मंत्रालय ने बताया कि अगले तीन दिनों में कम से कम 52,26,460 और टीके राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों को उपलब्ध करा दिये जायेंगे। मंत्रालय ने बताया कि अभी तक केन्द्र ने 28.50 करोड़ से अधिक कोरोना वायरस के टीके राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों को उपलब्ध कराये जा चुके हैं जिनमें से आज सुबह के आंकड़ों के मुताबिक अपव्यय सहित 25,63,28,045 टीके इस्तेमाल किये जा चुके हैं।

मंत्रालय ने कहा, केंद्र सरकार राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मुफ्त में कोविड टीके उपलब्ध कराकर उनकी मदद कर रही है। इसके अलावा सरकार राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा टीकों की सीधी खरीद की सुविधा भी उन्हें प्रदान कर रही है। जांच, ट्रैक और उपचार के साथ-साथ टीकाकरण महामारी की रोकथाम और प्रबंधन के लिए केंद्र सरकार की व्यापक रणनीति का एक मजबूत आधार है।इस दौरान देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस के 60,753 नए मामले सामने आए हैं और इस महामारी के संक्रमण से 1647 और मरीजों को जान से हाथ धोना पड़ा है। देश में कोरोना संक्रमण से प्रभावितों की कुल संख्या 2,86,78,390 और इस महामारी से मरने वालों का कुल आंकड़ा 3,85,137 हो गया है।

मंत्रालय के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 33,00,085 टीके लगाए गए, इसके साथ ही देश में इस साल 16 जनवरी से अभी तक कोरोना वायरस के 27,223,88,783 टीके लगाये जा चुके हैं।

डीपीआईआईटी सचिव महापात्रा का निधन, मोदी ने जताया शोक

नयी दिल्ली वार्ता। उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव गुरुप्रसाद महापात्र का कोविड से संबंधित जटिलताओं के कारण शनिवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्री महापात्रा के निधन पर शोक व्यक्त किया। श्री मोदी ने ट्वीट किया, डीपीआईआईटी के सचिव गुरुप्रसाद महापात्र के निधन से दु-खी हूं।

बिरला, गडकरी सहित कई प्रमुख नेताओं ने दी राहुल को जन्मदिन की बधाई

नयी दिल्ली वार्ता। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मध्य प्रदेश की मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित कई अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है।

श्री बिरला ने कहा, वायनाड से सांसद राहुल गांधी जी को जन्म दिन की मंगल कामनाएं। आपके स्वस्थ एवं प्रफ्फुलित जीवन की कामना करता हूं।

श्री गडकरी ने कहा, राहुल गांधी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपके स्वस्थ जीवन और दीर्घायु की कामना करता हूं।श्री देवगौड़ा ने कहा कि श्री गांधी एक अच्छे इंसान और समाज को समर्पित नेता है। श्री चौहान ने भी उनके सुखद भविष्य और दीर्घायु होने की कामना की है।कांग्रेस महासचिव मुकुल वासनिक तथा पार्टी कोषाध्यक्ष पवन कुमार बंसल ने भी श्री गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं।राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने भी उनके स्वस्थ सफल जीवन तथा दीर्घायु की कामना की है। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी श्री गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह तथा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने भी श्री गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी और उनके दीर्घायु होने की कामना की है।पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने अपने शुभकामना संदेश में कहा देश के लिए कठिन दौर के बावजूद आप प्रेम पूर्वक और गंभीरता से हमारा नेतृत्व कर रहे हैं। श्री राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपके स्वस्थ, खुशहाल और सफल जीवन की कामना।

पार्टी के संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा ''सच्चा नेता वही होता है जो सच्चाई, ईमानदारी, साहस और समर्पण के साथ चुनौतियों का मुकाबला करता है। राहुल जी को जन्मदिन पर और अधिक ऊर्जा के साथ चुनौतियों से लड़ने शुभकामनाएं।

पार्टी ने अपने आधिकारिक पेज पर ट्वीट कर श्री गांधी के स्वस्थ और सुखद भविष्य की कामना करते हुए कहा कि कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण लोग भारी दिक्कतों का सामना कर रहे हैं जिसे देखते हुए श्री गांधी ने अपना जन्मदिन नहीं मनाने का निर्णय लिया। जन्मदिन मनाने की बजाय उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से राहत कार्यों में निरंतर जुटे रहने का आग्रह किया है।

देश में 24 घंटे में कोरोना 60,753 नए मामले

नयी दिल्ली वार्ता। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के 60,753 नए मामले दर्ज किए गए हैं तथा 1,647 मरीजों को इसके संक्रमण से जान गवानी पड़ी।

इस बीच शुक्रवार को 33 लाख 85 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये। देश में अब तक 27 करोड़ 23 लाख 88 हजार 783 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में 60,753 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 2,98,23,546 हो गया। इस दौरान 97 हजार 743 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद इस महमारी को मात देने वालों की कुल संख्या बढ़कर दो करोड़ 86 लाख 88 हजार 390 हो गई हैं। सक्रिय मामले 38 हजार 637 कम होकर सात लाख 60 हजार 19 रह गये हैं। इसी अवधि में 1,647 मरीजों की जान जाने के बाद मृतकों का आंकड़ा बढ़कर तीन लाख 85 हजार 137 हो गया है।

देश में सक्रिय मामलों की दर कम होकर 2.55 फीसदी, रिकवरी दर बढ़कर 96.16 फीसदी और मृत्यु दर 1.29 फीसदी हो गई है।

महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में 5197 सक्रिय मामलों में कमी आने के बाद इनकी संख्या घटकर 137851 रह गयी है। इसी दौरान राज्य में 14347 और मरीजों के स्वस्थ होने के बाद कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 56,99,983 हो गयी है जबकि 648 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 116674 हो गया है।

केरल में इस दौरान सक्रिय मामले 876 कम हुए हैं और इनकी संख्या अब 108117 रह गयी है तथा 12147 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोना को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 2665354 हो गयी है जबकि 90 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 11833 हो गयी है।कर्नाटक में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 9675 कम होकर 137072 रह गए हैं। वहीं 168 और मरीजों की मौत से मृतकों का आंकड़ा 33602 हो गया है। राज्य में अब तक 2625447 मरीज स्वस्थ हुए हैं।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना के सक्रिय मामलों में 109 की कमी आने के साथ इनकी संख्या घटकर 2445 रह गयी है। यहां 14 और मरीजों की मौत के साथ इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 24900 हो गयी है। वहीं 1404688 मरीज कोरोना को मात दे चुके हैं।तेलंगाना में सक्रिय मामले 492 घटकर 19029 रह गये हैं, जबकि अब तक 3546 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 588259 लोग इस महामारी से ठीक हुए हैं।आंध्र प्रदेश में सक्रिय मामले 67629 रह गये हैं। राज्य में कोरोना को मात देने वालों की तादाद 1759390 हो गयी है जबकि 12224 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 11514 घटकर 89009 रह गयी है तथा 287 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 30835 हो गयी है। वहीं 2286653 मरीज संक्रमण मुक्त हुए हैं।आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान 676 सक्रिय मामले कम हुए हैं और इनकी संख्या अब 5343 रह गयी है। राज्य में इस महामारी से 51 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 22081 हो गयी है तथा 1676458 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं।

न्यूनतम मजदूरी के निर्धारण से संबंधित विशेषज्ञ समूह जल्द देगा रिपोर्ट

नयी दिल्ली वार्ता। केन्द्र सरकार ने प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रोफेसर अजीत मिश्रा की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समूह का गठन किया है, जो सरकार को न्यूनतम मजदूरी और राष्ट्रीय स्तर पर न्यूनतम मजदूरी के निर्धारण के बारे में जल्द तकनीकी जानकारी और सिफारिशें देगा।केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने शनिवार को यहां यह स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि इस समूह की पहली बैठक 14 जून, 2021 को हुई है और इसकी दूसरी बैठक 29 जून, 2021 को निर्धारित है। मंत्रालय ने कहा है कि इसके अलावा जब भी जरूरत हो सरकार न्यूनतम मजदूरी और राष्ट्रीय स्तर पर न्यूनतम मजदूरी से संबंधित विषयों पर इस विशेषज्ञ समूह से तकनीकी सलाह ले सकती है।मंत्रालय ने कहा है कि इस विशेषज्ञ समूह का कार्यकाल तीन वर्ष है। यह ध्यान में आया है कि प्रेस के कुछ वर्गों ने इस कदम को न्यूनतम मजदूरी और राष्ट्रीय स्तर पर न्यूनतम मजदूरी के निर्धारण में देरी करने के प्रयास के रूप में देखा है।सरकार ने साफ कहा है कि ऐसा कोई इरादा नहीं है और विशेषज्ञ समूह जल्द से जल्द सरकार को अपनी सिफारिशें सौंपेगा। इस विशेषज्ञ समूह का कार्यकाल तीन वर्ष रखा गया है ताकि न्यूनतम मजदूरी और राष्ट्रीय स्तर पर न्यूनतम मजदूरी के निर्धारण के बाद भी इससे सलाह ली जा सके।

जामनगर में होगा दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण

नयी दिल्ली वार्ता। गुजरात के जामनगर में रविवार को 'सामाजिक अधिकारिता शिविर' में 3805 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित कियें जायेंगे।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि 'सामाजिक अधिकारिता शिविर' में कोविड-19 महामारी के नियमों का पालन करते हुए ब्लॉक और पंचायत स्तर पर 3805 दिव्यांगजनों को 3.57 करोड़ रुपये मूल्य के कुल 6225 सहायक और सहायता उपकरण निशुल्क वितरित किये जायेंगे।

उद्घाटन समारोह में गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी मुख्य अतिथि के रूप में वर्चुअली उपस्थित होंगे। केंद्रीय सामाजिक न?याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. थावरचंद गहलोत समारोह की अध्यक्षता करेंगे। गुजरात के ग्रामीण विकास, मत्स्य और परिवहन मंत्री रणछोड़ भाई फलदू, राज्य के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ईश्वर भाई परमार, खाद्य और नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और कुटीर उद्योग राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह जडेजा, जामनगर की सांसद पूनमबेन माडम, नवसारी के सांसद सी. आर पाटिल के साथ साथ डीईपीडब्लूडी, एलिम्को और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों सहित कई गणमान्य व्यक्ति भी समारोह में शामिल होंगे।

राहुल-प्रियंका ने मिल्खा सिंह के निधन पर जताया शोक

नयी दिल्ली वार्ता। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने महान धावक मिल्खा सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।श्री गांधी ने अपने शोक संदेश में कहा, मिल्खा सिंह जी सिर्फ एक खेल सितारा नहीं बल्कि अपने सहज स्वभाव और समर्पण के कारण लाखों भारतीयों के प्रेरणास्रोत भी थे। उनके पीड़ित परिजनों तथा मित्रों के प्रति मेरी संवेदना।

श्रीमती वाड्रा ने कहा, देश में जब भी उड़न धावकों की कहानियां कही जाएंगी, तब एक ऐसी शख्सियत का नाम जरूर आएगा जिसने रेस के मैदान में देश और करोड़ों भारतीय युवाओं के सपनों को एक नई ऊंचाई दी। मिल्खा सिंह जी विनम्र श्रद्धांजलि।

सैयद इब्राहिम रायसी बने ईरान के नये राष्ट्रपति

तेहरान, वार्ता। ईरान में शुक्रवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने के बाद सैयद इब्राहिम रायसी नये राष्ट्रपति चुन लिये गये हैं।सरकारी मीडिया ने बताया कि उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी ने शनिवार को अपनी हार मान ली है।

न्यायपालिका प्रमुख रायसी को सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खमेनी का समर्थन प्राप्त था। वह निवर्तमान राष्ट्रपति हसन रूहानी की जगह लेंगे। रूढ़िवादी नेता माने जाने वाले श्री रायसी जनमत सर्वेक्षणों में भी आगे थे।सेंट्रल बैंक के पूर्व प्रमुख अब्दोलनासर हेम्मती ने परिणामों की आधिकारिक घोषणा से पहले ही श्री रायसी को बधाई दे दी है।गृह मंत्रालय ने बताया कि 13वें राष्ट्रपति चुनाव में 90 फीसदी वोटों की गिनती हो चुकी है। शुरुआती गिनती से पता चलता है कि 17 करोड़ 80 लाख से अधिक लोगों ने श्री रायसी को वोट दिया था। श्री रायसी ने भ्रष्टाचार और गरीबी से लड़ने का वादा किया है।उन्होंने संकेत दिया है कि वह 2015 के परमाणु समझौते को बहाल करने पर अमेरिका के साथ अप्रत्यक्ष बातचीत जारी रखेंगे, हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है वह ईरान के खिलाफ प्रतिबंधों को हटाने का आह्वान करेंगे।रूहानी प्रशासन द्वारा किए गए समझौते का ईरान की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा था लेकिन 2018 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने समझौते से हाथ खींचने के साथ ही प्रतिबंध लगा दिये जिससे ईरान में महंगाई में इजाफा हुआ, मुद्रा की कीमत गिरी और बेरोजगारी भी बहुत बढ़ गयी।इस बीच, निवर्तमान राष्ट्रपति रूहानी ने निर्वाचित राष्ट्रपति की सफलता की कामना की है।उन्होंने शुक्रवार के राष्ट्रपति चुनाव में ईरानी मतदाताओं के बड़े पैमाने पर भागीदारी के लिए उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि मतदान ने दुश्मनों और बुरा चाहने वालों को निराश किया है।

पश्चिम एशिया से अपनी एंटी मिशाल प्रणाली को हटा रहा है अमेरिका

वाशिंगटन वार्ता। अमेरिका पश्चिम एशिया में अपनी मिसाइल-विरोधी प्रणालियों की संख्या को कम कर रहा है क्योंकि अमेरिका चीन और रूस पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है।अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल ने सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। अखबार ने बताया कि अमेरिकी रक्षा विभाग कुवैत, इराक, सऊदी अरब और जॉर्डन से लगभग आठ पैट्रियट एंटीमिसाइल बैटरी वापस ले रहा है। साथ ही एक टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस सिस्टम को भी हटा रहा है। इसके अलावा पश्चिम एशिया में क्षेत्र में तैनात जेट फाइटर स्क्वाड्रन को भी कम कर रहा है।अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच दो जून को फोन पर हुई बातचीत के बाद अमेरिका यह कार्रवाई कर रहा है।

दक्षिणी पेरू में बस पलटने से 27 लोगों की मौत

लीमा वार्ता। पेरू के अयाकुचो में शुक्रवार को एक अंतरप्रांतीय बस के पलट जाने से कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।स्थानीय मीडिया ने पुलिस के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।रिपोर्ट के मुताबिक दुर्घटना स्थानीय समयानुसार तड़के लगभग 03॰00 बजे उस समय हुई , जब वारी पालोमिनो कंपनी की बस खनिकों और उनके परिवारों के एक समूह को लेकर अयाकुचो क्षेत्र से अरेक्विपा जा रही थी। इसी दौरान बस इंटरओशनिक हाईवे पर अनियंत्रित होकर पलट गयी और करीब 250 मीटर गहरी खाई में गिर गयी।घटना की सूचना मिलते ही बचाव दल, दमकलकर्मी और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। घायलों को समीप के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सिन्धु टाइम्स (हिन्दी दैनिक), स्वामी, प्रकाशक / मुद्रक-उरूषा इमरान द्वारा विश्नू ऑफसेट,वैसी की मस्जिद,भानमती चौराहा हुसैनगंज,लखनऊ से मुद्रित कराकर 126/21/1, राना होटल, इस्लामिया कालेज के सामने, लालबाग लखनऊ (उ.प्र.)- 226001 से प्रकाशित।

*संपादक - इमरान हसन सिद्दीकी, RNI NO. UPHIN/39063, MOB.- 9935403111, प्रबंध संपादक- एस.वी.सिंह उजागर, मो- 9451988443, E-Mail : sindhutimes99@gmail.com फोन -0522-4029211 (नोट- किसी भी वाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।)